

संक्षेपण

अरक्षित लक्ष्यों पर हमलों से बचाव

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

प्रशिक्षण निदेशालय

भारत सरकार

गृह मंत्रालय

जून 2009

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

संक्षेपण

अरक्षित लक्ष्यों पर हमलों से बचाव

विषय सूची

अध्याय 1.....अरक्षित लक्ष्यों (टारगटों) की महत्वपूर्ण परिभाषाएँ	3
अध्याय 2.....आसूचना की मूलभूत संकल्पनाएँ	5
अध्याय 3.....भौतिक और तकनीकी सुरक्षा के सिद्धांत	12
अध्याय 4.....भवन डिजाइनों को समझना	36
अध्याय 5.....अरक्षित लक्ष्य सुरक्षा अनुप्रयोग, नीतियां, प्रक्रिया और प्रशिक्षण	41
अध्याय 6.....निगरानी	60
अध्याय 7.....काम चलाऊ विस्फोटक युक्तियों से परिचय	76
अध्याय 8.....जोखिम प्रबंध और जोखिम मूल्यांकन प्रक्रम	98
अध्याय 9.....भेद्यता मूल्यांकन संचालित करना	116

अध्याय 1

अरक्षित लक्ष्यों (टारगैटों) की महत्वपूर्ण परिभाषाएं

1. भूमिका

यद्यपि आतंकवादी संगठन अपने कार्यों की योजना गुप्त रूप से बनाते हैं लेकिन उसका निष्पादन सार्वजनिक रूप से करते हैं। हमलों को अमली रूप इस प्रकार दिया जाता है जिससे सुनिश्चित हो सके कि अधिक से अधिक लोग हताहत हों ताकि व्यापक प्रचार हो सके। गत वर्ष के दौरान ऐसी कई दुर्घटनाएँ हुई हैं जिनमें से प्रमुख हैं मुंबई में रेलगाड़ियों में विस्फोट और हैदराबाद में विस्फोट। ऐसा लगता है कि 21वीं शताब्दी में सक्रिय आतंकवादी संगठन अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अरक्षित लक्ष्यों पर हिंसापूर्ण प्रयास करने पर अपना ध्यान संकेंद्रित करते हैं और बड़ी संख्या में आम जनता को जोखिम में डाल देते हैं। आतंकवादी उम्मीद करते हैं कि उनके प्रयासों के कारण जनता का सरकारी सुरक्षा सेवाओं से भरोसा उठ जाएगा जिनका कर्तव्य है कि जनता की सुरक्षा करें। अरक्षित लक्ष्य की परिभाषा ऐसी संपत्ति के रूप में की गई है जो राजनीतिक हिंसा (यानी आतंकवाद) के प्रति अतिसंवेदनशील होती है, लेकिन जिसके अत्यावश्यक संस्थापन के लिए व्यापक सुरक्षा निधीयन उपलब्ध नहीं होता।

2. परिभाषित आरक्षित लक्ष्य (टारगैट)

जैसा कि पहले बताया गया है अरक्षित लक्ष्य ऐसी संपत्ति को निर्दिष्ट करता है जो हिंसा (यानी आतंकवाद) के प्रति अति संवेदनशील होती है लेकिन जिसके अत्यावश्यक संस्थापन के लिए व्यापक सुरक्षा निधीयन उपलब्ध नहीं होता।

3. अरक्षित लक्ष्यों के कुछ उदाहरण निम्नानुसार हैं

- होटल और अतिथि गृह संपत्तियां
- फ़ास्ट फ़ूड रेस्टोरेन्ट
- व्यापार काम्प्लैक्स
- गगन चुम्बी कार्यालय भवन
- गगन चुम्बी अपार्टमेन्ट
- अस्पताल और क्लिनिक्स

- बैंक
- संग्रहालय
- मनोरंजन पार्क
- शॉपिंग माल और शॉपिंग सेन्टर
- सिनेमाघर
- खेलकूद स्थल
- पर्यटक गन्तव्य स्थल
- एयरलाइन कार्यालय (हवाई अड्डों पर नहीं)
- डाक विभाग और पैकिंग सम्हलाई कंपनियां
- पुस्तकालय
- स्कूल और विश्वविद्यालय
- पुलिस स्टेशन और अग्निशमन स्टेशन
- कार व्यापार
- पूजा स्थल : चर्च, मस्जिदें, प्रार्थना भवन और मंदिर

4. अरक्षित लक्ष्यों (टारगेटों) की अत्यावश्यक संस्थापनाओं के साथ तुलना करें जो निम्नलिखित कोटियों के अन्तर्गत आती हैं

- पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस सुविधाएं
- पावर संयन्त्र
- विदेशी दूतावास
- मंत्रालय और केबिनेट मंत्रियों के निवास स्थान
- विधायी और न्यायिक सम्पत्तियां
- हवाई अड्डे
- बन्दरगाहें और पत्तन
- रेलवे और परिवहन प्रणालियां
- दूरसंचार और कम्प्यूटर केन्द्र

अध्याय 2

आसूचना की मूलभूत संकल्पनाएं

1. आधुनिक समाज में आसूचना की भूमिका

आसूचना जानकारी है। यह निर्णय अभिमुख या क्रिया अभिमुख हो सकती है यह निर्णय और क्रिया के लिए अपेक्षित सूचना की खोज करता है—आदर्शतः अपने प्रयोक्ताओं को अपनी क्रियाओं को आशावादी बनाने देती है। आसूचना को ऐसी सूचना के रूप में परिभाषित किया गया है जो नीति निर्माताओं की कथित या ज्ञात जरूरतों को पूरा करती है और इन जरूरतों को पूरा करने के लिए उसे एकत्र, परिष्कृत और संकुचित किया जाता है।

2. राज्य के लिए आवश्यकता के रूप में आसूचना

(क) आसूचना मात्र सूचना नहीं होती, यह सूचना का विशिष्ट विषय होता है जिसे एक योजनाबद्ध विश्लेषणात्मक प्रक्रिया में से गुजारा जाता है ताकि राज्य के निर्णयों और नीति निर्माताओं की सहायता की जा सके। आसूचना का अन्य प्रकार की सूचना के साथ गोपनीयता के कारण भी विभेद होता है जो इसे एकत्र करने और गुप्त रखने में बहुधा शामिल होती हैं। आसूचना विद्यमान होती है क्योंकि कुछ राज्य या कर्ता दूसरे राज्यों या कर्ताओं से सूचना छिपाने की कोशिश करते हैं जो आगे चलकर छिपाई गई सूचना को गुप्त या प्रच्छन्न साधनों से खोजने की कोशिश करते हैं।²

(ख) 'सूचना' 'आसूचना' से किस कारण भिन्न होती है? इसके तीन मुख्य तत्व हैं :

(1) संग्रहण - संग्रहण ऐसी सूचना को प्राप्त करना है जो निर्णय लेने वालों के लिए उपयुक्त मानी जाती है। (कई बार इसका उल्लेख 'अपरिष्कृत' आसूचना डेटा के रूप में भी किया जाता है)।

(2) विश्लेषण - विश्लेषण (जिसका उल्लेख कई बार मूल्यांकन और उत्पादन के रूप में किया जाता है) उस एकत्र सूचना को जांचने छांटने और उसकी विश्वसनीयता का अंदाजा लगाने का प्रक्रम है, इसके विश्लेषण से उपयुक्त निष्कर्ष निकाले जाते हैं और निर्णय निर्माताओं की अपेक्षाओं के अनुसार ऐसे निष्कर्षों की व्याख्या की जाती है।

(3) प्रचार-प्रसार - प्रचार-प्रसार, आसूचना निष्कर्षों को अत्यंत उपयुक्त रूप में निर्णय लेने वालों तक पहुंचाने का काम है।³

(ग) आसूचना को एक विशेष प्रकार की जानकारी के रूप में परिभाषित किया गया है जो किसी राज्य के पास दूसरे राज्यों के बारे में होनी चाहिए ताकि वह अपने आपको आश्वस्त कर सके कि उसके उद्देश्य की इस कारण हानि नहीं होगी या उसकी बचनबद्धताएं विफल नहीं हो जाएंगी कि उसके राजनेता या सैनिक अज्ञानता में कार्य कर रहे हैं।⁴ सुरक्षा क्षेत्र सुधार (एस.एस.आर) संदर्भ के भीतर आसूचना को 'राष्ट्रीय दूरदर्शिता के प्रति खतरों के बारे में निष्पक्ष सूचना की उत्पत्ति' के रूप में भी परिभाषित किया गया है।⁵ यह ऐसी स्थितियों में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है—जैसी कि वे जिनका एस आर आर में सामना किया गया—जहां सरकारी स्रोत तो सीमित होते हैं लेकिन अपेक्षाएं बहुत होती हैं : सही आसूचना से लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सीमित स्रोतों का कुशलतापूर्वक प्रयोग किया जा सकता है।

3. आसूचना की तीन विमाएं होती हैं

- प्रक्रम के रूप में आसूचना जिसके द्वारा सूचना एकत्र की जाती है, संसाधित और विश्लेषित की जाती है ताकि निर्णय लेने में सहायता ली जाए।
- संगठन के रूप में आसूचना—कार्यात्मक संरचनाएं जो आसूचना प्रक्रम को हाथ में लेने के लिए विद्यमान होती हैं।
- परिष्कृत उत्पाद के रूप में आसूचना (संग्रहण और विश्लेषण से प्राप्त) जो ग्राहकों को उन निर्णयों के समर्थन के लिए—चाहे तत्काल हों या दीर्घावधि—प्रदत्त की जाती है।

4. वर्ग : आसूचना के विभिन्न वर्गों में निम्नलिखित शामिल होते हैं

- (क) **राष्ट्रीय आसूचना** : उच्च-स्तरीय समेकित आसूचना जिसके अंतर्गत व्यापक राष्ट्रीय नीति आती है और एक विभाग की एकांतिक क्षमता या जरूरतों से अधिक होती है।
- (ख) **नीतिगत आसूचना** : विदेशी राष्ट्रों की क्षमताओं, भेद्यताओं और इरादों के बारे में आयोजकों द्वारा अपेक्षित सूचना ताकि शांति के समय में पर्याप्त राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के लिए आधार तैयार किए जाएं और युद्ध के समय समग्र प्ररिक्षित सैनिक प्रचालनों के लिए आधार भी उपलब्ध कराए जाए।
- (ग) **सामरिक आसूचना** : सुपुर्द नियंत्रण के अन्तर्गत संग्रहण, सामान्यतः कमान स्तर पर प्रयोग के लिए दीर्घावधि की बजाय अल्पावधि सूचना उत्पन्न करने के लिए तैयार किया जाता है जिससे वह अवक्रमित होता है।
- (घ) **विदेशी आसूचना** : विदेशी लक्ष्यों के बारे में आसूचना, जिसमें बाहरी आशंकाएं भी शामिल होती हैं।
- (ङ) **सुरक्षा आसूचना** : भीतरी आशंकाओं पर आसूचना।

- (च) **प्रति आसूचना** : आसूचना कार्यकलाप का वह चरण है जो शत्रु आसूचना प्रचालनों (निष्क्रयन, 1958) की प्रभावकारिता को प्रभावहीन करने के लिए अपनाया गया या शत्रु की मानव आसूचना एजेंसियों को लक्ष्य बनाना और मानवीय साधनों द्वारा उनमें पैठ करने की कोशिश करना किसी भी विदेशी आसूचना एजेंसी के बारे में आसूचना किसी भी तरीके से प्राप्त की जाती है।
- (छ) **प्रतिगुप्तचर्या** : गुप्तचर्या का पता लगाना।
- (ज) **मूल्यांकन** : कार्यपालक प्रयोक्ताओं के लिए लिखे गए निर्णायक सर्व-स्रोत आसूचना उपज—जिनमें बहुधा नीति विवक्षाएं होती हैं।
- (झ) अन्त में, चाहे यह आसूचना का वास्तविक वर्ग नहीं है लेकिन प्रच्छन्न कार्रवाई को भी आसूचना कार्यकलाप के भाग के रूप में माना जाना चाहिए क्योंकि सामान्यतः यह (इस संदर्भ में) आसूचना प्रयोजनों के लिए की जाती है (यानी चाहे आसूचना इसके लिए मजबूर करती है या आसूचना उत्पन्न करने के लिए प्रयास किए जाते हैं)। प्रच्छन्न कार्रवाई को उन कार्यकलापों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो राष्ट्रीय विदेश नीति उद्देश्यों के समर्थन में विदेशों में किए जाते हैं जो विदेशों में सरकारी कार्यक्रमों और नीतियों को बढ़ावा देने के लिए तैयार किए जाते हैं और जो इस प्रकार आयोजित और निष्पादित किए जाते हैं कि सरकार की भूमिका जाहिर न हो और न ही सार्वजनिक रूप से उसे स्वीकार किया जाए।⁶

5. सार्वजनिक सेवाओं की उपज

आसूचना सेवाएं सूचना के संग्रहण, संसाधन और प्रचार प्रसार के लिए उत्तरदायी होती हैं ताकि समाज की सुरक्षा और नागरिकों की आजादी सुनिश्चित की जा सके। आधुनिक आसूचना एजेंसियां तीन मुख्य सेवाएं उपलब्ध कराती हैं :

- (क) **विदेशी या बाहरी भय पर आसूचना** : आजकल किसी विदेशी आसूचना क्षमता के पीछे मुख्य चालकों में से दो ये हैं, पहला, दूसरों (चाहे मित्र हो या शत्रु) की ताकत क्षमताओं के बारे में जानकारी प्राप्त करना और उन्हें यथा संभव समझना, और, दूसरा, किसी भी विदेशी ताकत को रोकना कि नीतिगत अप्रत्याशित घटना न हो जाए। ऐसा करने के लिए सूचना के गुप्त और जाहिर दोनों स्रोतों के लिए पहुंच होनी चाहिए जो राष्ट्रीय सुरक्षा, सैनिक और प्रतिरक्षा, राजनीतिक, आर्थिक और विदेशी नीति संबंधी विषयों पर मुख्यतः संकेन्द्रित होनी चाहिए, इसमें सामाजिक पर्यावरणीय और सांस्कृतिक आसूचना को भी ध्यान में रखा जाएगा।
- (ख) **भीतरी सुरक्षा पर आशंकाओं के बारे में आसूचना** : 'सुरक्षा आसूचना' उन आशंकाओं पर संकेन्द्रित होती है जो बाह्य रूप से प्रचलित होने की बजाय आन्तरिक रूप से प्रचलित होती हैं। सुरक्षा आसूचना के कुछ विशिष्ट लक्षण होते हैं, विशेषतः पुलिसबलों के साथ उनका गहरा संबंध होता है कि विशेष कार्यकलापों का पता लगा सकें जो विदेशी आसूचना एजेंसियों के संबंध में ऐसी एजेंसियों को भिन्न-भिन्न रास्तों की ओर धकेल देते हैं। लेकिन 21वीं शताब्दी में घरेलू और विदेशी आसूचना कार्यकलापों के वर्धित रूप से अतिव्याप्त होने के कारण ये विशिष्टताएं धुंधली होती जा रही हैं—यह मामला विशेषतः प्रति-आतंक के क्षेत्र में है जो घरेलू लक्ष्यों (महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संरचनाओं सहित), समुद्रपार दूतावासों, विदेशी राष्ट्रों में सशस्त्र सेनाओं के या वाणिज्यिक

हितों के प्रति भय को सम्मिलित करता है। ऐसी सुरक्षा आसूचना सुरक्षा चिन्ताओं के 'नरम' पहल को भी सहायता प्रदान कर सकती है जैसा कि वे राष्ट्रीय एजेसियां जैसाकि वैध विरोध और अन्य विद्वेषपूर्ण लेकिन अहिंसात्मक कार्यकलाप जिनके बारे में सरकार को जानकारी होनी चाहिए।

(ग) नीति और निर्णय लेने में आसूचना-प्रेरित सलाह : जैसा कि ऊपर दो पैराग्राफों में देखा गया है, आसूचना का प्रयोग इसके तात्कालिक अनुप्रयोगों के परे भी किया जाता है ताकि सरकार द्वारा व्यापक नीति प्रतिपादित करने और निर्णय लेने के प्रक्रमों में सहायता दी जा सके। ऐसा सरकार को सामरिक आसूचना डेटा या नीतिगत आसूचना मूल्यांकन उपलब्ध कराकर किया जा सकता है जिसमें किसी विशेष मामले का लंबी (अधिक लंबी) अवधि दृश्य उपलब्ध कराया जाता है। अन्ततः इससे सरकार की निश्चितता कम की जा सकती है और सरकार को पेश आने वाली भावी संभावनाओं को परिबद्ध करके जोखिम से निपटा जा सकता है और साथ ही उस सरकार को क्षमता दी जाती है कि अवसर जब और जहां उत्पन्न होते हैं उन्हें देख सके।

6. प्रक्रम और संरचना के रूप में आसूचना

आसूचना एक प्रक्रम है जिसके द्वारा डेटा को निर्णय निर्माताओं के लिए प्रयोज्य रूप में परिष्कृत किया जाता है। यह संगठनों का एक ढांचा भी है जो सूचना एकत्र करते हैं और संसाधित करते हैं। यह प्रक्रमों और संरचनाओं के बीच संबंध है जो आसूचना कार्यकलाप के सफल निष्कर्ष को निर्धारित करता है।

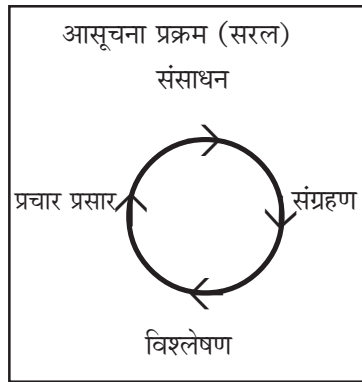
(क) प्रक्रम के रूप में आसूचना

आसूचना प्रक्रम के चार मुख्य चरण हैं :

- संग्रहण
- विश्लेषण
- संसाधन
- प्रचार प्रसार

कलासिकल आसूचना चक्र एक विमा, एक दिशा प्रक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करता है (आकृति-1 देखें)।

आकृति-1 : आसूचना प्रक्रम सरल



(ख) संग्रहण अपरिष्कृत सूचना को एकत्र करने का साधन है जो परिष्कृत आसूचना का आधार बनती है। इसे भिन्न तरीकों से हाथ में लिया जा सकता है जिसमें प्रच्छन्न मानव एजेंटों या मुखबिरों के (जिन्हें मानव आसूचना या ह्यूमिन्ट कहते हैं) इस्तेमाल से लेकर इलैक्ट्रॉनिक संचारों (जिन्हें सिगनल आसूचना या सिगिन्ट कहते हैं) के अन्तरावरोधन और सेटेलाइट बिम्बों (बिम्ब आसूचना या ईमिन्ट) का प्रयोग किया जाता है। किसी भी एक स्रोत द्वारा किसी मामले की पूर्ण समझ उपलब्ध कराए जाने की संभावना नहीं होती इसलिए घटनाओं की अत्यधिक सही तस्वीर प्राप्त करने के लिए एजेंसियां यथा संभव अधिक से अधिक स्रोतों का प्रयोग करने का प्रयास करेंगी। इसे सर्व-स्रोत आसूचना कहा जाता है। यहां एक मूलभूत प्रश्न उत्पन्न होता है कि 'क्या एकत्र करना है?' या 'क्या एकत्र किया जा सकता है?' एजेंसियों की सीमित संग्रहण स्रोतों (ह्यूमिन्ट और सिगिन्ट दोनों) की कुछ मामलों या लक्ष्यों के लिए प्राथमिकता निर्धारित की जानी चाहिए। इसका अनिवार्य अर्थ यह होगा कि कुछ क्षेत्र इसके अन्तर्गत नहीं आ पाएंगे या कम आएंगे। विशेषतः तकनीकी संग्रहण साधनों (जैसे सिगिन्ट) के संबंध में यह भी खतरा है कि तन्त्र इतनी अधिक सूचना एकत्र कर लेगा कि प्राप्तकर्ता एजेन्सी या संगठन के पास इतनी क्षमता ही नहीं होगी कि उसे समाविष्ट या संसाधित कर सके, और संभवतः आसूचना की छोटी लेकिन महत्वपूर्ण जानकारी छूट जाए जिसे बहुधा 'विश्लेषण असन्तुलन के लिए संग्रहण' कहा जाता है।

संग्रहण विधियों द्वारा एकत्र सूचना की संभवतः बड़ी मात्राओं को एक फॉर्मेट में तब्दील किया जाता है जो सूक्ष्म निरीक्षण के लिए उपयुक्त होता है और इसे संसाधन कहते हैं। इसका एक उदाहरण अन्तरावरोधित कूटबद्ध सिगनल आसूचना का गुप्तलेखोद्घाटन करना होगा। यहां संग्रहण बनाम संसाधन क्षमता का मामला सामने आता है। यह तर्कणीय है कि आसूचना प्रक्रम का सबसे महत्वपूर्ण भाग विश्लेषण होता है। यह एक साधन है जिसके द्वारा विभिन्न स्रोतों से एकत्र और संसाधित सूचना को एक साथ लाया जाता है और प्रयोज्य उत्पाद के रूप में उसका विकास किया जाता है ताकि निर्णय-निर्माता उस दिन के मामलों का समाधान कर सकें। कई तन्त्रों में, विभिन्न एजेंसियां एक मुख्य साधन पर ध्यान संकेन्द्रित करेंगी और ढांचे में अन्य संगठनों पर निर्भर करेंगी कि उनकी संसाधित सामग्री का विश्लेषण वे हाथ में लें। दूसरों में, विभिन्न एजेंसियां समस्त संग्रहण, संसाधन, विश्लेषण और अपने ढांचों में प्रचार-प्रसार के काम को हाथ में लेंगी, इसे प्रतिस्पर्धात्मक विश्लेषण कहते हैं जिसमें प्रत्येक एजेंसी एक मामले का अपना विश्लेषण करती है और उसके आधार पर इस पहुंच से समग्र विश्लेषण मजबूत बन जाएगा और इसलिए इस बात की अधिक संभावना है कि निर्णय लेने वालों के सामने अत्यधिक सही आसूचना प्रस्तुत की जाए।

(ग) पूरे किए गए आसूचना विश्लेषण के वितरण को प्रचार-प्रसार कहते हैं। यह साधन है जिसके द्वारा नीति निर्माता एकत्रित, संसाधित और विश्लेषित आसूचना प्राप्त करते हैं। यहाँ एजेंसियों के लिए मुख्य मामला यह होता है कि सूचना को किस प्रकार ऐसे तरीके से प्रस्तुत किया जाए जिससे अंतर्वस्तु और प्रस्तुति दोनों में निर्णय लेने वालों की जरूरतें पूरी हो जाएं जबकि दिन के प्रश्नों का उत्तर देने में आसूचना की सीमाओं को पर्याप्त रूप से प्रकाश में लाया जाना सुनिश्चित किया जाए।

(ख) संरचना के रूप में आसूचना

(घ) आसूचना सेवाओं की संरचनाओं को कई बातें प्रभावित करती हैं। कुछ बातों में निम्नलिखित शामिल हैं :

- (i) एक या अधिक सेवाओं द्वारा अपनायी गई भूमिकाएं और आदेश (यानी घरेलू और विदेशी भूमिका दोनों के लिए भिन्न-भिन्न एजेंसियां हैं?) और सुरक्षा समुदाय में आसूचना एजेंसियों और अन्य कर्ताओं (जैसाकि विधि प्रवर्तन) के बीच ज्ञान परस्पर अतिव्याप्त होता है।
- (ii) एकत्र आसूचना के संसाधन के लिए किसी केन्द्रीय विश्लेषण का आकार और/या मूल्यांकन यन्त्रावली।
- (iii) आसूचना समुदाय के लिए केन्द्रीय नियंत्रण और तालमेल और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने की जरूरत।
- (iv) आसूचना समुदाय पर सार्वजनिक नियंत्रण सुनिश्चित करने की जरूरत।

7. विभेदित आसूचना सेवाओं की स्थापना

- (क) आसूचना के चार भिन्न लेकिन बहुधा अतिव्याप्त वर्ग हैं विदेशी, घरेलू, आपराधिक और सैनिक जिन्होंने आगे चलकर विभिन्न देशों में अलग आसूचना सेवाएँ उत्पन्न की हैं। कई राज्यों में बहुधा एक ही एजेंसी आन्तरिक और बाह्य दोनों भूमिकाओं को एक साथ निभाती है।
- (ख) घरेलू या सुरक्षा आसूचना सेवाओं का मिशन आसूचना को आन्तरिक सुरक्षा के अनुरूप प्राप्त करना, सहसंबंधित करना और मूल्यांकन करना है। आन्तरिक सुरक्षा का लक्ष्य होता है कि राज्य, क्षेत्र, समाज और लोगों की विद्वेषपूर्ण कार्यों के विरुद्ध बचाव करे जिसमें आतंकवाद, जासूसी, तोड़फोड़, विनाश, अतिवाद, संगठित अपराध और नशीली दवाओं का उत्पादन/अवैध व्यापार शामिल है। कई बार विधि प्रवर्तन निकाय 'सुरक्षा पुलिसिंग' में शामिल होते हैं, यूके की विशेष शाखा संरचना विधि प्रवर्तन आधारित सुरक्षा आसूचना सेवा का बढ़िया उदाहरण है।
- (ग) विदेशी आसूचना सेवाओं का काम बाह्य सुरक्षा के अनुरूप और चेतावनी प्रयोजनों के लिए आसूचना प्राप्त करना, सह- संबंधित करना और मूल्यांकन करना है। बाह्य सुरक्षा के बचाव के लिए धमकियों, खतरों, जोखिमों का और अवसरों और घटनाओं और निष्कर्षों की संभावना का ज्ञान अपेक्षित होता है। इसलिए बाहरी ताकतों, संगठनों, समूहों या व्यक्तियों और उनके एजेंटों के बारे में सूचना अपेक्षित होती है जो राज्य और उसके हितों के लिए वास्तविक या संभावित भय प्रस्तुत करते हैं।
- (घ) आसूचना और विधि प्रवर्तन के उद्देश्य बहुत अलग होते हैं, आसूचना का काम है कि राज्य या समाज के लिए वास्तविक या संभावित आशंकाओं के एक व्यापक स्पेक्ट्रम पर यथा संभव अधिक से अधिक सूचना एकत्र करे, विधि प्रवर्तन का काम है कि विशिष्ट दंडात्मक अपराध से संबंधित दोष-सिद्धियां प्राप्त करने की कोशिश करे। इस भेद के होते हुए भी अपराधिक आसूचना एजेंसियों के लिए (जो अभियोजन के उद्देश्य से संगठित अपराधिक गतिविधियों पर सूचना एकत्र करती है) वैसी ही प्रवीणताएं अपेक्षित होती है जैसी उत्कृष्ट आसूचना कार्य के लिए।
- (ङ) विदेशी ताकतों के इरादों के बारे में विदेशी आसूचना के अतिरिक्त, रक्षा मंत्रालयों और सैनिक बलों के पास संभावित शत्रुओं की सैनिक क्षमताओं के बारे में ऐतिहासिक रूप से आसूचना अपेक्षित होती है। इसके कारण

बहुत से राज्यों में एक विशेषज्ञता प्राप्त प्रतिरक्षा या सैनिक आसूचना विभाग या सेवा (जैसाकि दक्षिण अफ्रीका राष्ट्रीय सुरक्षा बल की आसूचना डिविजन) अस्तित्व में आ गई है।

8. आसूचना का केन्द्रीय तालमेल

पृथक एजेंसियों के रूप में घरेलू, विदेशी और विशिष्ट आसूचना कार्यों के प्ररूपी पृथक्करण के आसूचना संग्रहण और विश्लेषण की तालमेल अपेक्षित होती है, यह तब विशेष मामला बन जाता है जबकि आशंका का सीमा पार पहलू, जैसा कि आतंकवाद, के कारण कई एजेंसियों द्वारा एक समान लक्ष्यों पर सूचना का संग्रहण किया जाता है।

9. आसूचना का केन्द्रीय मूल्यांकन

बहुत से विभिन्न माडलों की जांच की गई है-अधिक या कम मात्रा में-उन पर आसूचना का केन्द्रीय मूल्यांकन लागू होता है। जिस कड़ाई से इसका पालन होता है उसमें बहुत हद तक विभिन्नता होती है जिसके द्वारा आसूचना के सब भिन्न स्रोतों को एक विकसित उत्पाद में समाकलित किया जाता है विशेष रूप से लेकिन सामरिक महत्व के आसूचना हितों को नीति निर्माताओं के विचार के लिए अनन्य रूप से नहीं लिया जाता। इस प्रणाली में अधिकांश एजेंजियां कच्चे और परिष्कृत आसूचना डेटा का मिश्रण केन्द्रीय मूल्यांकन यंत्रावली को उपलब्ध कराती है। जिसे संसाधित किया जाता है और एक उत्पाद में बदल दिया जाता है।

10. परामर्शी कार्य के रूप में आसूचना

देशों के सामने अत्यधिक महत्वपूर्ण कार्य यह है कि एक राष्ट्रीय स्वामित्व और राष्ट्रीय नियंत्रण में सुरक्षा की दूरदर्शिता निर्मित करें। देशों को इस बुनियाद की जरूरत है ताकि उपयुक्त सुरक्षा प्रणालियां और सुरक्षा नीति ढांचे विकसित कर सकें जिसमें उन्हें क्रियान्वित करने के लिए अपेक्षित संस्थागत यंत्रावलियां शामिल हों। राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक महाराबी नीति प्रतिपादित करने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा समीक्षा के माध्यम से इसे प्राप्त किया जा सकता है जिसे आन्तरिक और बाह्य सुरक्षा के बीच विभेदों को स्पष्ट करते हुए समग्र राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के संदर्भ में इसे स्थापित किया जाएगा। ऐसी समीक्षा से दो काम पूरे किए जाएंगे :

(क) इसमें सरकार वैध और अवैध सुरक्षा गतिविधि के बीच विभेद कर सकेगी।

(ख) इससे सरकार को सहायता मिलेगी कि सुरक्षा क्षेत्र के भीतर और सुरक्षा क्षेत्र और स्वास्थ्य या शिक्षा जैसे अन्य समाजीय क्षेत्रों के बीच संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा दावों के बीच चयन कर सके। राज्य के पेश आने वाले जोखिमों और आशंकाओं के विस्तार पर सही सूचना उपलब्ध कराने के माध्यम से आसूचना सेवाएं इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान कर सकती हैं।

अध्याय 3

भौतिक और तकनीकी सुरक्षा के सिद्धांत

1. सुरक्षा अभिकल्प का परिचय

- (क) आतंकवादी अब आबादी वाले क्षेत्रों को लक्ष्य बनाते हैं तो वे बहुधा विस्फोटक युक्तियों का प्रयोग करते हैं। अधिकांश अरक्षित लक्ष्य संरचनाएं आतंकवादी हमलों से कोई सुरक्षा प्रस्तुत नहीं। हमले की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें अभिकल्पित या निर्मित नहीं किया गया था। तथापि आरक्षित लक्ष्यों पर हमलों की संभावनाएं वास्तविक हैं, विकसित हो रही हैं और आवृत्ति और घातकता में वृद्धि हो रही है। आतंकवाद की हठीली और दृढ़निश्चयी प्रकृति के कारण हम विवश हो गए हैं कि अपनी वर्तमान अरक्षित लक्ष्य नीतियों और पद्धतियों की सूक्ष्मता से जांच करें। इसमें कोई शक नहीं कि आतंकवाद में हाल के रुझानों ने विधि प्रवर्तन और सुरक्षा पेशेवरों और जनता पर नई चुनौतियां थोप दी हैं। प्रभावकारी सुरक्षा व्यवस्था स्पष्टतः हमारी क्षमता को चुनौती प्रस्तुत कर रही है कि हम पहचानें, समझें और भय का प्रतिकार करें।
- (ख) भौतिक सुरक्षा की उत्कृष्ट संकल्पना इस धारणा से उत्पन्न होती है कि हम अपने परिवार घर और सम्पत्तियों की सुरक्षा उनसे बनाए रखने के लिए नीतियां विकसित करते हैं जो हमें हानि पहुंचाना चाहते हैं। इसका अर्थ है कि जैसे-जैसे जोखिम उत्पन्न होते हैं उसी प्रकार सुरक्षा का प्रणाली विज्ञान और प्रौद्योगिकियां भी विकसित होनी चाहिए। अतः यह जरूरी है कि सुरक्षा की मूल बातों को समझा जाए, जिसे जोखिम मूल्यांकन सिद्धांतों और उनके अनुप्रयोग से आरंभ किया जाए और जिसके बाद प्रवेश नियंत्रण के कुछ अधिक तकनीकी भागों को लिया जाये जैसाकि तालों का उचित प्रयोग और धातु संसूचक लगाना।

2. जोखिम मूल्यांकन

- (क) जोखिम को समाप्त तो नहीं किया जा सकता लेकिन इसकी व्यवस्था की जा सकती है। जोखिम विश्लेषण करके और विश्लेषण के निष्कर्षों को समझकर जोखिम को उस स्तर तक घटाया जा सकता है कि इसकी व्यवस्था की जा सके। जोखिम मूल्यांकन के साथ अरक्षित लक्ष्यों का बचाव करना आरंभ होता है। जोखिम मूल्यांकन से आप उन क्षेत्रों की पहचान कर सकते हैं जहां एक अरक्षित लक्ष्य अति संवेदनशील है और उसके विरुद्ध आशंकाओं की भी पहचान कर सकते हैं। जब भी किसी सुरक्षा प्रणाली का निर्माण या उन्नयन करना हो तो यह आरंभिक बिन्दु

होता है।

(ख) जोखिम प्रबंध की परिभाषा एक विधि के रूप में की जा सकती है :

- (i) जो अरक्षित लक्ष्य के लिए जोखिमों की ठीक-ठीक पहचान करता है।
- (ii) अरक्षित लक्ष्य को उन जोखिमों से होने वाले संभावित प्रभावों की पहचान करता है।
- (iii) जोखिम को स्वीकार्य स्तर तक घटा देता है।
- (iv) प्रत्युपायों का क्रियान्वयन उचित ढंग से करें।

3. जोखिम मूल्यांकन—एक पांच चरण प्रक्रिया

- (क) अमूल्य कार्मिक परिसंपत्तियों की पहचान करें जो खो जाती है या समझौता करती है तो देश पर प्रभाव पड़ेगा
- (ख) मूल्यांकन करें कि आशंका क्या और कौन है
- (ग) मूल्यांकन करें कि आपकी परिसंपत्तियों को खोने या समझौता के लिए क्या भेद्य बना रहा है
- (घ) जोखिमों की सूची बनायें। जो जोखिम अत्यधिक क्रांतिक चिन्ता के हैं, उनका पहले समाधान करें
- (ङ) प्रत्युपायों यानी सुरक्षा उपायों की पहचान करें जिनका प्रयोग आशंका का या किसी सम्पत्ति की भेद्यता को कम करने के लिए किया जा सकता है।

4. सुरक्षा सर्वेक्षण

(क) सुरक्षा सर्वेक्षण क्या होता है

अरक्षित लक्ष्यों की वर्तमान सुरक्षा स्थिति की जांच और विश्लेषण को सुरक्षा सर्वेक्षण कहते हैं। यह अरक्षित लक्ष्यों के बचावों की वर्तमान स्थिति को देखता है। यह सुरक्षा की कमियों और ज्यादितियों की पहचान करता है। किसी अरक्षित लक्ष्य की सुरक्षा प्रणाली के ईमानदार मूल्यांकन से कमियों और भेद्यताओं की पहचान होती है। सुरक्षा सर्वेक्षण का उद्देश्य अपेक्षित सुरक्षात्मक स्तर निर्धारित करना और अरक्षित लक्ष्यों की समग्र सुरक्षा को सुधारने के लिए सिफारिशें करना है।

(ख) सर्वेक्षण कौन निष्पादित करता है?

अनुभव प्राप्त सुरक्षा पेशावर सुरक्षा सर्वेक्षण निष्पादित करते हैं जिनको उपयुक्त जानकारी और अनुभव होता है। कोई होटल प्रबंधक जो सुरक्षा के बारे में थोड़ा बहुत जानता है उससे बहुत सहायता मिल सकती है लेकिन जो सर्वेक्षण कर रहे हैं उन्हें समग्र सुरक्षा मूल्यांकनों का निष्पक्ष और पेशावर अनुभव होना जरूरी है। अरक्षित लक्ष्यों से व्यवहार करते समय लक्ष्य यह होता है कि उन्हें आतंकवादियों और अन्य अपराधियों के हमलों से बचाया जाए। सुरक्षा पेशावरों के रूप में आशंकाओं के विभिन्न प्रकारों और जोखिम से उत्पन्न संभावित भेद्यताओं की पहचान करने और समझने की जरूरत होती है।

(ग) सर्वेक्षण कहां किया जाता है

सुरक्षा सर्वेक्षण उस स्थान पर किया जाता है जिसका मूल्यांकन किया जा रहा है। यदि वास्तविक स्थल पर इसे संचालित नहीं किया जाता तो यह मात्र एक कागजी अभ्यास है या एक एकान्तर सुविधा का निरूपक है। उदाहरणार्थ चैन रेस्टोरेन्टों का

समान वास्तु-शिल्पीय अभिन्यास हो सकता है लेकिन प्रत्येक रेस्टोरेन्ट की अपनी विलक्षण सुरक्षा चिन्ताएं हो सकती हैं जिन्हें स्थानीय वातावरण द्वारा आरोपित किया जाता है। “एक योजना सब उपागम के लिए उपयुक्त है” ऐसा सुरक्षा सर्वेक्षणों पर लागू नहीं होता।

(घ) सुरक्षा सर्वेक्षण कब किया जाए

(I) संभावित परिस्थितियों में निम्नलिखित शामिल हैं :

- i. निगमित अपेक्षाओं का अनुपालन
- ii. एक नए स्थल को सक्रिय बनाना
- iii. वर्तमान सुविधा में संशोधन
- iv. एक प्रोग्राम या योजनाबद्ध उन्नयन का भाग
- v. किसी आतंकवादी भय के उत्तर में या प्रत्याशा में

(II) यह पूर्ण सूची नहीं है, मात्र एक नमूना है। सर्वेक्षण कब किया जाना है इसका निर्णय लेने के लिए अन्य तत्व निम्नानुसार हैं :

- i. दिन का सबसे अच्छा समय
- ii. सप्ताह का सबसे व्यस्त दिन
- iii. मौसमी लिहाज़

5. पर्यावरणीय नीतियां और उनका अनुप्रयोग

(क) शहरी प्रतिवेश की योजना बनाते समय पर्यावरणीय नीतियों में भौतिक सुरक्षा अभिकल्प, नागरिक भागीदारी और विधि प्रवर्तन के तत्वों को ध्यान में लिया जाता है। प्रत्येक तत्व की शक्तियां होती हैं जिन्हें समग्र सुरक्षा योजना में शामिल किया जा सकता है। यह जोर पब्लिक स्कूलों, विश्वविद्यालयों, व्यापार जिलों और जनता परिवहन प्रणालियों जैसे क्षेत्रों पर लागू होगा। अरक्षित लक्ष्यों के बचाव की टीम पहुंच से एक नई जागरूक सोसायटी विकसित होती है। ये नीतियां अन्तर्राष्ट्रीय रूप से ज्ञात और मान्यताप्राप्त पर्यावरण डिज़ाइन सिद्धांतों के माध्यम से अपराध की रोकथाम (सीपीटीईडी) पर आधारित हैं।

(ख) नागरिक बचाव नीति

नागरिक हस्तक्षेप में आपराधिक और आतंकवादी गतिविधियों के प्रति नागरिकों की जागरूकता बढ़ाकर और शिक्षा के माध्यम से अपराध कम करने पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है—

(ग) क्षेत्रीय बचाव नीति

सम्पत्ति संबंधी अपराधों और हमलों को कम करने के सिद्धांत पर निम्नलिखित नीतियां काम करती हैं :

i. भूमि उपभोग और योजना : ऐसे भूमि उपभोग मिश्रणों से बचें जो स्थानीय परिवेश सुरक्षा को नकारात्मक

रूप से प्रभावित करते हैं।

- ii. **भवन ग्राउंड्स सुरक्षा** : आतंकवादी हमलों और अवैध गतिविधियों के विरुद्ध यह बचाव की पहली पंक्ति है। पहुंच नियंत्रण और निगरानी पर बल दिया जाता है।
- iii. **भवन परिधि सुरक्षा** : यह बचाव की दूसरी पंक्ति है जो नागरिकों और अरक्षित लक्ष्यों की सुरक्षा करती है।
- iv. **भवन आन्तरिक सुरक्षा** : यह बचाव की तीसरी पंक्ति है जो अरक्षित लक्ष्य अधिभोक्ताओं और सम्पत्ति का बचाव करती है।
- v. **निर्माण** : ऐसी भवन नियमावलियों को तैयार करें जो अरक्षित लक्ष्य बचाव को ध्यान में लेती है। निर्माण में नियमावली अपनाने और प्रवर्तन दोनों पर ध्यान दिया जाता है।

(घ) भूमि उपभोग और योजना

ऐसे भूमि उपभोग सम्मिश्रणों से बचें जो स्थानीय प्रतिवेश को नकारात्मक रूप प्रभावित करते हैं।

- i. निश्चित करें कि क्षेत्र का प्रयोग कौन करेगा—अपराधिक या आतंकवादी गतिविधियों के लिए अवसर घटाने पर बल दें।
- ii. कुछ क्षेत्रों को वैध प्रयोक्ताओं को दे दें जिनके बारे में संभावना है कि निश्चित स्थल पर वे स्वामित्व अपनाएंगे और इसमें सुधार करेंगे।
- iii. सार्वजनिक स्थलों को अर्द्ध सार्वजनिक और अर्द्ध निजी क्षेत्रों में बांट दें। उदाहरणार्थ, एक रेस्टोरेन्ट की पैदल पथों और सामने और इर्दगिर्द पार्किंग क्षेत्र के लिए जिम्मेदारी होती है। इसे अर्द्ध सार्वजनिक स्थल में बदल देने से रेस्टोरेन्ट कर्मचारी प्रोत्साहित होते हैं कि मानीटर करें और आपराधिक या संदेहास्पद गतिविधियों की रिपोर्ट करें।

(ङ) भवन ग्राउंड्स सुरक्षा

आतंकवादी हमलों और अवैध गतिविधियों के लिए यह बचाव की पहली पंक्ति है। इसमें पहुंच नियंत्रण और निगरानी पर बल दिया जाता है।

- i. नियंत्रित स्थल की सीमा को सुस्पष्ट ढंग से सुनिश्चित करें सीमाओं की भौतिक या सांकेतिक रूप से पहचान करें। बाड़ें, झाड़ियां या निशान स्वीकार्य सीमा परिभाषाएं हैं। कोई भी व्यक्ति उचित ढंग से पहचान कर सके कि वह सार्वजनिक या निजी स्थल में से गुजर रहा है। भीतरी स्थलों की पहचान के उदाहरण हैं फर्नीचर और कलर स्कीमों की व्यवस्थाएं।
- ii. भौतिक अवरोधों का प्रयोग करें: यातायात और लोगों के प्रवाह को सीमित करें। पार्किंग अवरोध अवांछित यातायात को अलग रखे क्षेत्र से बाहर रख सकते हैं। भौतिक अवरोधों से लोगों को ऐसे क्षेत्रों में प्रवेश करने से प्रतिबंधित किया जा सकता है जिस पर आप नियंत्रण बनाए रखना चाहते हैं।
- iii. निगरानी : गाड़ों और क्लोज़ सर्किट टेलीविज़न (सीसीटीवी) का प्रयोग अरक्षित लक्ष्य ग्राउंड्स को

मानीटर करने के सकारात्मक तरीके उपलब्ध कराता है। असाधारण यातायात गतिविधि के लिए पार्किंग स्थलों और संरचनाओं को मानीटर करने के लिए गाड़ों और सी सी टी वी का प्रयोग करें।

- iv. अतिक्रमण संसूचन व्यवस्था (आई डी एस) जब अरक्षित लक्ष्यों का ध्यान रखने के लिए प्रभावी ढंग से डिजाइन की गई हों तो आई डी एस बचाव की एक और परत उपलब्ध कराता है। जब कोई घुसपैठ घटित होती है तो आईडीएस पता लगाने और सुरक्षाबलों को सतर्क करने की क्षमता उपलब्ध कराता है। जब सौन्दर्यबोधी डिजाइन महत्वपूर्ण है तो एक विकल्प यह है कि भौतिक अवरोधों के साथ मिलकर या उनकी बजाए एक आईडीएस व्यवस्था का प्रयोग किया जाए।

(च) भवन परिधि सुरक्षा

भवन की परिधि स्थल अधिभोक्ताओं और सम्पत्ति के बचाव के लिए सुरक्षा की अच्छी दूसरी पंक्ति उपलब्ध कराती है। बहुधा जब अरक्षित लक्ष्यों से व्यवहार किया जाता है तो यह वास्तविक रूप से सुरक्षा की पहली परत का काम करती है।

- i. सुरक्षित/स्टैंड आफ क्षेत्र—स्टैंड-आफ क्षेत्र किसी वाहन बम से बचाने की क्षमता में वृद्धि करता है। अरक्षित लक्ष्य से वाहन बम जितना दूर होगा उतनी ही अधिक संभावना होती है कि लक्ष्य विस्फोट से बच जाएगा।
- ii. भौतिक अवरोधों का प्रयोग करें—भौतिक अवरोध यातायात और लोगों के प्रवाह को प्रतिबंधित करते हैं। पार्किंग अवरोधों का प्रयोग करके अवांछित यातायात को स्टैंड आफ क्षेत्र से बाहर रखा जा सकता है। भौतिक अवरोधों के प्रयोग से लोगों का नियंत्रित क्षेत्रों में प्रवेश प्रतिबंधित हो जाता है।
- iii. निगरानी गाड़ों और क्लोज़ सर्किट टेलीविज़न (सीसीटीवी) का प्रयोग अरक्षित लक्ष्य ग्राउंड्स का मानीटर करने के सकारात्मक तरीके उपलब्ध कराता है। असाधारण यातायात गतिविधियों के लिए पार्किंग स्थलों और संरचनाओं को मानीटर करने के लिए गाड़ों और सीसीटीवी का प्रयोग करें। कई बार गाड़ और सीसीटीवी आशंका मूल्यांकन में पहचान की गई भेद्यताओं को घटा या विलोपित कर सकते हैं। ये सुरक्षा उपाय वर्तमान परिधि का समग्र दृश्य भी उपलब्ध कराते हैं।
- iv. आई डी एस—जब किसी अरक्षित लक्ष्य की सुरक्षा के लिए प्रभावी ढंग से अभिकल्पित की जाती है तो आई डी एस सुरक्षा की एक और परत उपलब्ध कराती है—पता लगाने और घुसपैठ होने पर सुरक्षा बलों को सतर्क करने की योग्यता।

(छ) भवन आन्तरिक सुरक्षा

कार्मिकों, परिसंपत्तियों और सम्पत्ति की सुरक्षा के लिए भवन आन्तरिक सुरक्षा, सुरक्षा की तीसरी पंक्ति उपलब्ध कराती है और भीतरी स्थलों के लिए अनधिकृत प्रवेश को रोकती है।

- i. संभावित असुरक्षित कार्यकलापों का सुरक्षित ठिकानों पर करें—किसी अधियोग किए स्थल या सख्य नियंत्रित स्थलों की खिड़कियों से भेद्य कार्यकलापों को परे रखें। इसमें विवाह सम्मेलन और सामाजिक समारोह आदि चल समारोह शामिल होते हैं जिन्हें टारगेट के भेद्य क्षेत्रों से दूर रखा जाए।

- ii. एकत्र होने के क्षेत्रों का पुनः आबंटन करना—सामान्यतः लोगों के एकत्र होने के ठिकाने ऐसे स्थलों पर रखें जहां अच्छी निगरानी और प्रवेश नियंत्रण हो।
- iii. शरण स्थल—लाक डाउन और निकास योजनाओं की पूर्ति करने के लिए “शरण स्थल” उत्पन्न करें। भवन में ऐसे स्थलों की पहचान करें जहां संकट की स्थिति में लोग सुरक्षित ढंग से एकत्र हो सकते हैं। ऐसी घटनाओं में जहां स्थल पर या स्थल से परे निकास अधिक उपयुक्त है तो ऐसी कार्यवाइयों के लिए मार्ग निर्देश विकसित करें और अमली रूप दें।
- iv. नियंत्रित स्थल की स्पष्ट सीमा परिभाषित करें—भौतिक या सांकेतिक सीमाओं की पहचान करें। दरवाजा, निशान और गार्ड स्वीकार्य सीमा परिभाषाओं के उदाहरण होते हैं। कोई भी व्यक्ति यह पहचान सकने योग्य होना चाहिए कि वह सार्वजनिक या निजी क्षेत्र से गुज़र रहा है।
- v. उपयोगिताएं—तापन, संवातन, वातानुकूलन और अन्य यांत्रिक प्रणाली उपयोगिता तक पहुंच मार्ग सुरक्षित करें जहां विस्फोटक यन्त्र को रखा जा सकता है कि पता न चले। किसी दुर्घटना के दौरान शीघ्रता से तापन, संवातन और वातानुकूलन प्रणालियों को बन्द करने के लिए कार्यपद्धतियां निर्धारित करने के लिए परिरक्षक और अनुरक्षण कर्मचारियों के साथ काम करें।

(ज) निर्माण

भवनों के डिज़ाइन में अरक्षित लक्ष्य बचाव को ध्यान में रखा जाना चाहिए। डिज़ाइन में नियमावली अपनाने और प्रवृत्तन दोनों पर विचार करें।

- i. वास्तुकारों के साथ डिज़ाइनिंग - आजकल विश्वभर में सुरक्षा कर्मचारी वास्तुकारों के साथ केवल सुरक्षा में सुधार लाने के उद्देश्य से मिलकर काम कर रहे हैं। आतंकवाद किसी योजनाबद्ध पूर्वानुमान के अनुकूल नहीं होता क्योंकि यह मानवीय योजना का काम होता है। अरक्षित लक्ष्यों को बचाने और आतंकवादी आशंका का सामना करने के हमारे प्रयासों में यह जरूरी है कि हम आतंकवादियों द्वारा हमला करने के अवसरों को कम कर दें। प्रत्येक छोटी या बड़ी इमारत आतंकवादी हमले के लिए संभावित लक्ष्य होती है और स्थल पर लोग जितने अधिक होंगे, लक्ष्य उतना ही आकर्षक हो जाएगा। यह जरूरी है कि सुरक्षा आयोजक और वास्तुकार मिलकर काम करें और प्रभावी सुरक्षा उपायों को विकसित और क्रियान्वित करें।
- ii. सुरक्षा अधिकारी इसे मात्र अपराध मानने की बजाय थोड़ी अधिक चिंता करें। उसे स्थल की समग्र सुरक्षा पर विचार करना चाहिए। एक पूर्ण सुरक्षा डिज़ाइन की ज़रूरत है ताकि आतंकवादी हमलों को रोका जा सके और संभावित हानि और क्षति को कम किया जाए।

6. वास्तुकारों के साथ काम करना

वास्तुकारों के साथ काम करते समय कई विषयों पर विचार किया जाता है जो निम्नानुसार है :

- (क) अरक्षित लक्ष्यों पर आतंकवादी हमलों की पूर्वानुमान आशंकाएं क्या हैं।
- (ख) विस्फोट श्रेणी-ये आशंकाएं और श्रेणियां अरक्षित लक्ष्य को कैसे प्रभावित करती हैं। बम का आकार क्या होगा जिसे अरक्षित लक्ष्य सह सकेगा।
- (ग) स्थानीय अपराध का पूर्वानुमान क्षेत्र में अपराध का वृत्त।
- (घ) स्थल की सुरक्षा और अभिन्यास सुरक्षा का डिज़ाइन किया जाना भीतर से आरंभ होना चाहिए और तब बाहरी परिधि की ओर बढ़ना चाहिए।
- (ङ) स्थल सुरक्षा और ठेकेदार—सब ठेकेदार बराबर नहीं होते। उनका इतिहास जानें कि क्या वे कार्यक्रम के अनुसार बजट के अन्तर्गत काम करेंगे और क्या वे अच्छी किस्म और उपयुक्त श्रेणी की सामग्री इस्तेमाल करते हैं।

7. मूलभूत सुरक्षा डिज़ाइन विचार

- i. चूंकि अनुरूपान्तर अत्यधिक महंगा हो सकता है इसलिए अरक्षित लक्ष्यों का उचित डिज़ाइन और निर्माण महत्वपूर्ण है। कुछ निम्नलिखित विषयों पर विचार करना जरूरी है :
 - (क) किस प्रकार के लॉक्स स्थापित किए जाएं यह अधिक लागत प्रभावी होगा कि आरंभ में ही उपयुक्त स्तर के लॉक्स लगाए जाएं बजाय इसके एक महंगा अनुरूपान्तर किया जाए।
 - (ख) दरवाज़े सुरक्षा मानकों के अनुसार हों क्या भवन की सुरक्षा के लिए दरवाज़े ठीक प्रकार के हैं।
 - (ग) अतिक्रमण संसूचन व्यवस्था-अपेक्षित सुरक्षा की मात्रा, क्या उपस्कर जरूरत के अनुरूप हैं, उपस्कर का जीवन चक्र क्या है।
- ii. खिड़कियां और शीशे—उपयुक्त विस्फोट श्रेणी, सुरक्षा के विशिष्ट स्तरों के लिए अपेक्षित चमक, आकर्षक वास्तुकला वाला सुरक्षा मिश्रण का उपयुक्त स्तर होना चाहिए।
- iii. सी सी टी वी—क्या डिजिटल बेहतर है या ऐनालॉग, अपेक्षित उत्पाद की गुणवत्ता, क्या वीडियो मोशन संसूचन व्यवस्था का प्रयोग किया जाएगा।
- iv. पहुंच नियंत्रण—सुरक्षा योजना इस विषय का कैसे समाधान करेगी क्या मैग्नेटोमीटर या एक्स-रे क्षमताएं जरूरी हैं।
- v. इस सुविधा में कर्मचारी और अतिथि किस प्रकार के प्रत्यय पत्र प्राप्त करेंगे।
- vi. भण्डार कक्ष और तिजोरियां—कीमती वस्तुओं को कैसे सुरक्षित बनाया जाएगा।
- vii. बाहरी प्रकाश व्यवस्था—अरक्षित लक्ष्यों के लिए उपयुक्त प्रकाश व्यवस्था का प्रकार, विस्तार, जरूरी, प्रकाश व्यवस्था सी सी टी वी को कैसे प्रभावित करेगी।
- viii. सुरक्षित (स्टैंड आफ़) दूरी-उचित दूरी, पार्किंग स्थलों के लिए बढ़िया स्थान।

ix. जहाज़ी खूंटे—आकर्षक बने रहते हुए यह सुरक्षा योजना में कैसे उपयुक्त होते हैं।

8. भौतिक सुरक्षा-संकेन्द्रित सुरक्षा माडल

(क) निम्नलिखित प्याज़ तुल्यरूपता भौतिक सुरक्षा के संकेन्द्रित सुरक्षा माडल का प्रभावी ढंग से वर्णन करती है :

- i. पहली परत प्याज़ की बाहरी त्वचा है। यह सम्पत्ति की बाहरी परिधि का द्योतित करती है।
- ii. हम जैसे भीतर जाते हैं, भवन का वास्तुपरक ढांचा अगली परत है।
- iii. अरक्षित लक्ष्य के भीतर संवेदी क्षेत्रों की परतें गहरी हैं जिनके लिए अधिक सुरक्षा अपेक्षित है। लोगों, सूचना या सम्पत्ति के लिए अतिरिक्त सुरक्षा की जरूरत होती है।

(ख) परत युक्त पहुंच प्रभावी सुरक्षा को बढ़ावा देती है। यद्यपि सुरक्षा की संकेन्द्रित परतों में विभिन्न घटक शामिल होते हैं जैसे-परिधि, अतिक्रमण संसूचन व्यवस्थाएं, पहुंच नियन्त्रण प्रणालियां, सुरक्षा मानक प्रचालन प्रक्रियाएं, परिचालन सुरक्षा और निगरानी संसूचन लेकिन रूप प्याज़ को तीन बड़े क्षेत्रों में तोड़ना चाहेंगे :

- i. बाहरी परत या परिधि
- ii. मध्यवर्ती परत
- iii. भीतरी परत

(ग) बाहरी परिधि

स्थल परिधि सुरक्षा की पहली पंक्ति है। जबकि इस प्रकार अभिकल्पित होती है कि अतिक्रमणकारी हतोत्साहत हों, लेकिन एक निश्चयी आतंकवादी या वाहन बम के सामने अधिकांश परिधि बाड़ें या दीवारें किसी काम की नहीं होतीं। एक साथ लगी सुविधा बाहरी परिधि का साथ दे सकती है। यदि इस निकटता से सुरक्षा कमजोर होती है तो संचार और अच्छे कार्यसंबंध अत्यावश्यक होते हैं। जहां संभव हो वहां एक सुरक्षित परिधि स्थापित करें जो भवन से यथासंभव व्यवहार्य हो। संस्तुत सुरक्षित (स्टैंड आफ़) दूरी कम से कम 30 मीटर होती है।

(घ) कुछ निम्नलिखित बाहरी परिधि सुरक्षा उपाय शामिल हैं :

- i. वाहन पहुंच नियन्त्रण
- ii. सी सी टी वी मानीटरिंग
- iii. प्रकाश व्यवस्थाएं
- iv. भौतिक अवरोध
- v. सुरक्षित स्टैंड आफ़ दूरी

(ड) वाहन पहुंच नियंत्रण :

सुविधा प्रचालनों के लिए पहुंच सड़कें और चालनमार्ग जरूरी होते हैं, इसमें वे भी शामिल होते हैं जो आपात वाहन पहुंच के लिए अपेक्षित होते हैं। स्टैंड आफ क्षेत्र के भीतर पहुंच सड़कों का प्रयोग करने से अनधिकृत वाहनों को रोकने के लिए नियंत्रण उपायों का क्रियान्वयन करें। यदि संभव हो तो सुरक्षित क्षेत्र में केवल अपेक्षित वाहनों को ही आने दें। एक सुदूर स्क्रीनिंग क्षेत्र स्थापित करने से वाहन से खतरे कम हो जाते हैं। इससे सुनिश्चित किया जाता है कि अनधिकृत वाहन नियन्त्रित पार्किंग क्षेत्रों में प्रवेश न करें।

(च) कुछ समय होता है जब नियंत्रित क्षेत्रों में पहुंच की जरूरत होती है। यात्रियों को लेने/छोड़ने के स्थलों पर ध्यानपूर्वक विचार करें। जिन सुविधाओं के लिए यात्री लेने/छोड़ने के क्षेत्र उनके उदाहरण निम्नानुसार हैं :

- i. चिकित्सा सुविधाएं
- ii. होटल
- iii. रेस्टोरेन्ट
- iv. शापिंग सेन्टर
- v. किराना स्टोर
- vi. स्कूल

(छ) सी सी टी वी मानीटरिंग

सी सी टी वी व्यवस्थाएं अनधिकृत घुसपैठियों का पता लगाने और सुरक्षा गाड़ों को सतर्क करने में सहायता दे सकती है। कई सी सी टी वी पता लगाने पर अतिक्रमणकारी का 'पीछा' करते हैं। इससे कन्सोल मानीटर करने वाला व्यक्ति उपयुक्त कार्रवाई कर सकता है।

(ज) प्रकाश व्यवस्थाएं

अत्यधिक सुरक्षा प्रकाश व्यवस्था को प्रयोग करके अरक्षित लक्ष्य सुरक्षा में वृद्धि करें। उपयुक्त प्रकाश व्यवस्था होने पर घुसपैठियों या आपराधिक कार्रवाई पर नज़र रखी जा सकती है। प्रकाश व्यवस्था का चयन और प्रयोग करने में निम्नलिखित कुछ बातों का ध्यान रखें :

- i. क्या यह जरूरी है कि सारी परिधि को प्रज्वलित किया जाए?
- ii. यदि कोई बाड़ लगी हुई है तो क्या उसके दोनों ओर प्रकाश व्यवस्था की गई है?
- iii. क्या सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रकाश व्यवस्था पर्याप्त है?
- iv. क्या अतिरिक्त प्रकाश व्यवस्था के अन्तर्गत प्रवेश स्थल आ जाते हैं?

- v. क्या प्रकाश व्यवस्था से सी सी टी वी पर “अंध” या “तप्त स्थल” उत्पन्न होते हैं?
- vi. नियंत्रण कहां हैं, और उन तक किसकी पहुंच है?
- vii. क्या प्रकाश, व्यवस्था रक्षीबल का अवलोकन करते हुए प्रकट करती है?
- ix. क्या गार्डों के पास फ्लैश लाइटें हैं?
- x. क्या भू-दृश्य निर्माण साये या अंध स्थल उत्पन्न करता है?

9. भौतिक अवरोध

पहली पंक्ति सुरक्षा के लिए मजबूत भौतिक अवरोधों को तरजीह दी जाती है। तथापि, अरक्षित लक्ष्य स्थलों पर पर्याप्त स्टैंड आफ दूरियां सदा उपलब्ध नहीं होतीं। बहुधा, स्टैंड ऑफ दूरी केवल चन्द मीटर ही होती है और सुरक्षा पेशेवरों को चाहिए कि उपलब्ध स्थान का प्रयोग करते हुए सुरक्षा बढ़ाएं। प्रवेश के भेद्य बिन्दुओं जैसे बाहरी अग्नि-बचाव सीढ़ियां, छत के खुलाव और आकाश प्रकाश पर अवरोध लगाकर सुरक्षा पेशावर स्टैंड आफ दूरियों को सुरक्षित बना सकते हैं।

(ख) बाड़ों का प्रयोग निम्नलिखित के लिए महत्वपूर्ण है :

- i. समस्या क्षेत्र जैसा कि गलियां।
- ii. वाहन पार्किंग क्षेत्र जो अरक्षित लक्ष्य के बहुत पास हैं।
- iii. बाहरी परिधियां।

(ग) अन्य अवरोध इस्तेमाल करें जैसा कि :

- i. जहाज़ी खूंटें/प्लांटर
- ii. प्रतिबन्धक
- iii. वाहन अवरोध
- iv. गेट

10. सुरक्षित (स्टैंड आफ) परिधि

भवन से यथासंभव दूर भवन के इर्दगिर्द एक सुरक्षित परिधि स्थापित करें। बहुधा, भवन की स्थिति या प्रयोजन पर्याप्त स्टैंड आफ दूरी स्थापित करना कठिन बना देता है। उदाहरणार्थ, एक रेस्टोरेन्ट जो चाहता है कि वह प्रवेश दिखाई दे वह अपने पार्किंग क्षेत्र को प्रवेश द्वार से परे स्थापित कर सकता है और किसी भी गली या रेस्टोरेन्ट के सामने सजावटी प्रतिबन्धक रख सकता है। तथापि पार्किंग क्षेत्र को नए स्थल पर बनाने से कई बार व्यापार में हानि हो सकती है। अरक्षित लक्ष्य स्टैंड आफ क्षेत्र स्थापित करते समय इसका लिहाज़ रखा जाता है।

11. मध्यवर्ती परिधि

(क) भवन का बाहरी भाग सुरक्षा की अगली परत होता है। यह भवन की बाहरी वास्तु शिल्पीय परत होती है। इसमें कई महत्वपूर्ण मर्दें शामिल होती है :

- i आरंभिक प्रवेश द्वार
- ii सेवा और उपयोगिता प्रवेश द्वार
- iii आपात सीढ़ियाँ और निकास द्वार
- iv खिड़कियां

(ख) भवन के आकार और आकृति के आधार पर भीतरी और मध्यवर्ती परिधियों के बीच समानताएं होती है। सामान्यतः बड़े अरक्षित लक्ष्य स्थलों की मध्यवर्ती परिधियां हो सकती है जो अधिक विस्तृत होती है। कुछ उदाहरण नीचे दिए गए हैं:

- i होटल लॉबी
- ii आगमन/प्रस्थान क्षेत्र
- iii उद्यान
- iv तरनताल
- v ग्राउंड्स और भू-दृश्य निर्माण
- vi रेस्टोरेन्ट प्रतीक्षा क्षेत्र
- vii. सीढ़ियां

(ग) सुविधा और परिस्थितियों के आधार पर मध्यवर्ती परिधियों में निम्नलिखित सुरक्षा उपाय शामिल किए जा सकते है :

- i. सुरक्षा गार्ड
- ii. निषिद्ध माल संसूचन बिन्दु
- iii. यादृच्छिक सुरक्षा जांचें
- iv. सी सी टी वी

12. भीतरी परिधि

(क) बहुत से अरक्षित लक्ष्यों की आकृति पर विचार करते समय भीतरी परिधि ही बहुधा एकमात्र सुरक्षायोग्य परत होती है। इसलिए यह सुरक्षा की अत्यधिक रक्षणीय परत हो सकती है। अरक्षित लक्ष्यों के आकारों और आकृतियों में महत्वपूर्ण असमानताएं होती हैं जिससे किसी एक मानक को अपनाना असंभव हो जाता है। अपेक्षित सुरक्षा के उपयुक्त स्तर और आशंकाओं के प्रत्युत्तर के आवश्यक उपस्कर पर मार्गदर्शन जोखिम मूल्यांकन द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। चूंकि बहुत से अरक्षित लक्ष्यों की रक्षणीय सुरक्षा की केवल एक परत होती है, इसलिए ऐसे स्थलों में उचित उपायों का क्रियान्वयन महत्वपूर्ण होता है :

- i. दीवारें—भीतरी और बाहरी दोनों दीवारों के लिए डिजाइन और शक्ति महत्वपूर्ण होती है।
- ii. दरवाज़े—उस बिन्दु को स्पष्ट करें जहां सुरक्षा की बाहरी परत समाप्त और भीतरी परतें आरंभ होती हैं। दरवाज़े बहुधा पहुंच नियन्त्रण बिन्दु बन जाते हैं। उनमें से पैदल यातायात चलता है, सेवा कर्मचारियों के लिए प्रवेश है और आपातकाल में बाहर जाने के मार्ग उपलब्ध कराते हैं।
- iii. खिड़कियां—अरक्षित लक्ष्य पर निर्भर करते हुए खिड़कियों के शीशे के प्रकार में विभिन्नता होगी। भवन की भूतल खिड़कियों को विलोपित करना व्यवहार्य या आकर्षक नहीं होगा। कांच और खिड़की बचाव फिल्मों के विभिन्न प्रकारों और शक्तियों पर विचार करें। सेंसरों के प्रकारों पर भी विचार करें, यदि कोई हो, जो व्यावहारिक और उपयुक्त हों।

(ख) किसी अरक्षित लक्ष्य की भीतरी परत में इन महत्वपूर्ण विकल्पों पर विचार करें :

- i. कर्मचारी पहचान कार्यक्रम
- ii. उपयोगिताओं तक नियंत्रित और सीमित प्रवेश
- iii. आगुन्तक प्रवेश और नियन्त्रण प्रणाली
- iv. महत्वपूर्ण प्रणालियों के लिए आपात बिजली के लिए व्यवस्था
- v. सुरक्षा रक्षी बल
- vi. निषिद्ध माल संसूचक बिन्दु
- vii. सी सी टी वी प्रणालियां
- viii. अतिक्रमण संसूचन व्यवस्था

13. कर्मचारी पहचान कार्यक्रम

(क) कर्मचारी पहचान का प्रभावकारी तरीका दिखाई देने वाले बैज हैं। इस प्रणाली से सुरक्षा कर्मी और स्टाफ के अन्य

सदस्य कर्मचारियों और आगुन्तकों की पहचान कर सकते हैं। किसी पहचान प्रणाली को चुनने में निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिए :

- i. फोटोग्राफ का प्रयोग
- ii. सांठ-गांठ प्रतिरोधी पटल
- iii. होलोग्राम
- iv. बैज नियंत्रण प्रणाली स्थापित करना
- v. संवेदनशील क्षेत्रों में अनधिकृत कर्मचारियों के प्रवेश को रोकना

14. उपयोगिताओं के लिए प्रवेश

कर्मचारियों को अपने कार्यक्षेत्र तक प्रवेश की जरूरत होती है। भीतरी परिधि सुरक्षा को डिज़ाइन करते समय महत्वपूर्ण प्रणाली क्षेत्रों में पहुंचने वाले लोगों की संख्या सीमित करें। सार्वजनिक प्रवेश क्षेत्रों से उपयोगिता नियन्त्रणों को परे रखकर अनधिकृत सांठ-गांठ के जोखिम को कम किया जा सकता है।

15. आगुन्तक प्रवेश और नियन्त्रण प्रणाली

प्रवेश नियन्त्रण भौतिक सुरक्षा प्रणाली का महत्वपूर्ण घटक होता है। यह अनधिकृत व्यक्तियों, पैकिजों, निषिद्धमाल या वाहन को जब वे किसी अरक्षित लक्ष्य के नियंत्रित प्रवेश या निकास द्वार गुजरते हैं तो उन्हें सीमित करने का साधन उपलब्ध कराता है।

16. वैकल्पिक बिजली सप्लाई

यदि भवनों में बिजली प्रकाश स्रोत, एलीवेटर और तकनीक की व्यवस्था है जिनके लिए बिजली अपेक्षित होती है तो बिजली शक्ति एक महत्वपूर्ण घटक है। कुछ भवनों में जैसे अस्पतालों, होटलों, कम्प्यूटर टेक्नालोजी तीव्रता बोधक सुविधाओं के लिए पूर्तिकर पावर समाधान की महत्वपूर्ण जरूरत होती है। बैटरी पूर्तिकर प्रणालियां आपात बतियों के लिए तो एक विकल्प है लेकिन अधिक महत्वपूर्ण बिजली प्रणालियों के लिए इस पर निर्भर नहीं करना चाहिए। जब पावर प्रणालियां विफल हो जाती है तो पूर्तिकर पावर जनित्र अच्छे समाधान है जो स्थितियों से निपट सकते हैं। पूर्तिकर पावर समाधानों के लिए एक महत्वपूर्ण बात यह है कि जब एक बार पावर गायब हो जाती है तो इस सक्रिय बनाने में समय लगता है। आदर्शतः बिजली विफल होने के साथ ही जनित्र स्वतः सक्रिय हो जाएगा। तथापि ऐसे पूर्तिकर पावर समाधान भी स्वीकार्य हैं जो बिजली विफल होने के चन्द सेकंड में ही सक्रिय हो जाते हैं।

17. सुरक्षा गार्ड

(क) कर्मचारी स्थल की जरूरत, उपयुक्तता और वित्तीय स्रोतों के आधार पर गार्डों की मांग में विभिन्नता होती है।

गार्ड अरक्षित लक्ष्य सुरक्षा में मानव तत्व प्रदान करते हैं। दिन प्रतिदिन की सुरक्षा समस्याओं के लिए सुरक्षा गार्ड अपनी प्रेक्षण प्रवीणताओं, प्रशिक्षण और निर्णय का योगदान करते हैं। अच्छी तरह प्रशिक्षण और पूरी तरह सज्जित गार्ड प्रतिदिन की सुरक्षा स्थितियों के लिए तीव्र और उपयुक्त उत्तर उपलब्ध कराते हैं। सुरक्षा गार्ड निषिद्ध माल और प्रवेश नियंत्रण बिन्दुओं और गश्त और सी सी टी वी मानीटरिंग के लिए अनिवार्य घटक हैं।

(ख) सुरक्षा गार्डों के इस्तेमाल का निर्णय लेने में निम्न बातों का ध्यान रखा जाएगा:

- i. प्राधिकार
- ii. दायित्व मामले
- iii. सशस्त्र और बिनाशास्त्र
- iv. आपात अनुक्रिया प्रशिक्षण
- v. प्राईवेट सुरक्षा गार्ड बल
- vi. मानक प्रचालन पद्धतियां स्थापित करना
- vii. प्रशिक्षण

18. निषिद्ध माल संसूचन बिन्दु

(क) निषिद्ध माल संसूचन बिन्दुओं के लिए दो मूल कारण हैं। पहला यह है कि अरक्षित लक्ष्यों में प्रवेश से निषिद्ध मदों का पता लगाना और दूसरा है अनधिकृत सम्पत्ति हटाए जाने का पता लगाना। आशंका पर निर्भर करते हुए यादृच्छिक आधार पर तलाशियां ली जाएं या ऐसा नियमित रूप से किया जाए। निषिद्ध माल संसूचन के लिए निम्नलिखित प्रौद्योगिकियां और प्रणाली विज्ञान का प्रयोग शामिल है :

- i. धातु संसूचक
- ii. एक्स-रे उपस्कर
- iii. विस्फोटक संसूचक
- iv. श्वानीय संवर्धन
- v. दस्ती निरीक्षण

19. सी सी टी वी प्रणालियां

सी सी टी वी का प्रयोग परिधि को मानीटर करने और अनधिकृत प्रवेश या आपराधिक गतिविधि का पता लगाने के लिए किया जाता है। यदि सी सी टी वी द्वारा पकड़ी गतिविधि को सुरक्षा कर्मी भौतिक रूप से मानीटर करते हैं तो वे अतिक्रमण के स्थल या आपराधिक कार्रवाई की तत्काल अनुक्रिया दे सकते हैं। पकड़े गए बिम्बों को सी

सी टी वी प्रणाली रिकार्ड भी करती है। जब सी सी टी वी बिम्बों को रिकार्ड किया जाता है तो दुर्घटना के बाद जांच के दौरान सुरक्षाकर्मी बिम्बों की समीक्षा भी कर सकते हैं।

20. अतिक्रमण संसूचन व्यवस्था

अतिक्रमण संसूचन व्यवस्था का प्रयोग लोगों का पता इलैक्ट्रान तरीके से लगाने के लिए किया जाता है जो संवेदनशील क्षेत्रों में आ जाते हैं। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि अलार्म प्रणालियां सुरक्षा गार्ड की अनुपूरक होती हैं और किसी सुरक्षा बल को कभी प्रतिस्थापित नहीं कर सकतीं।

21. प्रवेश नियन्त्रण

(क) प्रवेश नियन्त्रण यह निर्धारित करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है कि भवन के भीतर जाने की किस व्यक्ति और किस चीज़ को अनुमति दी जाए, इस प्रकार, यह भौतिक सुरक्षा प्रणाली का एक महत्वपूर्ण भाग है। प्रभावी प्रवेश नियन्त्रण प्रणाली प्राप्त करने के लिए सुरक्षा विशेषज्ञों द्वारा निम्नलिखित प्रवेश नियन्त्रण प्रणाली विज्ञानों में से एक या अधिक का प्रयोग जरूर किया जाना चाहिए तो सुरक्षित क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति देने से पहले व्यक्तियों, वाहनों और पैकेजों की जांच की जा सके।

- i. व्यक्तिगत पहचान—एक व्यक्ति दूसरे की पहचान करता है, या तो वह उस व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से जानता है या पहचान कार्ड पर फोटो का धारक के साथ मिलान करता है।
- ii. विलक्षण सम्पत्ति—यह एक चाबी एक पहचान कार्ड या कोई अन्य विलक्षण भौतिक सम्पत्ति हो सकती है जिससे किसी क्षेत्र में प्रवेश मिल सकता है।
- iii. विलक्षण ज्ञान—इसमें पासवर्ड या व्यक्तिगत पहचान नम्बर का इस्तेमाल शामिल होता है। एक प्रवेश नियन्त्रण प्रणाली के माध्यम से जिसमें मिश्रण, पासवर्ड या अन्य समान तरीके शामिल होते हैं विलक्षण ज्ञान प्रवेश उपलब्ध करा सकता है।
- iv. विलक्षण जीवमितीय—अरक्षित लक्ष्य सुरक्षा अनुप्रयोगों में चन्द जीवमितीय प्रवेश नियन्त्रण प्रौद्योगिकियों का प्रयोग किया जाता है। अंगुलीछाप जीवमितीय का बहुत आम प्रयोग कम्प्यूटर प्रणालियों के प्रवेश के लिए है बिलकुल वैसे ही जैसे एक पासवर्ड का प्रयोग करना।

(ख) अरक्षित लक्ष्यों में बहुत आम प्रयुक्त प्रवेश नियन्त्रण प्रणाली व्यक्तिगत पहचान है, जिसे कई बार सरल पहचान बैजों द्वारा पूरा किया जाता है। प्रवेश नियन्त्रण को इस न्यूनतम मानक तक घटाने की स्पष्ट भेद्यताएं होती हैं :

- i. बहुधा भवन का स्टाफ भवन में काम करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को नहीं जानता।
- ii. यदि पहचान बैजों का प्रयोग नहीं किया जाता तो हर कोई ऐसा दिखाई दे सकता है जैसे कि वह उसी क्षेत्र का ही है। इससे एक संभावित घुसपैठिए की ओर ध्यान नहीं दिया जाता है।

(ग) किसी भवन में सुरक्षा के स्तर को बढ़ाने के लिए प्रवेश नियंत्रण महत्वपूर्ण होता है। यद्यपि पहचान बैजों के

आसानी से नकली बैज बनाए जा सकते हैं लेकिन ऐसे तरीके हैं जिनसे जालसाजी को ज्यादा मुश्किल बनाया जा सकता है। इन उदाहरणों में ऐसे पहचान पत्रों का प्रयोग शामिल होता है जिनमें व्यक्तिगत पहचान सूचना के अलावा स्वलिखित निशान भी होते हैं।

- (घ) प्रवेश नियन्त्रण के चार तरीकों को बढ़ाने का एक अतिरिक्त उपाय है कार्यविधिक नियंत्रण। इसका अर्थ है कि कर्मचारी सुरक्षा प्रणाली को बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत पहचान, मुख्य नियंत्रण और पासवर्ड नियंत्रण के लिए निश्चित मानकों को अपनाएंगे। जीवमितीय दुरुपयोग के लिए मात्र वास्तविक नियंत्रण कार्यविधिक है, जिसमें सुनिश्चित किया जाता है कि कर्मचारी किसी भिन्न व्यक्ति के लिए प्रवेश की अनुमति के लिए अपने जीवमितीय का प्रयोग नहीं करते।

22. प्रवेश नियन्त्रण प्रौद्योगिकियां

प्रवेश नियन्त्रण प्रौद्योगिकियों में निम्नलिखित शामिल हैं :

- i. पाश और पाशन युक्तियां
- ii. खोज प्रौद्योगिकियां
- iii. अतिक्रमण संसूचन व्यवस्थाएं
- iv. क्लोज़ड सर्किट टेलीविजन (सी सी टी वी) प्रणालियां

23. पाशन और पाशन युक्तियां

- (क) सुरक्षा योजना में ताले (पाशन) महत्वपूर्ण तत्व होते हैं। जब विरोधी किसी भवन में घुसपैठ करने की कोशिश करते हैं तो तालों के प्रयोग से विलंब होता है। यह समझना अत्यन्त महत्वपूर्ण है कि ताले विरोधियों को केवल धीमा कर देंगे, उन्हें रोकेंगे नहीं। इस प्रकार, अन्य संभावित सुरक्षा प्रौद्योगिकियों के साथ ताले अनुपूरक सुरक्षा प्रणाली होंगे। उदाहरणार्थ, एक सी सी टी वी प्रणाली भवन के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के लिए पाशित प्रवेश मार्ग को अनुपूरित करेगी। किसी भी पाशन प्रणाली की प्रभावकारिता अर्न्तसंबंधित तत्वों के सम्मिश्रण पर निर्भर होती है जिसमें प्रणाली का डिज़ाइन, विनिर्माण, संस्थापन और अनुरक्षण शामिल होते हैं। इस बात की ज़रूरत है कि सुरक्षा विशेषज्ञ विभिन्न प्रणालियों की कमजोरियों और ताकतों को समझें और यह जानें कि प्रत्येक का प्रयोग किस प्रकार किया जाए कि इसके अनुप्रयोग से अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके।

(ख) पाशन प्रणाली डिज़ाइन लक्ष्य

पाशन प्रणाली के लिए पाशन लक्ष्य प्राप्त करने का आशय यह सुनिश्चित करना है कि पाशन का घुसपैठ प्रतिरोध शेष सुरक्षित अवरोध के घुसपैठ प्रतिरोध के बराबर हो। उदाहरणार्थ, ऐसा ताला चुनना असंगत है जो शेष अवरोध की तुलना में पर्याप्त मज़बूत या कमज़ोर है। यदि ताला और दरवाज़ा अत्यधिक मज़बूत है लेकिन दीवारें पतली सामग्री से बनी हुई हैं तो ऐसे मज़बूत ताले को खरीदने का कोई लाभ नहीं।

(ग) पाशन प्रणाली डिज़ाइन के लिए कुछ अतिरिक्त विचारणीय बातें निम्नानुसार हैं :

- i. ताला की किस्म इसे खोलने के लिए अपेक्षित प्रवीणता और समय को पर्याप्त रूप से प्रभावित करती हैं। उदाहरणार्थ, संयोजन तालों की तुलना में चाबी वाले ताले प्ररूपी रूप से कम सुरक्षित होते हैं क्योंकि चाबी मार्ग पाशन यंत्रावली को अधिक अनावृत छोड़ देता है।
- ii. सुविधा विकल्प जैसा कि मास्टर चाबी बनाना और अपनेय क्रोड सुरक्षा को और कम करते हैं और भेद्यताएं उत्पन्न करते हैं।
- iii. पैडलाक प्ररूपी रूप से जोरदार हमले के प्रति अधिक भेद्य होते हैं क्योंकि बहुधा उनका प्रयोग ऐसे क्षेत्रों में किया जाता है जहां मानीटरिंग नहीं होती और विरोधियों की पहुंच के भीतर होते हैं जो उन्हें हराना चाहते हैं।

(घ) अत्यधिक आम प्रयुक्त पाशन

कुछ अत्यधिक आम इस्तेमाल में आने वाले ताले नीचे दिए गए हैं। ये तीन मूलभूत यांत्रिक ताले हैं :

1. यांत्रिक ताले—

- (क) डिस्क या वेफर टम्बलर—एक चाबी प्रचलित यांत्रिक ताला आन्तरिक भौतिक रोधों (वाडों, टम्बलरों) की कुछ व्यवस्था का प्रयोग करता है जो ताले को प्रचलित होने से रोकता है जब तक कि वे उचित ढंग से संरेखित न हों। चाबी एक ऐसी युक्ति है जिसका प्रयोग आन्तरिक पिनो को उचित ढंग से संरेखित करने के लिए किया जाता है ताकि ताला प्रचालित हो जाए।
- (ख) पिन टम्बलर—एक टम्बलर कोई पाशन युक्ति है जिसके तत्व (टम्बलर) गतिशील, परिवर्तनीय होते हैं जो ताले के द्वार का उसकी बाड़ के साथ उचित संरेखण पर निर्भर करता है। उपयुक्त चाबी या संयोजन का प्रयोग करके संरेखण प्राप्त करें।
- (ग) पिन और टम्बलर बहुत आम प्रकार का चाबी चालित ताला है जिसे विश्व के बहुत से भागों में वास्तुशिल्पीय या विनिर्माता के दरवाज़ा हार्डवेयर के साथ प्रयोग किया जाता है। इस प्रकार के तालों द्वारा प्रदत्त सुरक्षा ठीक से लेकर (महंगे तालों में) उत्कृष्ट तक मानी जाती है (उन तालों में जिनमें उच्च सुरक्षा सिलिण्डरों का प्रयोग किया जाता है)।
- (घ) लीवर—लीवर तालों का प्रयोग अब भी व्यापक रूप से किया जाता है। चयन के लिए वे मध्यम से उच्च प्रतिरोध उपलब्ध करा सकते हैं। यद्यपि लीवर ताला उसी सिद्धांत पर काम करता है जैसे पिन या डिस्क टम्बलर यंत्रावली लेकिन इसकी दिखावट बहुत भिन्न होती है। पिन या डिस्क टम्बलर युक्तियों की तरह न होते हुए, लीवर ताले में निर्धार क्रोड या प्लग का प्रयोग नहीं किया जाता और सामान्यतः बोल्ट मूल यंत्रावली का अंगभूत भाग है जिसे चाबी द्वारा सीधे फेंका जाता है।

2. संयोजन ताले—

सिद्धांत : एक संयोजन ताला बहुत हद तक उसी तरीके से काम करता है जैसाकि एक यांत्रिक ताला। अन्तर यह

है कि जहां लीवर यांत्रिक ताले में टम्बलरों के संरेखण के लिए चाबी का प्रयोग किया जाता है, वहां संयोजन ताले में संदर्भ बिन्दुओं के रूप में अंकों, अक्षरों या अन्य प्रतीकों का प्रयोग किया जाता जिनका संरेखण हाथ से किया जाता है।

(ड) चाबी नियंत्रण

जब किसी भवन में चाबी तालों का प्रयोग किया जाता है तो यह महत्वपूर्ण है कि एक अच्छा चाबी नियंत्रण कार्यक्रम हो। चाबी नियंत्रण कार्यक्रम के प्रभावी होने के लिए भवन के प्रत्येक ताले को गिना जाना चाहिए। इस बात के अच्छे अवसर होते हैं कि अत्यन्त महत्वपूर्ण चाबियों का लेखा-जोखा रखना या यह सुनिश्चित करना कि उनके साथ छेड़छाड़ नहीं की गई है संभव नहीं होगा। यदि स्थिति ऐसी ही है तो सुधारक उपाय यह होगा कि समस्त भवन के लिए पुनः चाबियां बनवाई जाएं। इस कार्यक्रम के भाग के रूप में निम्नलिखित सुझाव दिए जाते हैं :

- i. सुरक्षा चाबियों को रसीद आधार पर जारी करें
- ii. जब प्रयोग में न हो खाली चाबियों, सिलिंडरों और तालों का भण्डारण सुरक्षा कन्टेनरों में करें
- iii. तालों को आवधिक आधार पर घुमाएं
- iv. जब चाबियां गुम हो जाएं तो ताले बदल दें
- v. कम से कम वर्ष में एक बार जारी की गई चाबियों और सप्लाई स्टॉक की इन्वेंट्री लें

(च) इलैक्ट्रॉनिक और विद्युतचुम्बकीय ताले

इलैक्ट्रॉनिक पाषण प्रणाली में प्रयुक्त चार बहुत आम प्रकार के ताले हैं—चुंबकीय ताले, विद्युत स्ट्राइक लाक, विद्युत लाकसेट और विद्युत डैडबोल्ट। इलैक्ट्रॉनिक और विद्युत चुंबकीय तालों के बारे में सुरक्षा विशेषज्ञ द्वारा याद रखा जाने वाला एक महत्वपूर्ण तत्व यह है कि उनके लिए बिजली की जरूरत होती है। यदि बिजली या बैटरी विफल हो जाए तो विद्युत चुंबकीय ताला अपाशित और सेफ स्थिति में फेल हो जाएगा जबकि अधिकांश अन्य इलैक्ट्रॉनिक ताले पाशित या सुरक्षित स्थिति में फेल हो जाएंगे।

- i. फेल-सेफ-जब बिजली विफल होती है तो ताला रिलीज हो जाता है। इस प्रकार का ताला सामान्यतः अग्नि द्वार पर इस्तेमाल किया जाता है। आग लगने की स्थिति में तालों को अग्नि प्रणाली के माध्यम से रिलीज किया जा सकता है और यदि बिजली प्रणाली विफल हो जाती है तो वे अपने आप खुल जाते हैं।
- ii. फेल सुरक्षित-जब बिजली बन्द होती है तो ताला बन्द रहता है। ताले को केवल असुरक्षित पहलू से खोला जा सकता है जब बिजली बहाल हो जाती है या यदि चाबी ओवरराइड उपलब्ध है।

(छ) चुंबकीय ताले

विद्युत चुंबकीय तालों का मुख्य प्रयोग प्रवेश नियंत्रण प्रणालियों में होता है। एक वाणिज्यिक उदाहरण यह है कि स्वागतकर्ता परिसर में प्रवेश की अनुमति दे सकता है या इनकार कर सकता है और उसे दरवाजे तक जाना भी

नहीं पड़ता। चुंबकीय ताले चुंबकीय बल के माध्यम से दरवाज़ों को सुरक्षित बनाते हैं और सदा फ़ेल-सेफ़र युक्ति होती है। उनमें गतिशील पुर्ज़े वहाँ होते हैं जिससे टूट-फूट कम होती है।

(ज) विद्युत स्ट्राइक ताला

विद्युत स्ट्राइक ताले को फ़ेल-सेफ़र या फ़ेल सिक्थोर रूप में लगाया जा सकता है। यह लोकप्रिय है क्योंकि इनके आकारों में बड़ी विभिन्नता है और ज्यादा कठिनाई के बिना वर्तमान यांत्रिक तालों को बदला जा सकता है। स्ट्राइक डोरफ़्रेम पर आरोहित होती है और यह पाशन यंत्रावली का इलैक्ट्रानिक रूप से नियंत्रित भाग होता है।

(झ) विद्युत लॉकसेट

विद्युत लॉकसेट यांत्रिक लॉकसेट के बहुत समान है। लॉकसेट के इस स्टाइल के उदाहरण होटल दरवाज़ों पर होते हैं।

24. खोज प्रौद्योगिकियां

खोज प्रौद्योगिकियों के प्रयोग के दो कारण हैं:

- (1) सुरक्षित क्षेत्र में प्रवेश से निषिद्ध मदों को रोकना
- (2) चोरी रोकना

खतरे और निषिद्ध मदों के प्रवेश को रोकने की जरूरत को ध्यान में रखते हुए तलाशियां यादृच्छिक या नियमित आधार पर ली जानी चाहिए। पांच मूलभूत खोज प्रणाली विज्ञानों में से तीन अरक्षित लक्ष्यों की सुरक्षा में प्रौद्योगिकी का प्रयोग करती हैं। इसमें धातु संसूचक, एक्स-रे और विस्फोटक संसूचना शामिल है। खोज की दो अन्य विधियां हैं श्वान निरीक्षण और दस्ती निरीक्षण।

25. धातु संसूचन

लोगों के पास धातु निषिद्धमाल का पता लगाने का बहुत आम तरीका धातु संसूचक है। अत्यधिक प्रयुक्त होने वाली दो धातु संसूचन प्रौद्योगिकियां हैं—चुंबकीय मीटर और धातु संसूचक। चुंबकीय मीटर एक निष्क्रिय टेक्नालोजी है जो धातु के लिए एक क्षेत्र को मानीटर करती है उनमें से अधिकांश ऐसे प्रकार हैं जो चुंबक द्वारा आकृष्ट होते हैं। चुंबकीय मीटर तांबा, एलुमिनियम और जिंक जैसी सामग्रियों का पता नहीं लगाता जिनका पता एक सक्रिय स्कैन धातु संसूचक द्वारा लगाया जाता है।

(क) दस्ती धातु संसूचक

दस्ती धातु संसूचक प्रवेशद्वार धातु संसूचक के अनुपूरक हो सकते हैं और धातु संसूचन का मुख्य रूप हो सकता है। प्रवेशद्वार धातु संसूचकों के समान, इस टेक्नालोजी की प्रभावकारिता बहुत हद तक परिचालन प्रक्रियाओं पर आधारित होती है। परिचालन प्रक्रियाओं के लिए समस्त शरीर की स्क्रीनिंग अपेक्षित होती है। जब आम मदों जैसे बेल्ट बकलों के पास अलार्म बजता है तो यह मद हटा दें और क्षेत्र के नीचे पुनः स्क्रीन करें। यद्यपि दस्ती धातु संसूचक द्वार प्रणाली संसूचकों से कम कीमत के होते हैं, लेकिन कई सुरक्षा बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए :

- i. दस्ती धातु संसूचक का प्रयोग करने वाले कर्मचारी के लिए उसके प्रयोग का प्रशिक्षण अपेक्षित होता है।

- ii. विफल बैटरियों को बदलने के लिए बदलाव बैटरियां उपलब्ध रहनी चाहिए।
- iii. दस्ती धातु संसूचक को बारबार किसी धातु परीक्षण वस्तु के विरुद्ध टेस्ट किया जाना चाहिए ताकि सुनिश्चित किया जाए कि यह अपेक्षित संसूचन स्तरों पर काम कर रहा है।

(ख) द्वार धातु संसूचकों में से गुजरें

सुरक्षा स्क्रीनिंग में द्वार धातु संसूचकों का व्यापक प्रयोग किया जाता है और ऐसा उनके संवेश प्रवाह दर और धातु संसूचन में सामान्य प्रभावकारिता के कारण है। जब सही ढंग से क्रियान्वित किया जाता है तो द्वार धातु संसूचक बहुत से हथियारों और कुछ प्रकार की अग्नि और विस्फोटक युक्तियों का पता लगाने की उच्च संभावना उपलब्ध करा सकता है। हथियार स्क्रीनिंग के लिए सावधानी पूर्वक बनाई प्रक्रिया संसूचन में वृद्धि कर सकती है और गलत अलार्म दर को कम कर देती है। इसका अत्यधिक परिचालन पहलू यह है कि धातु संसूचन का पर्यवेक्षण करने वाला कर्मचारी सुनिश्चित कर सकता है कि लोग द्वार में उचित रफ्तार में आते हैं। जब द्वार या गुजरने वाले धातु संसूचक का प्रयोग करते समय तीन महत्वपूर्ण डिजाइन बातों का ध्यान रखें :

- i. एक सुरक्षा गार्ड को लोगों को द्वार धातु संसूचक में से गुजरते देखना चाहिए।
- ii. कोई व्यक्ति धातु संसूचक से बाहर न निकल जाए, इसलिए अवरोध होने चाहिए।
- iii. धातु संसूचक को एक विशिष्ट आवृत्ति पर टेस्ट किया जाए ताकि सुनिश्चित हो कि यह संसूचन के अपेक्षित स्तर पर काम कर रहा है।

26. अतिक्रमण संसूचन व्यवस्थाएं (आई डी एस)

- (क) अतिक्रमण संसूचन व्यवस्थाओं का प्रयोग लोगों के संवेदनशील क्षेत्रों में चले आने का इलेक्ट्रॉनिक रूप से पता लगाने के लिए किया जाता है। तथापि यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि अलार्म प्रणालियां सुरक्षा गार्डों की पूरक हैं और सुरक्षा बल को प्रतिस्थापित नहीं कर सकतीं।
- (ख) सुरक्षा योजना में किन संवेदकों का प्रयोग किया जाए उन्हें चुनने की प्रक्रिया आसान नहीं है। कुछ अरक्षित लक्ष्यों के लिए संसूचन प्रौद्योगिकियों के कुछ रूप अधिक उपयुक्त होते हैं जबकि अन्य भिन्न स्थितियों और जरूरतों के लिए अधिक उपयुक्त हो सकते हैं। इसके अलावा, एक अलार्म प्रणाली की किसी किस्म का सफल प्रचालन उसके उचित डिजाइन, संस्थापन, अनुरक्षण और प्रयोग पर निर्भर करता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए और यह महसूस करते हुए कि प्रत्येक सुविधा की विशिष्ट जरूरतें होती हैं, प्रयुक्त अतिक्रमण संसूचन व्यवस्थाओं के प्रकार बहुधा सुविधाओं जैसे होटल, स्टेडियम, माल आदि की कोटियों सम्बद्ध होते हैं।
- (ग) किसी प्रणाली का चयन करते समय निम्नलिखित कुछ प्रश्नों का उत्तर देना है :
 - i. यह प्रणाली किन आशंकाओं के विरुद्ध बचाव के लिए डिजाइन की गई है?
 - ii. किस प्रकार के संवेदक उपलब्ध है और क्या पर्याप्त संसूचन उपलब्ध कराने के लिए वे डिजाइन मानदंड को पूरा करते हैं।

iii. किस प्रकार की संचरण प्रणाली संवेदक से केन्द्रीय अलार्म स्टेशन तक डेटा भेजेगी ?

(घ) संसूचन प्रौद्योगिकी की बहुसंख्या के कारण इन प्रश्नों का उत्तर देते समय सुरक्षा कर्मी घबरा सकते हैं। अतिक्रमण संसूचन प्रणालियों के बारे में इस चर्चा में अरक्षित लक्ष्य अनुप्रयोगों में बहुत आम संवेदकों का उल्लेख होगा।

27. अलार्म प्रणाली के तत्व

किसी भी अतिक्रमण संसूचन व्यवस्था के चार तत्व होते हैं, उनमें से सबके लिए जरूरी है कि उनकी कार्यात्मक प्रणाली हो। यदि चार में से कोई तत्व गायब है तो प्रणाली चालू नहीं होगी। ये तत्व हैं :

(क) संवेदक—इसके बिना किसी अलार्म का प्रारंभ नहीं होता।

(ख) संचार—अलार्म से सुरक्षा स्टेशन तक सूचना कैसे भेजी जाती है। यह समाक्षी केबिल फ़ाइबर आप्टिक केबिल और रेडियो आवृत्ति, कुछ ही नाम लिए जा रहे हैं, के रास्ते से हो सकता है। संवेदक से सुरक्षा अधिकारी तक संचार के बिना, अलार्म प्रणाली बेकार है।

(ग) घोषणा—यह उस विधि को निर्दिष्ट करता है जो सुरक्षा प्रणाली ऑपरेटर का ध्यान प्राप्त करने के लिए इस्तेमाल की जाती है। बार-बार इसके ठिकाने के श्रव्य अलार्म और दृश्य निरूपण घोषणा की विधियां हैं। यदि सुरक्षा अधिकारी को इस तथ्य के बारे में जागरूक करने के लिए कि एक अलार्म है घोषणा की कोई विधि नहीं है तो प्रणाली काम नहीं कर रही है।

(घ) मूल्यांकन—एक बार जब अलार्म सुनाई देता है तो सुरक्षा प्रणाली आपरेटर को गंभीर दस्ता भेजना चाहिए ताकि अलार्म का मूल्यांकन किया जाए या मूल्यांकन करने के लिए सी सी टी वी प्रणाली का प्रयोग करना चाहिए। यदि कोई सुरक्षा प्रणाली आपरेटर या सुरक्षा बल नहीं है तो तब पता लगाने के लिए कोई भी नहीं होगा कि एक अलार्म क्यों आरंभ किया गया है जिससे समस्त प्रणाली बेकार हो गई है।

28. संवेदकों के प्रकार

(क) अतिक्रमण संसूचन प्रणालियों में विभिन्न प्रौद्योगिकियां हो सकती हैं जिनमें से बहुत सी क्रान्तिक सुरक्षा अपेक्षाओं वाले स्थलों के लिए बढ़िया काम करती हैं। अरक्षित लक्ष्यों की सुरक्षा के लिए अतिक्रमण प्रौद्योगिकियों में निम्नलिखित शामिल हैं :

i. दरवाजा स्विच-मालों, होटलों, संग्रहालयों में परिधि द्वार और अन्य ऐसे ही अरक्षित लक्ष्यों की सुरक्षा के लिए यह सामान्यतः एक आदर्श टेक्नालोजी है।

ii. कांच टूट प्रभाव संवेदक

iii. फोटो विद्युत किरणें—ये प्रौद्योगिकियां एक सुरक्षित क्षेत्र के आर-पार एक किरण संचरित करती हैं। जब कोई घुसपैठिया किरण में बाधा डालता है तो किरण परिपथ भंग हो जाता है जिससे अलार्म आरंभ हो जाता है।

(ख) माइक्रोवेव संवेदक

अरक्षित लक्ष्य अनुप्रयोगों के लिए बहुत आम प्रयुक्त माइक्रोवेव संवेदक एक स्थितिक माइक्रोवेव है। यह अलार्म क्षमता में स्थापित पाई जाती है और स्वचल द्वारा खुलने की प्रणाली का भाग होती हैं। माइक्रोवेव संसूचन क्षेत्र में प्रवेश करने वाली किसी वस्तु से परावर्तित ऊर्जा द्वारा संवेदक प्रचालित होता है। सुरक्षा डिजाइन विचार के रूप में, माइक्रोवेव ऊर्जा लगभग सब हल्का वजन निर्माणों में घुसेगी, तथापि ठोस निर्माण जैसा कि मोटी सीमेन्ट दीवारों, धातुक रोधों आदि निर्माण के दूसरी ओर की वस्तुओं का पता लगाने के लिए ऊर्जा को रोक देंगे।

(ग) जैसा कि अन्य अतिक्रमण संसूचन प्रौद्योगिकी की स्थिति में होता है, माइक्रोवेव प्रौद्योगिकी की कुछ सीमाएं होती हैं जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं :

- i. सुरक्षित क्षेत्र में धातु वस्तुओं की गति या पैटर्न का परावर्तन जैसा कि चलते पंखे के ब्लेड या ऊपरी दरवाजों की गति।
- ii. बाहरी गति का पता लगाने के लिए पतली दीवारों या कांच का भेदन।
- iii. प्लास्टिक बाड़ नालों या पीबीसी मलजल पाइपों में पानी संचलन से अलार्म पैदा हो सकते हैं क्योंकि बहते पानी द्वारा माइक्रोवेव ऊर्जा बहुधा परावर्तित होती है।

(घ) निष्क्रिय अवरक्त संवेदक

ये संवेदक कमरा तापमान मापते हैं और परिवेशी तापमान में किसी तीव्र परिवर्तन से अलार्म उत्पन्न हो जाता है। निष्क्रिय अवरक्त संवेदकों के कई संभावित विषय हो सकते हैं जो उनके प्रयोग को सीमित कर देते हैं। इनमें शामिल हैं:

- i. संवेदक पर सीधी फूंक वाली हवा के कारण तापमान परिवर्तन।
- ii. ताप संकेत वाली वस्तुएं परिवेशी तापमान से भिन्न होती हैं (उदाहरणार्थ आच्छादित फूंक, प्रिंटर कार्य, चलती लटकती वस्तुएं और छोटे पशु)।
- iii. निष्क्रिय अवरक्त संवेदक मानव शरीर ताप के प्रति कम संवेदनशील होते हैं क्योंकि परिवेशी तापमान बढ़ जाता है
- iv. बत्तियों के कारण संवेदक अलार्म देते हैं या बन्द हो जाते हैं।

(ङ) वीडियो गति संसूचन

कैमरा को दिखाई देने वाले क्षेत्र के भीतर गति का पता लगाने के लिए इस संसूचन में क्लोज़ड सर्किट टेलीविज़न प्रणाली और कम्प्यूटर टेक्नालोजी को प्रयोग किया जाता है। यह टेक्नालोजी एक आरंभिक बिम्ब को पकड़ती है और निम्नलिखित बिम्बों की इसके साथ तुलना करती है। कोई भी चीज जो आरंभिक बिम्ब पर नहीं होगी उसे दृढ़ लिया जाएगा। भीतरी स्थलों में वीडियो गति संसूचन टेक्नालोजी अत्यधिक प्रभावी होती है। यदि इसका प्रयोग खुले स्थलों पर किया जाता है तो वीडियो गति संसूचन टेक्नालोजी विभिन्न न्यूसेंस अलार्मों के अध्यधीन होती है।

29. सी सी टी वी

(क) अलार्मों का मूल्यांकन करने या किसी क्षेत्र की सामान्य मानीटरिंग के लिए सी सी टी वी बहुत अच्छी टेक्नालोजी है। एक सी सी टी वी प्रणाली के प्रभावी होने के लिए, इसे उचित क्षेत्र मानीटर करना चाहिए, इसके लिए पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था होनी चाहिए, एक रास्ता कैमरा से मानीटर तक डेटा संचारित किया जाता है और बिम्बों को देखने के लिए एक मानव आपरेटर होना चाहिए। सी सी टी वी डिज़ाइन के लिए अतिरिक्त बातों में यह शामिल है कि इसका प्रयोग गुप्त या प्रकट अनुप्रयोगों में किया जाएगा और कैमरे का छेड़छाड़ से बचाव के लिए किसका प्रयोग किया जाएगा।

(ख) स्थिर बनाम पैन टिल्ट और ज़ूम/अनुप्रयोग

सी सी टी वी प्रणाली के लिए एक और विचार यह है कि क्या कैमरे एक स्थल का अवलोकन करने के लिए स्थिर किए जाएंगे या क्या इन्हें पैन टिल्ट ज़ूम (पी टी ज़ेड) जुगाड पर आरोहित किया जाएगा। पी टी ज़ेड पर आरोहित कैमरे को कैमरा नियंत्रक एक ओर से दूसरी ओर (पैन) और ऊपर और नीचे (टिल्ट) और मानीटर किए जाने वाले व्यक्ति या वस्तु पर अन्दर और बाहर ज़ूम कर सकेगा।

(ग) स्थिर कैमरा इस्तेमाल करने के लाभ निम्नानुसार हैं :

- जानता है कि किस क्षेत्र को सदा मानीटर किया जाएगा।
- सुनिश्चित करता है कि कैमरा आरोहित है, इसलिए बत्तियों के अति उद्भासन द्वारा बिम्ब में गड़बड़ी नहीं होती (उदाहरणार्थ, सूर्योदय, सूर्यास्त, वाहन और भवन बत्तियां, आदि)।

(घ) स्थिर कैमरे की भेद्यताओं में शामिल होता है :

- नहीं जानते कि कैमरे के दृश्य के क्षेत्र के बाहर क्या है।
- संदेहास्पद लोगों या वाहनों को ढूंढने में अक्षमता।

(ङ) पी टी ज़ेड कैमरे के लाभ :

- एक स्थिर कैमरे की तुलना में एक बहुत व्यापक क्षेत्र को मानीटर करने के लिए कमरे का पुनः अभिविन्यास करने की क्षमता।
- पहचान प्रयोजनों के लिए ज़ूम क्षमता।

(च) भेद्यताएं :

कैमरे को गलत दिशा की ओर मोड़ा जा सकता है।

(छ) सी सी टी वी प्रणालियों के लिए प्रकाश व्यवस्था :

सी सी टी वी प्रणाली के लिए पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की जरूरत होती है ताकि अंधेरे के दौरान यथापेक्षित काम किया जा सके। तथापि, किस प्रकार की प्रकाश व्यवस्था का प्रयोग किया जाए इसे केवल चमक के आधार पर निर्धारित नहीं किया जाता। सुनम्य लाइट स्रैक्ट्रमों के लिए भी गुंजाइश रखी जानी चाहिए। उदाहरणार्थ, एक कलर

सी सी टी वी के लिए एक श्वेत श्याम कैमरे के प्रकाश से लगभग दुगुनी प्रकाश व्यवस्था अपेक्षित होती है और साथ ही कलर कैमरा बत्तियों द्वारा उत्सर्जित स्पेक्ट्रमी कलरों से भी सुप्रभावित होता है।

(ज) डिजिटल वीडियो रिकार्डिंग

कम्प्यूटरों में तीव्र उन्नति होने से कई डिजिटल वीडियो रिकार्डिंग (डी वी आर) बड़ी तेजी से पुरानी टेपरिकार्डिंग प्रणालियों का प्रतिस्थापित कर रही हैं। बिम्बों को डिजिटल मीडिया के रूप में बदलकर और भण्डारण करते हुए, डीवीआर प्रणालियां पुरानी टेप प्रौद्योगिकियों की तुलना में बहुत अधिक डेटा का भण्डारण कर सकती हैं और अधिक उन्नत सी सी टी वी प्रणालियों के विघटन को परिरक्षित रखती हैं।

30. सुरक्षा परिधियां

(क) बाड़ें

अवरोध का आम इस्तेमाल में आने वाला रूप बाड़ें हैं। बाड़ों को प्रकारों, आकारों, प्रयोगों और प्रभावकारिता से विभिन्नता होती है। उन्हें अस्थायी परिधि के रूप में पर्याप्त कम खर्चे पर तेजी से लगाया जा सकता है या अधिक स्थायी बाड़ परिधि का संभावित रूप से पर्याप्त लागत पर स्थापित किया जा सकता है। परिधि के रूप में किस प्रकार की बाड़ चुनी जाए उसका निर्धारण सुरक्षित बनाए जाने वाले भवन की विशिष्ट जरूरतों और जोखिम घटाने की प्रक्रिया में लागत लाभ विश्लेषण के अनुसार किया जाना चाहिए।

(ख) भित्तियां

भित्तियां का प्रयोजन वही है जो बाड़ का। तथापि एक बाड़ की तरह न होते हुए एक भित्ति अत्यावश्यक लाभ प्रदान करती है और सुरक्षा के लिए अहितकर होती है। भित्ति दृश्य अवरोध होती है जिससे सुखा क्षेत्र के बाहर खड़े लोग अन्दर नहीं देख सकते लेकिन यह सुरक्षा गार्डों को भी बाहर देखने से रोकती है। भित्ति अंध सुरक्षा प्रेक्षकों की समस्या को हल करने का एक तरीका सी सी टी वी प्रणाली की स्थापना है ताकि भित्ति के असुरक्षित पहलू को मानीटर किया जा सके।

(ग) वाहन अवरोध

वाहन अवरोध, हमला स्थल का लिहाज किए बिना, भवन से एक विशिष्ट दूरी पर एक निश्चित जोखिम को रोकने में सक्षम होना चाहिए। स्थिर और अस्थिर अवरोधों की रोकने की क्षमता सन्तुलित बनाई जानी चाहिए ताकि उपप्रणाली में कोई कमजोर खंड न रह जाए। कुछ स्थितियों में अवरोधों के साथ द्वि-पथ सुरक्षा जरूरी हो सकती है जैसा कि एक जोखिम वाहन का सुरक्षित क्षेत्र में आने और जाने से रोकना। बहुधा वाहन अवरोधों को सुरक्षा परिधि में ऐसे डिजाइन किया जा सकता है कि वे आकर्षक और प्रभावी हों। कुल कलात्मक अवरोधों में वृक्षों, प्रबलित पार्क बेंचों, प्रबलित सजावटी प्लांटों, बिजली खम्बों आदि को शामिल किया जा सकता है।

(घ) प्राकृतिक अवरोध

संभावित प्राकृतिक अवरोधों के बहुत सी किस्में हैं जिनका प्रयोग किसी सुरक्षा परिधि को निश्चित और सुरक्षित करने के लिए किया जा सकता है। इनमें से अधिकांश कुछ हद तक लोगों और वाहनों के लिए प्रभावकारी है। प्राकृतिक अवरोधों के चन्द उदाहरणों में बाड़े, वृक्ष, शिलखंड और सजावटी खाइयां शामिल हैं।

अध्याय 4

भवन डिज़ाइनों को समझना

1. भूमिका

(क) स्पष्टतः हमलों के विरुद्ध अरक्षित लक्ष्यों के लिए दुर्ग-समान सुरक्षा उपलब्ध कराने की परिकल्पना नहीं की गई है। ऐसे स्थान हैं जहां जनता का स्वागत किया जाता है और, इसलिए, वे सुरक्षा बढ़ाए जाने का इस भय के कारण विरोध करते हैं कि इससे जनता की आगमन हतोत्साहित होगा। भवन डिज़ाइन की मूलभूत बातों को, एक सम्पूर्ण भेद्यता मूल्यांकन से मिलाकर समझने से आप आशंका के सम्बन्ध में सुरक्षा बढ़ाने के बारे में सिफ़रिशें कर सकते हैं।

नई टेक्नालोजी, मालिकों की बढ़ती जरूरतों और आतंकवादी के वर्धित खतरे के कारण हर देश और हर उद्योग में भवन डिज़ाइन में परिवर्तन हो गए हैं। गत वर्षों में, अधिकांश भवन सुरक्षा उपायों के डिज़ाइन, विकास और क्रियान्वयन के लिए अभिप्रेरण यह था कि आपराधिक तत्वों को अन्दर आने और कर्मचारियों को चोरी और रिकार्डों की हेराफेरी आदि करने के लिए हतोत्साहित किया जाए। अभी हाल ही में जबकि अधिकांश अरक्षित लक्ष्य आतंकवादी हमलों का केन्द्र बिन्दु बन गए हैं, उन्हें हतोत्साहित करने और ऐसे हमलों से भवनों को बचाने के लिए कुछ उपाय किए गए हैं।

(ख) यह जरूरी है कि महसूस किया जाए कि कुछ अरक्षित लक्ष्य इस प्रकार डिज़ाइन नहीं किए जाते कि वे विस्फोटक, रासायनिक या अन्य हमलों का सामना कर सकें जिनका लक्ष्य मृत्यु और विनाश है। महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा करना बहुत आसान होता है, इसलिए वे भवन अधिक सुरक्षित बन गए हैं और आतंकवादियों ने स्पष्ट कारणों से अपना ध्यान अधिक अरक्षित लक्ष्यों की ओर बदल दिया है।

2. अरक्षित लक्ष्यों के लिए भवन डिज़ाइन

(क) भवन डिज़ाइनों को सुरक्षा चिन्ताओं से सम्बद्ध करने के लिए निम्नलिखित को समझने की जरूरत है :

1. भवन का स्थल और अवस्थिति।
2. परिधि, निकास और प्रवेश बिन्दु और पहुंच।
3. विस्फोट सुरक्षा उपलब्ध कराने वाले समग्र उपायों की समीक्षा।

(ख) स्थल

वर्तमान अध्ययनों से पता चलता है कि भवन की अवस्थिति इसके डिज़ाइन का मुख्य घटक होती है। निम्नलिखित तत्वों की सिफ़ारिश की जाती है कि उन पर विचार किया जाए :

1. कुल भूमि के सापेक्ष भवन आकार, जिस पर यह स्थित है।
 2. स्थल परिमाण और सन्निकट भूमि प्रयोगों के सापेक्ष भवन अवस्थिति।
 3. पैदल, सड़क, रेल, जल और वायु के रास्ते पहुंच।
 4. एक सुरक्षित परिमाण के समर्थन की उपयुक्तता।
 5. वर्तमान और सुनियोजित आधार संरचना और उसकी भेद्यताएं, भोगाधिकार, सुरंगों, पाइपों और मार्ग अधिकार सहित।
 6. सन्निकट भवन या अन्य भूमि प्रयोग जिनसे हमले सरल हो सकते हैं या वो स्वयं संभावित लक्ष्य हैं।
 7. सिविल डिफेंस, अस्पतालों, पुलिस स्टेशनों, आश्रय स्थलों या अन्य अत्यावश्यक सुविधाएं जो हमले में सहायक हो सकती हैं उनसे निकटता।
 8. प्राकृतिक बाधाएं।
 9. प्राकृतिक और भौतिक अवरोधों की मौजूदगी जैसा कि जल, घनी वनस्पति और भूभाग जो प्रवेश नियंत्रण या परिरक्षण उपलब्ध करा सकते हैं।
 10. स्थलाकृति और जलवायु अभिलक्षण जो रासायनिक एजेंटों या अन्य हथियारों के निष्पादन को प्रभावित कर सकते हैं।
 11. स्थल की चौहद्दी के बाहर से दृश्य।
 12. वनस्पति जो गुप्त कार्यकलाप को छिपा सकती है।
- (ग) कुछ डिज़ाइन विकल्प इन चिन्ताओं में से कुछ को कम कर सकते हैं; उदाहरणार्थ, ऐसे क्षेत्रों में जहां बेन्च, बस स्टाप और अन्य सार्वजनिक रूप से एकत्र होने के स्थल हैं वहाँ रचनात्मक भू-दृश्य निर्माण और बाहरी साज सामान का प्रयोग किया जाए। ऐसे सुधारों से कोई हमला कम या हतोत्साहित हो सकता है।

(घ) परिधि सुरक्षा

इस तथ्य के बावजूद कि आधुनिक आतंकवादी की धमकी के अन्तर्गत बहुत सी सरकारी भवनों का निर्माण किया जाता है और अधिकांश को अधिक सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए रूपांतरित कर लिया गया है। एक बार जब स्थल की जांच कर ली जाती है तो परिधि पर गौर किया जाता है।

1. परिधि दीवार

आदर्शतः एक परिधि दीवार को संभावित हमले की दिशा पर कम से कम 2.75 मीटर ऊंचाई तक अरक्षित लक्ष्य

को घेरना चाहिए। एक औसत कद का व्यक्ति 2.75 मीटर ऊंची दीवार को फांद नहीं सकता या सिटकनी नहीं लगा सकता। इससे कम लंबाई तक चढ़ना अधिक सुलभ होता है। दीवार में पांव टिकाने या हाथ से पकड़ने के लिए कुछ नहीं होना चाहिए। परिमाण दीवार वाहनों द्वारा सुगम्य क्षेत्र को धक्का रोधी सुरक्षा उपलब्ध कराती है और 80 किलोमीटर प्रति घंटा तक तेज़ चलने वाले ट्रकों को रोकती है। ऐसी दीवार की मौजूदगी भवन तक अनधिकृत पैदल यात्रियों और वाहनों की पहुंच में बाधा डालती है। यह सुरक्षा बलों के लिए समय बढ़ाती है कि अनधिकृत प्रवेश का जवाब दें। परिधि में धक्कारोधी अवरोध होने चाहिए जो प्रकृति में निरन्तर होते हैं।

2. साफ क्षेत्र

परिधि भित्ति के अन्दर पांच मीटर क्षेत्र का—एक साफ क्षेत्र, भवनों, रोधों या पाकों से युक्त होगा ताकि सुरक्षा बलों के लिए एक साफ दर्शा क्षेत्र उपलब्ध कराया जाए। क्लोज़्ड सर्किट टेलीविजन के प्रयोग से अवलोकन बढ़ जाता है।

3. रुकावट दूरी का ध्यान रखें

भवन की परिधि में यह सुनिश्चित किया जाए कि भवन को किसी संभावित बम हमले से कम से कम 30 मीटर की रुकावट दी जाती है और रुकावट सब चारों पहलुओं पर होगी। दूरी के साथ विस्फोटक प्रभाव बहुत कमज़ोर हो जाता है।

4. वाहन प्रवेश

वाहन प्रवेश द्वार चौड़ाई में 2 से 2.5 मीटर के बीच होने चाहिए जो केवल इतने चौड़े हों कि एक समय एक ही गाड़ी उसमें से जा सके। ये चौड़ाई प्रतिबन्ध आपात वाहनों का बिना रुकावट प्रवेश होने देते हैं जबकि उसी समय यातायात को एक लेन तक सीमित करते हैं। द्वारों पर गेट और धक्कारोधी अवरोध होने चाहिए ताकि भीतर तलाशी और लोगों की पहचान के दौरान वाहनों को रोके रखा जाए। नियंत्रण क्षेत्र में पर्याप्त स्थान होना चाहिए ताकि तलाशी लेने वाले काम ठीक तरह कर सकें। प्रवेश द्वारों की संख्या न्यूनतम रहनी चाहिए नो अति व्यस्त अवधि यातायात गिनती के अनुरूप होने चाहिए।

5. वाहन निरीक्षण

जब कोई वाहन परिधि में दाखिल होता है तो ड्राइवर और यात्री की पहचान की जांच की जानी चाहिए। वाहन निरीक्षण में भीतरी भाग, अंडर कैरिज, इंजन कक्ष, भीतरी ट्रंक और गैस भराई क्षेत्र शामिल होगा। इष्टतम रूप से निरीक्षण एक सुरक्षित क्षेत्र में किया जाना चाहिए जिसे “सैली पोर्ट” कहते हैं और यह क्षेत्र एक गेट और धक्कारोधी अवरोध द्वारा निश्चित किया जाना चाहिए।

6. कार्मिक नियंत्रण क्षेत्र

एक शहरी क्षेत्र में जहां वाहन आसानी से भवन तक नहीं पहुंच सकते लेकिन लोग पहुंच सकते हैं, वहां एक कार्मिक नियंत्रण क्षेत्र स्थापित करें जिसे कई बार “मैन ट्रेप” भी कहा जाता है। इसमें व्यक्ति/व्यक्तियों को रोके रखा जा सकता है जब तक कि सुरक्षा बल कर्मी निर्धारित न करें कि कोई भय नहीं है। इस मैनट्रेप में एक आगे और एक पीछे द्वार होना चाहिए। ये दोनों द्वार एक ही समय नहीं खुलेंगे।

7. परिधि पहुंच नियंत्रण क्षेत्र

यह परिधि पहुंच नियंत्रण प्रणाली परिधि दीवार में से रास्ते का नियंत्रण करती है और इसमें एक गारद बूथ और कार्मिक और पैकेज स्क्रीनिंग क्षेत्र होता है। गारद बूथ एक नियंत्रण स्थल और रक्षी बल के लिए एक आश्रय का काम करता है। बूथ प्रेक्षण क्षमता उपलब्ध कराता है जिससे समस्त पहुंच क्षेत्र और परिधि के बाहर के क्षेत्रों को मानीटर किया जा सकता है। बूथ किसी प्राक्षेपिक हमले और बल पूर्वक प्रवेश के विरुद्ध 15 मिनट के लिए प्रतिरोधी होना चाहिए।

8. पार्किंग क्षेत्र

कर्मचारी जो अनजाने में सहापराधी होते हैं या दबाव में होते हैं थोड़ी मात्रा में विस्फोटक ला सकते हैं, इसलिए कर्मचारी पार्किंग भवन से कम से कम छः मीटर की दूरी पर होना चाहिए। साफ़ क्षेत्र में कोई पार्किंग नहीं होने दी जाएगी। आगुन्तक और ग्राहक पार्किंग परिधि दीवार के बाहर एक पृथक क्षेत्र में होनी चाहिए।

9. प्रकाश व्यवस्था

स्थल को उचित रूप से प्रदीप्त किया जाना चाहिए, जिसमें न्यूनतम एक फुट कैंडल जो भवन के ऊर्ध्वाधर पृष्ठों पर भूमि से ऊपर एक मीटर मापी जाएगी जिसमें किसी घुसपैठिए का पता लगाने और डराने के लिए सुरक्षा बल कार्मिकों या क्लोज़ड सर्किट टेलीविजन द्वारा निगरानी रखी जाएगी। परिधि क्षेत्र में आम प्रकाश व्यवस्था महत्वपूर्ण है। प्रकाश-व्यवस्था जरूरतें व्यक्तिपरक होती है क्योंकि वे भू-भाग या पृष्ठभूमि पर आधारित होती हैं। पृष्ठभूमि का कलर अपेक्षित प्रकाश व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण निर्धारक तत्व हो सकता है। क्या व्यक्ति क्षेत्र को स्क्रीन पर प्रस्तुत कैमरे में से या नंगी आंखों से देख रहा है और यह निर्धारित करने के लिए कि क्या क्षेत्र पर्याप्त रूप से प्रज्वलित है इसके लिए व्यक्ति की आयु भी एक तत्व हो सकती है।

(ड) विस्फोट सुरक्षा

विस्फोट सुरक्षा, एक अन्य डिजाइन तत्व, बहुत तकनीकी हो सकता है। ढांचागत फ्रेमिंग और भवन का बाहरी भाग, खिड़कियों, दीवारों और छतों सहित, एक विनिर्दिष्ट टी एन टी समान अर्धगोल पृष्ठ विस्फोट के प्रभाव के लिए प्रतिरोधी होने चाहिए।

1. रुकावट

विस्फोट का सर्वोत्तम बचाव रुकावट है। पर्याप्त रुकावट दूरी के बिना, भवन गिर जाएगा। ट्रक बम दुर्घटनाओं में टूट-फूट मृत्यु का मुख्य कारण है।

1998 में नेरोबी में यूएस दूतावास की बमबारी में 200 से अधिक लोग मारे गए उनमें से बहुत से साथ लगे भवनों से थे जो टूट गए। 1996 में साउदी अरब में खोबर टावर बमबारी में 18 लोग मारे गए। जब बम फटा तो भवन में एक सौ नब्बे लोग थे। केवल 20 मीटर की रुकावट दूरी होते हुए इमारत ठीक ही रही चाहे बम विस्फोट कम से कम 3000 किलोग्राम (टीएनटी-समतुल्य) था।

2. गारद बूथों की तरह, आदर्श भवन डिजाइन में 15 मिनट बलपूर्वक प्रवेश और हमले के विरुद्ध बम प्रतिरोध सुरक्षा उपलब्ध करायी जानी चाहिए जो सुलभ प्लेटफार्म या ग्रेड के न्यूनतम तीन मीटर ऊपर होनी चाहिए।

3. दीवार, दरवाज़ा, खिड़की सुरक्षा

भवन की दीवारों चढ़ाई में मुश्किल होनी चाहिए और हस्त पकड़ों और पाद पकड़ों से मुक्त होनी चाहिए। हमले के पार्श्व की ओर 15 मिनट प्रतिरोधी दरवाज़े खुलने चाहिए और आपात निकास दरवाज़े एक समय विलंब ताले से आपात ओवरराइड और भगदड़ निकास युक्ति से युक्त होने चाहिए।

4. खिड़कियों (ग्रेड से तीन मीटर ऊपर) में भी 15 मिनट प्रतिरोध उपलब्ध कराया जाना चाहिए और यदि परतदार खिड़कियां नहीं लगाई गई हैं तो उन पर 2 मिलीमीटर टूट प्रतिरोधी फिल्म लगाई जानी चाहिए। यह फिल्म खिड़की को ठीक रख सकती है बजाय कि विस्फोट के बाद उच्च वेग टूटे टुकड़ों का रूप ले ले।

5. कठोर पंक्ति

सुरक्षा की अंतिम परत “कठोर पंक्ति” के रूप में जानी जाती हैं और इसमें भी बलपूर्व प्रवेश या प्रक्षेपिक हमले के लिए 15 मिनट प्रतिरोध उपलब्ध कराया जाना चाहिए। कठोर पंक्ति फ़र्श से छत तक को ढांप लेती है और निरंतर होनी चाहिए। इसकी मुख्य भेद्यता वाहिनी और संवाहन शाफ़्ट होती है और इस कमज़ोरी को 90 दर्जा मोड़ों की अविच्छिन्न और प्रक्षेपिक सामग्री का प्रयोग करके दूर किया जा सकता है। संक्षेप में, परिधि से कठोर पंक्ति तक टायर युक्त सुरक्षा का हमलावरों पर संचयी रूप से विलंब करने का प्रभाव होता है।

6. कठोर लाइन क्षेत्र में जनता के प्रवेश को नियंत्रित करने में कार्मिकों को भवन कठोर पंक्ति में से जाने की अनुमति देने से पहले उनका सक्रिय निरीक्षण शामिल होता है। स्क्रीनिंग प्रक्रियाएं सुरक्षा नीतियों को लागू करती हैं और केवल ऐसे लोगों के प्रवेश की अनुमति देती हैं जिनकी जरूरतें वैध होती हैं। योजना में भवन डिजाइन, आगुन्तकों की दर और प्रवाह, आशंका स्तर कार्मिक उपलब्धता और स्थापित तकनीकी उपस्कर के प्रकारों पर विचार किया जाना चाहिए।

अध्याय 5

अरक्षित लक्ष्य सुरक्षा अनुप्रयोग, नीतियां, प्रक्रिया और प्रशिक्षण

1. भूमिका

आतंकवादी समूहों की लक्षित नीतियां संकेन्द्रित होती हैं। चूंकि राजनीतिक, कूटनीतिक और सैनिक सुविधाएं कठोर बना दी गई हैं, आतंकवादियों ने आसानी से चोट किए जाने वाले अरक्षित लक्ष्यों पर चोट करना आरंभ कर दिया विशेषतः उन पर जो मज़बूत प्रतीकात्मक, आर्थिक और मानव प्रभाव रखते हैं। अरक्षित लक्ष्य स्थलों पर अब अधिक प्रभावी सुरक्षा उपाय करने की निर्भीक जरूरत विद्यमान है।

सुरक्षा गार्ड के प्रभावी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन और सुरक्षा और गैर-सुरक्षा अरक्षित लक्ष्य कर्मचारियों दोनों के लिए क्षम आतंकवाद विरोधी प्रशिक्षण ऐसे मामले हैं जिनके लिए शीघ्र ध्यान की जरूरत है।

2. प्रवेश नियन्त्रण मामले

- (क) प्रवेश नियंत्रण के स्तर ठीक होने के बावजूद, आशंका के मामले है जो सब अरक्षित लक्ष्यों के लिए साझे है। इनमें से कुछ विशेषताएं नीचे दी जाती हैं :
- बड़ी संख्या में हताहतों की संभावना
 - जनता पर मानसिक प्रभाव (गड़बड़/भय)
 - नागरिकों को बचाने में सरकारी क्षमताओं में घटता विश्वास
 - हमले के स्थल और सम्बद्ध संरचनाओं के सामान्य प्रचालनों में बाधा
 - दीर्घावधि आर्थिक क्षति की संभावना
- (ख) संभावित लक्ष्यों की अनगिनत संख्या के साथ सीमित मानव और वित्तीय संसाधन अरक्षित स्थल सुरक्षा के लिए एक उत्साहीन कार्य बना देते हैं। किसी स्थल की सुरक्षा का स्तर निम्नलिखित में होता है :
- प्रवेश नियंत्रण का स्तर
 - सुरक्षा अधिकारियों और कर्मचारियों की विशेषज्ञता

- iii. इसके भौतिक सुरक्षा घटकों का संरूप
- (ग) संभावित अरक्षित लक्ष्य स्थलों पर विद्यमान प्रवेश नियंत्रण स्तर को क्रमबद्ध स्तरों में वर्गीकृत किया जा सकता है
 - i. नियंत्रित प्रवेश
 - ii. अनौपचारिक, हल्का प्रवेश नियंत्रण
 - iii. अनियंत्रित प्रवेश
- (घ) यहां वर्णित तीन स्तरों में से नियंत्रित पहुंच अत्यधिक कठोर होती है। इसमें समारोह और सुविधाएं शामिल होती हैं जहां अतिथियों और वाहनों का प्रवेश और विकास दोनों को छानबीन के उच्चतम स्तर में से गुजरना पड़ता है जो अरक्षित लक्ष्य स्थल के लिए उपयुक्त होते हैं और इसमें आगन्तुकों और उनके सामानों की स्क्रीनिंग और तलाशी भी शामिल होती है। टिकट लगे समारोहों में, टिकट बिक्री या संग्रहण के दौरान ही दर्शकों की जांच भी शामिल होती है।
- (ङ) अनौपचारिक, हल्के प्रवेश नियंत्रण का उल्लेख ऐसे स्थलों के लिए होता है जहां आने-जाने वाले पैदल यात्रियों और मोटर यातायात का सरसरी मूल्यांकन किया जाता है। अनौपचारिक प्रवेश नियंत्रण के उदाहरण ऐतिहासिक स्थल हो सकते हैं जहां सीमित प्रवेश का मुख्य कारण प्रवेश शुल्क एकत्र करना होता है। बहुधा अस्त्ररहित, वर्दीधारी गाड़ों की प्रवेश बिन्दुओं पर तैनाती ही आपराधिक गतिविधि के लिए निवारक होता है।
- (च) अनियंत्रित प्रवेश ऐसे अरक्षित लक्ष्यों स्थलों को निर्दिष्ट करता है जहां किसी प्रकार का कोई प्रवेश नियंत्रण नहीं होता। संभावित अरक्षित लक्ष्य स्थलों को कठोर बनाने की प्रेरणा यह है कि पहुंच के स्तर को ऐसे बढ़ाया जाए कि जिससे जागरूकता और सचेतना का उच्चतर स्तर प्राप्त हो।

3. विशिष्ट अरक्षित लक्ष्य स्थलों के लिए सुरक्षा महत्व

कुछ सुरक्षा चुनौतियां सब अरक्षित लक्ष्य स्थलों के लिए सार्विक होती है। जबकि अरक्षित लक्ष्य स्थलों के विशिष्ट प्रकारों की विलक्षण चिन्ताओं को देखते हुए, सब अरक्षित लक्ष्य स्थलों का विश्लेषण नहीं किया जा सकता :

- i. पर्यटक स्थल, ऐतिहासिक भवन और संग्रहालय
- ii. स्पोर्ट स्टेडियम और अखाड़े और विशेष समारोह
- iii. गगनचुम्बी कार्यालय और रिहायशी भवन
- iv. होटल और आतिथ्य केन्द्र
- v. शॉपिंग और रेस्टोरेन्ट जिले

4. पर्यटक स्थलों, ऐतिहासिक भवनों और संग्रहालयों के लिए सुरक्षा चिन्ताएं

- (क) ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थलों को कठोरी भवन बनाना विलक्षण सुरक्षा चुनौतियां प्रस्तुत करता है। इन स्थलों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के कारण किसी प्रकार का संरचनात्मक सुधार असंभव होता है। प्रभावी कठोरी भवन के लिए बड़े संरचनात्मक परिवर्तन अपेक्षित होंगे जिसे सरकार या जनता स्वीकार करने के लिए राजी नहीं होगी। चूंकि बहुत से स्थल अत्यन्त पुराने और संरचनात्मक रूप से कमज़ोर हैं केवल मात्र प्रत्युपाय उसे पर्याप्त सुरक्षित दूरी पर स्थापित करना है, जिसके द्वारा भयंकर वाहन बम हमले को रोकने की संभावना है।
- (ख) उपयुक्त और प्रभावी सुरक्षा विकल्प
- निम्न तकनीकी विकल्पों का जैसे भू दृश्य निर्माण का एक साधन के रूप में सुरक्षा के लिए प्रयोग करें जो सूक्ष्म लेकिन विश्वसनीय प्रभाव उपलब्ध करा सकती हैं।
 - कर्मचारियों के साथ निकास योजनाओं की समीक्षा करें और सुनिश्चित करें कि वे वर्तमान सुरक्षा पद्धतियों और आशंका स्तरों के अनुरूप हों।
 - पर्यटक स्थलों, ऐतिहासिक इमारतों और संग्रहालयों का कठोरी भवन का लक्ष्य एक सन्तुलन स्थापित करना, एक ज्यादा कड़ी प्रवेश नियंत्रण प्रणाली स्थापित करता है और उसके लिए मनमाना और अरुचिकर वातावरण उत्पन्न नहीं किया जाएगा।

5. स्पोर्ट स्टेडियम और अखाड़ों के लिए सुरक्षा चिन्ताएं

- (क) बड़े खेलकूद समारोहों की प्रकृति के कारण सुरक्षा कर्मियों को अपर्याप्त रूप से स्क्रीन किए गए हज़ारों दर्शकों से व्यवहार करना पड़ता है। प्रवेश नियंत्रण का अभाव ऐसे समारोहों को आतंकवादी हमले के लिए विशेष रूप से अतिसंवेदनशील बना देता है। इतनी बड़ी संख्या में दर्शकों का तेज़ी से और सुरक्षा से निकास समस्या को तीव्र बना देता है। उन समारोहों के लिए भी जहां सुरक्षा उपलब्ध कराई जाती है हम बहुधा देखते हैं कि गुणवत्ता अपर्याप्त होती है
- (ख) स्पोर्टिंग और संगीत समारोहों में प्रवेश नियंत्रण के स्तर को बढ़ाना अनिवार्य है। समारोह और दर्शकों की प्रकृति सामान्यतः सुरक्षा के स्तर को निर्धारित करती है। ऐसे समारोहों में जहां भारी दामों के टिकट बेचे जाते हैं वहां सामान्यतः सुरक्षा उपायों के तुलनात्मक स्तर अपनाए जाते हैं उदाहरणार्थ उन समारोहों के मुकाबले में जहां मुफ्त राजनीति रैली होती है।
- (ग) जो हानि पहुंचाना चाहता है वे महंगी टिकट वाले समारोह, जहां प्रवेश नियंत्रण और सुरक्षा का उच्चतर स्तर होता है के मुकाबले में मुफ्त रैली को लक्ष्य बनाकर वैसा ही घातक प्रभाव प्राप्त कर सकते हैं।
- (घ) विषैली रासायन सामग्रियों और प्रदायक विधियों में आतंकवादियों की रुचि बढ़ रही है और भविष्य में इसके और बढ़ने की संभावना है। इस दिलचस्पी कारण में अपेक्षाकृत आसानी शामिल होती है जिससे इन सामग्रियों का प्राप्त या उत्पन्न किया जा सकता है और भारी मनोवैज्ञानिक प्रभाव जो ऐसे हथियार रखते हैं।

- (ड) एक आतंकवादी सैल किसी खेलकूद समारोह में, विशेषतः जब उसे किसी बन्द खेलकूद स्थल पर आयोजित किया जा रहा रासायनिक/जैव कारकों की एक रेंज आसानी से प्रवर्तित कर सकता है। हवा में विचरित कारक न केवल बीमारी और जीवन की हानि उत्पन्न करेंगे बल्कि स्थल को खाली करते भयभीत दर्शकों की भगदड़ में और ज्यादा लोग हताहत हो सकते हैं।
- (च) उपयुक्त और प्रभावी सुरक्षा विकल्प
- i. परिधि सुरक्षा और प्रवेश नियंत्रण मामलों पर विशेष ध्यान दें।
 - ii. ऐसी नीतियां स्थापित करें जिनमें बताया जाए कि दर्शक किस प्रकार की खेलकूद या संगीत समारोहों में ला सकते हैं। पैकेजों, बैंक पैक्स और अन्य व्यक्तिगत सामानों को सीमित करें। अनुमत मदों की स्क्रीनिंग से सुरक्षा का स्तर बढ़ेगा
 - iii. बाड़ों, गेटों और निशानों के माध्यम से परिधियों को निश्चित करें।
 - iv. मानीटर किए/नामित पार्किंग क्षेत्रों का प्रयोग करें।
 - v. जन घोषणा प्रणाली के माध्यम से समारोह से पहले घोषणाएं करें जिसमें दर्शकों को उनके पास के निकास द्वार निश्चित करने को और आपात या निकास के दौरान विशिष्ट रूप से रंगीन पेटियां या वर्दियां पहने स्टाफ कर्मचारियों से सहायता लेने को कहा जाए।
 - vi. यह सुनिश्चित करें कि स्पोर्टिंग समारोहों या संगीत समारोहों में सुरक्षा प्रदान करने वाले कर्मचारी आपातों और निकासों के दौरान उपयुक्त अनुक्रिया करने के अभ्यस्त हैं।
 - vii. भीतरी भवन संशोधनों पर विचार करें जैसा कि वातानुकूलन प्रणालियों को विलग करना और मानीटरिंग युक्तियां कट आफ और फिल्टरिंग कारक स्थापित करना, ताकि समस्त इनडोर कम्प्लैक्स में विषैली वस्तुओं या अन्य वायु वाहित कारकों के फैलाव को रोका जाए।
 - viii. अनुसूचित समारोह से पहले स्टेडियमों, अखाड़ों और सम्मेलन केन्द्रों को प्रदत्त रियायतों का निरीक्षण करें।
 - ix. अतिरिक्त पावर और प्रकाश व्यवस्था प्रणालियों को स्थापित करने पर विचार करें।
- (छ) किसी आरक्षित लक्ष्य स्थल पर एक विशेष समारोह को सुरक्षित बनाने के लिए कुछ प्रभावी रक्षी उपाय
- i. समारोह से पहले अरक्षित लक्ष्य क्षेत्रों में लाई जा रही बचने वाली मदों का निरीक्षण करें
 - ii. अरक्षित लक्ष्य क्षेत्र में जा रहे संरक्षकों द्वारा ले जायी जा रही सब मदों की जांच करें
 - iii. समारोह के लिए सब काम करने वाले कर्मचारियों की पहचान और उचित बैज सुनिश्चित करें
 - iv. समारोह से पहले अरक्षित लक्ष्य क्षेत्रों की सुरक्षा और संरक्षा तलाशियां करें
 - v. पैदल गुजरने वाले और दस्ती धातू संसूचकों, बेल्ट-पोशित एक्स-रे मशीनों, विस्फोटक वाष्प संसूचकों और शारीरिक तलाशियों (पुरुष/महिला जब उपयुक्त हो) का प्रयोग करें।

6. गगन-चुम्बी कार्यालयों और रिहायशी इमारतों के लिए सुरक्षा चिन्ताएं

- (क) हवा से हमले के फलस्वरूप जीवन और सम्पत्ति की भारी हानि होगी। 11 सितम्बर, 2001 को वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर और पेंटागान पर हमलों से एक बात सीखी गई है कि किसी अरक्षित लक्ष्य को आत्मघाती हवाई हमले से बचा पाना वस्तुतः असंभव है।
- (ख) अन्य के साथ कीनिया, साउदी अरब और टर्की में हमलों में ट्रक बमों का प्रयोग करने में आतंकवादी समूहों ने प्रभावशाली विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया। अधिक चिन्ता होनी चाहिए कि आतंकवादी इस क्षमता का विस्तार करेंगे और रासायनिक या जैव सामग्रियों को प्रदत्त करने के लिए इसे अपनाएंगे और क्षति और हमले के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को बढ़ाएंगे।
- (ग) बहुत सी गगन-चुम्बी इमारतों और कम्प्लैक्सों में पर्याप्त स्टैंड आफ दूरी का अभाव होता है और जनता और नगर गलियों के लिए प्रवेश्य होते हैं और मध्य दालानों के इर्दगिर्द तैयार किए जाते हैं।
ओकलाहोया सिटी ट्रक बमबारी की नकल करते हुए कोई आतंकवादी आसानी से केटियार्ड क्षेत्र तक गाड़ी में आ सकता है और बहुत से गगन चुम्बी टावरों को एक ही विस्फोटक घटना में नष्ट कर सकता है।
- (घ) गगन चुम्बी इमारतों में बहुत से हाई एन्ड वाणिज्यिक स्थलों में सरकारी और वित्त कार्यालय बनाए गए हैं। ये कार्यालय आतंकवादियों के लक्ष्य हो सकते हैं। इर्दगिर्द की निजी निवास और व्यापार स्थलों के लिए संपाशिवक क्षति विध्वंसक होगी।
- (ङ) उपयुक्त और प्रभावी सुरक्षा विकल्प
- एक आशंका मूल्यांकन संचालित करें। एक वास्तविक आशंका मूल्यांकन में अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों और अन्य परिधि सुरक्षा प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं के लिए आवश्यकता की पहचान की जा सकती है। भवन स्वामी/प्रबंधक ध्यानपूर्वक मूल्यांकन करें कि उनके भवन को क्या विशेष रूप से लक्ष्य बनाया जा सकता है और ऐसा क्यों है।
 - अतिरिक्त पावर और प्रकाश व्यवस्थाओं को स्थापित करें
 - सजावटी प्लांटों और जहाज़ी खूंटों का प्रयोग करते हुए गगनचुम्बी दालान में एक विस्फोटक या काम चलाऊ रासायनिक हथियारों से युक्त वाहन के प्रवेश की संभावना को कम करें
 - गगनचुम्बी इमारतों के निवासियों और कार्यालय कर्मचारियों को पहचान और संदेहास्पद गतिविधि को रिपोर्ट करने के संबंध में आशंका जागरूकता प्रशिक्षण नियमित रूप से लेना चाहिए। निवासी अनौपचारिक निगरानी का स्तर उपलब्ध करा सकते हैं जो समग्र सुरक्षा कार्यक्रमों को बढ़ाएंगे।
 - वास्तविक निकास ड्रिलें आवधिक रूप से करें। इसमें भवन के किरायेदारों, स्थल प्रबंधकों कर्मचारियों और आपात में काम करने वालों जैसे अग्निशामकों और पुलिस को शामिल करें। स्टाफ और किराएदारों के आने से ड्रिल अधिक जरूरी बन जाएगी।

vi. तापन, संवाहन, वातानुकूलन, यांत्रिक प्रणाली उपयोगिता कक्ष और अन्य स्थलों के लिए पहुंच सुरक्षित करें जहां विस्फोटक यन्त्रावलियों को बिना पता लगे पीछे छोड़ा जा सकता है।

(ज) भेद्यता मूल्यांकन पहल

उन भवनों पर भेद्यता मूल्यांकन संचालित किया जाना चाहिए जिसे एक संयुक्त आपात अनुक्रिया टीम द्वारा उच्च जोखिम माना गया है। टीम में पुलिस, अग्निशमन विभाग आदि के सदस्य शामिल होते हैं। इस मूल्यांकन के दो प्रयोजन होते हैं। पहला, यह भवन और सुरक्षा प्रबंधकों को स्थल की भेद्यताओं की पहचान कराता है जो उन भेद्यताओं का समाधान कर सकते हैं। दूसरा, यह पुलिस और अग्निशमन विभाग को सविस्तृत डेटा उपलब्ध कराता है (ब्लू प्रिंट और फ्लोर नक्शे) जिसका प्रयोग वे आतंकवादी हमले या अन्य विनाश की स्थिति में कर सकते हैं।

जिन भवनों को मध्यम या निम्न जोखिम समझा जाता है वे वैसे ही स्व-मूल्यांकन करें और उन्हें पुलिस और अग्निशमन विभाग को उनके परिणाम प्रस्तुत करने चाहिए।

(झ) जबकि प्रत्येक शहर के लिए ये प्रक्रियाएं उपयुक्त नहीं होंगी लेकिन, कम से कम, स्थानीय विधि प्रवर्तन एजेंसियों और भवन मालिकों को एक दूसरे के साथ नियमित संचार को औपचारिक रूप देना चाहिए। एक औपचारिक वार्तालाप :

i. आपात प्रक्रियाओं की आम समझ को बढ़ावा दे सकता है।

ii. परस्पर सहायता समझौते विकसित किए जाएं, जोखिमों की पहचान करें और स्थल विशिष्ट निकास अभ्यासों के विकास को सरल बनाएं।

iii. प्रत्युपाय विकल्पों पर सूचना के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करें।

7. होटलों और आतिथ्य केन्द्रों के लिए सुरक्षा चिन्ताएं

(क) बहुत से होटलों और आतिथ्य केन्द्रों पर पुलिस की बढ़ती मौजूदगी से सुरक्षा छाता अधिक विशिष्ट बन गया है। निस्सन्देह इसका अनश्चित आर्थिक प्रभाव होता है और विधि प्रवर्तन और निजी उद्योग स्रोतों दोनों पर एक स्पष्ट तनाव होता है। बहुत से होटल मालिकों के मन में यह आतिथ्य के विपरीत लगता है कि उनके अतिथियों को प्रवेश नियन्त्रण के अधीन रखा जाता है और वे कोशिश कर रहे हैं और जरूरी है कि बताएं। इसके फलस्वरूप बहुत से होटल मालिकों ने फैसला किया है कि उनकी सुविधाओं तक पहुंच के लिए वे कोई भौतिक अवरोध स्थापित नहीं करेंगे।

(ख) होटल/आतिथ्य उद्योग की प्रकृति के अनुसार, कई होटल नई पीढ़ी इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणालियों पर अत्यधिक आश्रित हो गए हैं बजाए इसके कि वे भौतिक प्रवेश नियन्त्रण नीतियों का निर्माण करें और अपनी संरचनाओं में इंजीनियरी सुधार करें। यह आवश्यक है कि पुलिस प्रशासक एक मजबूत पर्यटन उद्योग के लाभों के बारे में सोचें और होटलों और आतिथ्य केन्द्रों में व्यवहार्य सुरक्षा पद्धतियों को सन्तुलित करने का अर्थभेद करें।

(ग) उपयुक्त और प्रभावी सुरक्षा विकल्प

- i. पैदल गुजरने के धातु संसूचकों की स्थापना और सामान और पैकेजों की आदेशात्मक तलाशी लेना।
- ii. कर्मचारी जागरूकता कार्यक्रम (रिपोर्ट करने और आपात अनुक्रिया) की स्थापना। अरक्षित लक्ष्य स्थलों को प्रक्रियाओं और सूचना को विधि प्रवर्तन कार्मिकों और सन्निकट अरक्षित लक्ष्य स्थलों के सुरक्षा टीमों के साथ बांटना चाहिए।
- iii. सुरक्षा प्रयासों का तालमेल, यह नोट करना कि एक होटल पर हमले का समस्त स्थानीय होटल, आतिथ्य और पर्यटन उद्योग पर नकारात्मक आर्थिक प्रभाव होगा। निजी क्षेत्र सुरक्षा को उन्नत विचार वाली सुरक्षा नीतियों का प्रयोग करना चाहिए जिसमें आशंका संबंधित सूचना का दूसरी सुरक्षा फ़र्मों और प्रतिस्पर्धी होटल सुरक्षा कर्मचारियों के साथ आदान प्रदान करना शामिल है।
- iv. सी सी टी वी कैमरों की स्थापना। कुछ बड़े होटलों ने अपनी संरचनाओं के बाहर अपनी सतर्क आंखों का प्रयोग किया है। प्ररूपी तौर पर, परिधि सुरक्षा क्रियान्वयन में उचित स्थानों पर रखे कैमरों और सम्पत्ति की गश्त करते हुए दिखाई देने वालों गाड़ों पर भरोसा किया गया है। धन की बचत करने के लिए, कुछ स्थलों पर सुरक्षा स्टाफ को सी सी टी वी कैमरों द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है। एक प्रभावी सुरक्षा प्रणाली में टेक्नोलोजी और मानव तत्व दोनों के सर्वोत्तम पहलुओं का मिश्रण होना चाहिए।
- v. अतिरिक्त सिंक्रलर प्रणालियों, मज़बूत एलीवेटरों और सीढ़ियों का अनुरूपांतर। आतंकवादी या प्राकृतिक विनाशों के भयंकर परिणाम की संभावना को कम करने के लिए होटल और ऐसे ही अन्य स्थलों के अतिरिक्त सिंक्रलर प्रणालियों अधिक मज़बूत एलीवेटरों और सीढ़ियों के अनुरूपांतर और फ़ायरप्रूफिंग के उच्चतर स्तर के बारे में विचार करें। सामान्य मरम्मत या सुविधा रीमांडल के समय इन उपायों को शामिल किया जा सकता है।

(घ) होटल संबंधी संदेहास्पद गतिविधियां

- i. अंतिम समय, पैदल आता रजिस्ट्रेशन कराने वाला (एक बड़ी घटना के कुछ दिन पहले)।
- ii. अतिथि जो लगातार कई दिनों तक हाउसकीपिंग स्टाफ को कमरे की नेमी सफाई नहीं करने देते।
- iii. अतिथि जो हाउस कीपिंग स्टाफ को कमरे में आने तो देते हैं लेकिन उनकी क्रियाओं पर कड़ी निगरानी रखते हैं
- iv. इस बात का साक्ष्य कि रहने वालों ने जान बूझकर अपनी शारीरिक दिखावट बदल दी है (शेविंग, बाल बहुत छोटे कटवाना या हेयर डाई)।
- v. बड़ी मात्रा में बालों के साथ अवरुद्ध नालियों के लिए कर्मचारी सहायता की प्रार्थना।
- vi. संदेहास्पद प्रमाणिकता के आधार पर कमर आरक्षण के लिए प्रस्तुत पहचान।
- vii. भारी लाजिंग बिल के भुगतान के लिए क्रेडिट कार्ड की बजाए बड़ी मात्रा में नकद राशि में भुगतान (या कोई

- अन्य असाधारण रजिस्ट्रेशन और आरक्षण सूचना)।
- viii. अतिथि के सामान की चोरी रिपोर्ट जिसमें संवेदी दस्तावेज़ हैं जैसा कि पासपोर्ट/वीज़ा और पहचान के अन्य फार्म।
- ix. अतिथि द्वारा स्वीकार किए गए आगुन्तकों की असाधारण संख्या, व्यक्ति अतिथि के कमरों में मटर गश्ती करते हैं।
- x. असाधारण या अत्यधिक सामान, कन्टेनर, औजार, तारे, अतिथियों द्वारा छोड़ा गया सामान।
- xi. अतिथि जो सामान के साथ आते हैं जो खाली दिखाई देता है।
- xii. बहुत ही महंगे फोटोग्राफ़िक/निगरानी उपस्कर, दूरबीनें या अन्य उपस्कर जो सामान्यतः अतिथियों या पर्यटकों के पास नहीं होता (रात्रि दृष्टि चश्मे, शक्तिशाली दूरबीनें)।
- xiii. अनधिकृत वर्दियां पास होना (पुलिस/सेना)।
- xiv. असाधारण भू या सामग्रियां, तेल आधारित धब्बे या अन्य ज्वलनशील सामग्री।
- xv. चैक-इनके समय एक विशिष्ट कमरे के लिए प्रार्थना क्योंकि वहां से अन्य भवन या स्थान दिखाई देता है जिसे आतंकवाद का संभावित लक्ष्य समझा जा सकता है।
- xvi. एक अज्ञात स्रोत द्वारा एक संदेहास्पद पार्सल की दस्ती सुपुर्दगी (असाधारण वज़न/सन्तुलन, बाहर निकलती तार, रैपिंग या लिफ़ाफ़े पर ग्रीस के धब्बे, असाधारण बू)
- xvii. होटल की लाबी में असाधारण समय तक मटर गश्त करना

8. शापिंग और रेस्टोरेन्ट क्षेत्रों के लिए सुरक्षा चिन्ताएं

- (क) हर रोज़ बड़े शापिंग स्थलों में हज़ारों न जांचे गए ग्राहक आते हैं जो अरक्षित लक्ष्य कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के लिए बड़ी चुनौती प्रस्तुत करते हैं।
- बहुत से शापिंग स्थलों के आकार के कारण इन स्थलों पर सुपुर्दगी देने वाले ट्रकों की बड़ी संख्या एक आशंका उत्पन्न करती है। बिना जांच किए गए इन वाहनों में से किसी को भी एक आतंकवादी समूह द्वारा एक विस्फोटक या रासायनिक जैव सामान को अत्यधिक आबादी वाले बाज़ार क्षेत्र के मध्य में देने के लिए प्रयुक्त किया जा सकता है। आतंकवाद की कार्रवाई करने वाले लोग अपने आपको वाणिज्यिक सुपुर्दगी कामगार बता सकते हैं। यह भी चिन्ता की बात है कि ये व्यक्ति वाहनों के कुछ प्रकारों, उपस्कर या वैध व्यापार की सूची में सामग्रियों की मात्र चोरी करते हैं। एक बार अपनाने पर इन मदों या वाहनों का प्रयोग एक आतंकवादी साज़िश को सरल बनाने के लिए किया जा सकता है।
- (ख) उपयुक्त और प्रभावी सुरक्षा विकल्प :
- i. ऐसी प्रणाली का क्रियान्वयन करें जिसमें किराया प्रक्रम में संभावित कर्मचारियों की किसी प्रकार की जांच की

- गई है। नियोजन की शर्त के रूप में पूर्ण पृष्ठभूमि जांच को जोड़ा जाना चाहिए।
- ii. प्रस्ताव करें कि सुपुर्दगी करने वाले वाहनों की यादृच्छिक जांच की जानी चाहिए। क्या सुरक्षा कर्मी उन पर कड़ी नजर रखते हैं जो सुपुर्दगी करने के लिए आते हैं, आई डी चैक करें और जब वाहनों से सामान की उतराई की जा रही है तो ध्यान रखें।
 - iii. छितर प्रतिरोधी खिड़की फिल्म स्थापित करें। बहुत से अरक्षित लक्ष्य क्षेत्रों, विशेषता शापिंग मालों में व्यापक कांच पृष्ठ होते हैं। कई लोगों का अनुमान है कि बम हमले से 80% चोटें कांच टुकड़ों के कारण होती हैं। छितर प्रतिरोधी खिड़की फिल्म की स्थापना स्थलों के लिए एक वहन योग्य सुरक्षा वृद्धि है जिन्हें अन्यथा बचा पाना मुश्किल होता है। इस फिल्म को वर्तमान सुविधाओं के साथ अनुरूपान्तर किया जा सकता है।
 - iv. सुरक्षा बढ़ाने के लिए स्थानीय विधि प्रवर्तन के साथ मिलकर काम करें। उच्च यातायात शापिंग/रेस्टोरेन्ट क्षेत्रों और होटलों और अन्य उच्च-घनत्व क्षेत्रों में सी सी टी वी की स्थापना से इन स्थलों पर सुरक्षा का स्तर बढ़ जाएगा।
 - v. दस्ती तलाशी या दस्ती या पैदल निकलने वाले धातु संसूचकों सहित अन्य स्क्रीनिंग प्रक्रियाओं के साथ सी सी टी वी के विस्तार को बढ़ाएं
 - vi. उपयोगिताओं, अलार्म प्रणालियों, संचार प्रणालियों और अन्य अनुरक्षण प्रचालन स्थलों में प्रवेश चाहने वालों सहित स्थल में आने वाले सेवा कर्मिकों की पहचान की भी जांच करें। ऐसे लोगों की पहचान की पुष्टि करें और एक लागू बुक रखें जिसमें समय, तारीखें और आने का उद्देश्य लिखा जाए।

9. सरकार की भूमिका

इस बारे में विचारों में अन्तर है कि क्या सरकारों द्वारा आदेश दिए जाने चाहिए या अरक्षित लक्ष्यों के लिए न्यूनतम सुरक्षा मानकों की स्थापना को प्रभावित किया जाए। प्राइवेट सुरक्षा अभिकरण (विनियमन) अधिनियम, 2005 में कुछ शर्तें पूरी करने के बाद जिन्हें राज्य सरकारों द्वारा बनाए नियमों में विनिर्दिष्ट किया जाएगा निजी सुरक्षा प्रचालकों को लाइसेंस प्रदान करने से संबंधित विशिष्ट उपबन्ध हैं। सरकार द्वारा विधि प्रवर्तन एजेंसियों के बीच आशंका मूल्यांकन का तालमेल करने के लिए अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए और भवन मालिकों को उपयुक्त मूल्यांकन सूचना और सिफारिशें उपलब्ध करनी चाहिए जैसा कि :

- (क) आशंका मूल्यांकनों का तालमेल सक्रिय रूप से करें।
- (ख) आदेश दें, आर्थिक सहायता दें या गगनचुंबी इमारतों के अधिभोक्ताओं के लिए अधिक शिक्षा और प्रशिक्षण उपलब्ध कराएं
- (ग) किरायादरों/अधिभोक्ताओं के लिए अधिक बारबार व्यापक डिलों के आदेश दें
- (घ) निजी सुरक्षा कर्मों के लिए नए नियामक निरीक्षण उपलब्ध कराएं और प्रशिक्षण और प्रचालनों के लिए दिशा निर्देश स्थापित करें ताकि सुरक्षा उपायों का अधिक निरन्तर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

(ड) संदेहास्पद गतिविधि के लिए दिशानिर्देश और संचार चैनल स्थापित करने में सहायता दें

10. अरक्षित लक्ष्य स्थलों के लिए रक्षी सुरक्षा उपाय

अरक्षित लक्ष्य स्थलों के संबंध में सुरक्षा उपायों की कोटियां निम्नानुसार हैं :

(क) निवारक सुरक्षा उपाय

- i. आतंकवादी आशंकाओं या दुर्घटनाओं के प्रभाव को रोकने या कम करने में उनकी भूमिका के बारे में समुदाय के भीतर जागरूकता और समझदारी को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय जनता सूचना अभियान का गठन करें।
- ii. सुनिश्चित करें कि किसी आतंकवादी आशंका से बचाव, तैयारी, अनुक्रिया और समुत्थान के बारे में सूचना उद्योगों और समुदायों के लिए तत्काल उपलब्ध है।
- iii. विश्व की घटनाओं और विद्यमान आशंकाओं की स्थितिक जागरूकता बनाए रखें
- iv. यदि आशंका स्थितियों और रक्षी उपायों में कोई अन्तर हो तो सब स्तरों के कार्मिकों को सूचित करें।
- v. साइबर आतंकवाद के बारे में विकासों पर निगाह रखें और जहां उपयुक्त हो रक्षी सुरक्षा उपाय क्रियान्वित करें।
- vi. कार्मिकों को प्रोत्साहित करें कि वे सतर्क रहें और यदि कोई संदेहास्पद गतिविधि या आशंका प्रतीत होती है तो उस स्थिति की तत्काल रिपोर्ट करें
- vii. कर्मचारियों को प्रोत्साहित करें कि वे सन्देहास्पद पैकेजों, यन्त्रों, ऐसे ही पड़े ब्रीफकेस या कोई असाधारण सामग्री को देखें और रिपोर्ट करें। कर्मचारियों को सूचित करें कि वे किसी भी वस्तु को हाथ न लगाएं या न हिलाएं विशेषतः जबकि वे भवन के वायु अन्तर्ग्रहण के पास हों।
- viii. सुधरे संबंधों को बढ़ावा देने के लिए नागरिक/पुलिस सहायता नीतियों को विकसित करें और पुलिस और अरक्षित लक्ष्य सुरक्षा कर्मचारियों के साथ सहयोग करने के लिए नागरिकों को प्रोत्साहित करें ताकि संदेहास्पद व्यवहार और दुर्घटनाओं को रोका जाए और रिपोर्ट की जाए।
- ix. आसूचना और सूचना बांटने के संबंधों को विकसित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ भागीदारी स्थापित करें और तालमेल करें स्थापित करें
- x. यदि संभव हो तो भौतिक सुरक्षा, संरचनात्मक इंजीनियरी, पावर, जल और वायु निस्पन्दन पर ध्यान केन्द्रित करते हुए भेद्यता अध्ययन संचालित करें
- xi. अरक्षित लक्ष्यों पर प्रयोग के लिए उपयुक्त उपस्कर का अनुसंधान जैसे विस्फोटक संसूचक और अन्य स्क्रीनिंग संयंत्र।

- xii. दूरसंचार, सूचना प्रणालियों का बढ़ाएं और उन्नत करें, और कर्मचारियों द्वारा प्रयुक्त प्रबंध अभ्यासों को प्राथमिकता दें।
- xiii. “नैसर्गिक निगरानी” की एक प्रणाली को बढ़ावा दें। दृश्यता का उच्चतम संभव स्तर उत्पन्न करने के लिए भौतिक स्थितियों द्वारा प्रेक्षण और कार्रवाई दोनों की संभाव्यता में बहुत सुधार किया जा सकता है। नैसर्गिक निगरानी प्रभावी हो इसके लिए संभावित प्रेक्षकों की वर्धित संख्या प्रभावी नहीं है। कार्रवाई घटक का होना भी जरूरी है अर्थात प्रेक्षित अपराध या सन्देहास्पद गतिविधि की रिपोर्ट करने की प्रेक्षक कार्रवाई करेगा और इस प्रकार संरक्षा बढ़ाएगा।

(ख) भवन/परिधि सुरक्षा उपाय

- i. दिखाई देने वाले सुरक्षा कर्मियों की मौजूदगी बढ़ाना विशेषतः सीमा चिह्न, पुलों, सुरंगों, सबवेज़ और अन्य प्रायः आबादी क्षेत्रों पर
- ii. क्रांतिक स्थलों का निगरानी संसूचन बढ़ाएं। पहले से पता लगाने और हस्तक्षेप द्वारा साज़िशों को विफल किया जा सकता है। विधि प्रवर्तन की सहमति से निजी सुरक्षा सूचना बांटने की विधि विकसित करेगी और आवधिक बैठकों में वे ऐसे मामलों पर चर्चा करेंगे जैसे अरक्षित लक्ष्यों पर क्षतिकूल निगरानी संचालित की जा रही है।
- iii. बाहरी वाहन अवरोधों, यातायात शंकुओं और सड़क अवरोधों की पुनः व्यवस्था करें ताकि सुविधाओं के पास यातायात पेटनों की बदला जाए।
- iv. वाहन, पैदल और भ्रमण सुरक्षा गश्तें स्थापित करें/बढ़ाएं जिनमें उपकार, कार्यक्रमों और मार्गों में विभिन्नता हो।
- v. यादृच्छिक सुरक्षा गारद शिफ्ट परिवर्तनों को लागू करें।
- vi. विधि प्रवर्तन वाहनों को यादृच्छिक रूप से प्रवेश और निकास द्वारों के पास पार्किंग की व्यवस्था करें
- vii. सुविधाओं में या इर्दगिर्द अवैध रूप से खड़े किए वाहनों तक पहुँचें। ड्राइवरो से सवाल जवाब करें और उन्हें तत्काल जाने के लिए निर्देश दें, यदि मालिक की पहचान नहीं की जा सकती तो विधि प्रवर्तन द्वारा वाहन को ले जाया जाएगा।
- viii. परिधि की प्रकाश व्यवस्था बढ़ाएं
- ix. दिखाई देने वाले सुरक्षा कैमरा और गति संवेकद लगाएं
- x. अवरोधों और प्लांटरो का प्रयोग करते हुए सैटबैक दूरी को बढ़ाएं
- xi. सुविधाओं में और इर्दगिर मैन होल कवरों पर विशेष पाशन युक्तियां लगायें

(ग) प्रवेश नियंत्रण सुरक्षा उपाय

- i. प्रवेश बिन्दुओं को सीमित करें और प्रवेश नियंत्रण प्रक्रियाओं को कड़ाई से लागू करें
- ii. महिलाओं की तलाशी के विषय को ध्यान में रखते हुए प्रवेश नियंत्रण बिन्दुओं को संविन्यासित करें यानी पुरुषों की तलाशी पुरुष और महिलाओं की तलाशी महिलाएं लें।
- iii. एक मज़बूत वाहन निरीक्षण कार्यक्रम स्थापित करें जिसमें वाहनों के निचले भाग, हुड के नीचे और ट्रंक में निरीक्षण शामिल होगा। सुरक्षा कर्मियों को वाहन निरीक्षण प्रशिक्षण दें।
- iv. डाक और पैकेज स्क्रीनिंग प्रक्रियाओं को बढ़ाने के लिए एक प्रणाली आरंभ करें

(घ) भवन/आन्तरिक सुरक्षा उपाय

- i. बन्द स्थलों और कमरों जैसे विश्राम कक्षों का आवधिक निरीक्षण करें
- ii. छितर प्रतिरोधी खिड़की फिल्म या आम और लाबी क्षेत्रों में विस्फोट परदे लगाएं ताकि टुकड़ों से चोट का खतरा कम हो जाए।

(ङ) वैयक्तिक बचाव सुरक्षा उपाय

- i. कार्मिकों को प्रोत्साहित करें कि रूटीनों से बचें, समय, रूटों और पहले बनाई योजना में परिवर्तन करें और विशेषतः उच्च आशंका की अवधियों के दौरान निम्न प्रोफाइल रखें।
- ii. कार्मिकों को प्रोत्साहित करें कि वे अपने परिवार के सदस्यों को और पर्यवेक्षकों को अपने पते ठिकाने की जानकारी देते रहें।
- iii. कार्मिकों को प्रोत्साहित करें कि वे आपात निकासों, स्टेयर वेल और एकत्र होने के बिन्दुओं की स्थिति की जानकारी लें ताकि सब कर्मचारियों और अतिथियों का सुरक्षित निकास सुनिश्चित किया जाए।
- iv. ऐसी नीतियों की पहचान करें जिनसे समुदाय का गर्व बढ़ता है और सामाजिक संबंधता विकसित होती है।

(च) सुरक्षा कार्मिक सुरक्षा उपाय

- i. प्राइवेट सुरक्षा सेवाओं की गुणता में सुधार करें और चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अमली रूप दें
- ii. एक नेमी कार्य निजी क्षेत्र सुरक्षा निरीक्षण/पृष्ठभूमि जांच प्रणालियों और अन्य मानव सत्यनिष्ठा कार्यक्रमों को शामिल करें। भीतरी आशंका बहुत ही खतरनाक होती है और उसका सामना करना कठिन होता है।
- iii. समीपस्थ भवनों के सुरक्षा कर्मचारियों से कार्मिकों का परिचय कराएं
- iv. सुरक्षा कार्यक्रमों की जांच करने और आत्मतोष का मुकाबला करने के लिए सुरक्षा लेखापरीक्षा संचालित करें। इस बात की अत्यधिक संभावना है कि समय बीतने पर सुरक्षा प्रक्रियाएं शिथिल होती जाएंगी और ऐसा ही बढ़ाए गए सुरक्षा उपायों के प्रति जनता की सहनशक्ति का होगा।

(छ) आपात/आकस्मिकता सुरक्षा उपाय

- i. जिन स्थलों पर बड़ी संख्या में लोग एकत्र होते हैं जैसे शापिंग सेन्टर, स्पोर्ट स्थल, पर्यटन स्थल और विश्वविद्यालय वहां एक स्थल आपात योजना के क्रियान्वयन को बढ़ावा दें।
- ii. एक-स्थल आपात कार्रवाई योजनाओं का विकास और क्रियान्वयन करें।
आशंका, सर्तकता अधिसूचना आतंकवादी दुर्घटना अनुक्रिया, निकास, बम आशंका, बन्धक व्यक्ति और अवरोध, रासायनिक, जैव, विकिरणक, और नाभीय (सी बी एन आर) और परिणाम और संकट प्रबंध व्यवस्था के बारे में सूचना प्राप्त करें और आन्तरिक
- iii. प्रशिक्षण अभ्यास नियमित आधार पर संचालित करें (ताकि सामान्य स्टाफ श्रम प्रतिस्थापन हो) और स्थानीय आपात अनुक्रियाकारियों (अग्नि, बचाव, चिकित्सा और बम दस्तों) को संयुक्त अभ्यासों में शामिल होने के लिए आमंत्रित करें।
- iv. आकस्मिक योजना के लिए कार्मिकों को तैयार रखा जाए
- v. उन अरक्षित लक्ष्य स्थलों के लिए जहां खतरनाक सामग्रियों का भण्डारण या अनुरक्षण किया जाता है, विशिष्ट सुरक्षा योजनाओं का विकसित और क्रियान्वित करें और कर्मचारियों को सुरक्षा जागरूकता में प्रशिक्षित करें
- vi. प्राकृतिक आपदाओं और हिंसा के कार्यों दोनों के लिए दिशानिर्देश तैयार रखें। कर्मचारियों के साथ उनकी विशिष्ट भूमिकाओं और उत्तरदायित्वों की समीक्षा करें जो आपके संकट दिशानिर्देशों के अनुरूप हैं।

11. स्थल-विशिष्ट आपात कार्रवाई योजना

जब कोई आपात स्थिति घटित होती है तो जिस व्यक्ति (व्यक्तियों) को आपात का पता चलता है उन्हें जिम्मेदारी लेनी चाहिए और दुर्घटना की रिपोर्ट करनी चाहिए। आपात को रिपोर्ट करने से आपात अनुक्रिया और रक्षात्मक कार्रवाइयां आरंभ हो जाएंगी जैसा कि :

- (क) **आश्रय-स्थल** : अत्यधिक खतरनाक सामग्री की अनुक्रिया में प्रारंभिक संरक्षी कार्रवाई में पदार्थ छोड़ा जाता है जो स्थल पर या समीप एक पिच्छक या बादल उत्पन्न करता है।
- (ख) **आड़ में जाना** : कर्मचारी और आगुन्तक भवन के मजबूत सुरक्षित भाग में पनाह लेते हैं या यदि खुली जगह पर हैं तो कार्मिकों को अस्थायी संरचनाओं (जैसे मोटर वाहन) में पनाह लेने से बचना चाहिए।
- (ग) **यथा स्थान अवस्थिति के लिए निकास** : कुछ आपात स्थितियों में (आग, सुरक्षा आशंका आदि) यह जरूरी हो सकता है कि कार्मिकों को उसी काम्प्लैक्स या सुविधा के भीतर ही वैकल्पिक क्षेत्र में स्थान दिया जाए।
- (घ) **स्थान बाह्य अवस्थिति के लिए निकास** : यदि सुविधा के कार्मिकों को निर्देश दिए जाते हैं कि वे अपने ड्यूटी स्थान को खाली करें तो कर्मचारियों और आगुन्तकों को दुबारा स्थान देने के लिए उपयुक्त निर्देश और प्रक्रिया

उपलब्ध हैं।

- (ड) **कार्मिक उत्तरदायित्व** : निकास और संरक्षी प्रक्रम में कार्मिक जिम्मेदारी एक क्रान्तिक कदम होता है। यह प्रक्रम यह सुनिश्चित करने में सहायता देता है ऐसे सुविधा कार्मिक की संरक्षा के लिए खोज, बचाव और सहायता प्रयास आरंभ किए जा सकते हैं जो ज़ख्मी हो गए हैं, फंसे हुए हैं या आपात स्थिति की जानकारी नहीं रखते।

12. लिखित सुरक्षा नीतियां और प्रक्रियाएं

- (क) कार्यविधिक सुरक्षा और लिखित सुरक्षा संबंधित निर्देश और सुरक्षा गार्ड आदेश सब स्थलों पर उपलब्ध कराए जाते हैं जहां प्राइवेट सुरक्षा गार्ड नियुक्त होते हैं। जब कोई अरक्षित लक्ष्य स्थल अपनी भूमिका को स्पष्ट करता है तो स्टाफ सदस्यों को उनकी कार्यवाइयों और उनकी प्रत्याशित अभिवृत्ति के बारे में बता दिया जाता है। इसलिए वे बिना हिचकिचाहट के संगठनात्मक नीति के अनुरूप काम करते हैं।
- (ख) अरक्षित लक्ष्य स्थल नीतियां दर्शन, सिद्धांतों और उस दत्त क्षेत्र बारे में विशेष उद्देश्यों के सामान्य कथन होती हैं। जब एक स्थल कोई नीति बनाता है तो संगठनात्मक स्तर पर कर्मचारियों को बताता है कि यह क्या प्राप्त करना चाहता है और क्यों। नीतियां एक ढांचा उपलब्ध कराती हैं जिसके अन्तर्गत अधिक विशिष्ट मार्गदर्शन, प्रक्रियाएं और नियम विकसित किए जाते हैं।
- (ग) सुविधा या संगठन को नीति कथन निर्दिष्ट करता है कि इसका इरादा अनुक्रियाशील बनने और अपने कर्मचारियों और स्थल की यात्रा करने वाले समुदाय के सदस्यों की भी रक्षा करना है।
- (घ) लिखित नीति में वैयक्तिक विवेक की सीमाएं स्पष्ट की जानी चाहिए और ऐसे विवेक के प्रयोग के लिए दिशा निर्देश उपलब्ध कराने चाहिए। चूंकि विवेक की संकल्पना कठोर संहिताकरण का अवज्ञा करती है, इसलिए सुरक्षा कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि वे प्राधिकार, जो उन्हें प्रदत्त किया गया है, का प्रयोग सर्वोत्तम ढंग से कैसे करें।
- (ड) लक्ष्य और संगठनात्मक सुरक्षा लक्ष्य निर्धारित करने और नेमी रूप से उन्हें अद्यतन बनाने से उद्देश्य की दिशा और एकत्व सुनिश्चित करने में सहायता मिलती है और प्रगति मापने के लिए एक आधार के रूप में होती है।

13. मानक परिचालन कार्यविधि नियमावली

- (क) मानक परिचालन कार्यविधियां अरक्षित लक्ष्य सुरक्षा कर्मचारियों और गैर-सुरक्षा कर्मचारियों दोनों की मूल भूमिका और उत्तरदायित्वों की रूपरेखा प्रस्तुत करती हैं। कोई सुविधा अपने कार्य करते हुए व्यावसायिकता के लिए प्रयास करती है तो उस कार्यविधियों की एक व्यापक नियमावली अवश्य विकसित करनी चाहिए। इसके अलावा, परिवर्तनशील कानून और सामाजिक वास्तविकता को परावर्तित करने के लिए इसकी संगत और अविरत योजना भी होनी चाहिए।

- (ख) एक मानक परिचालन कार्यविधि नियमावली (मापरिका) या पुस्तिका में लिपिबद्ध रूप में सुरक्षा बल नीतियों, संगठनात्मक ढांचे, प्राधिकार, कार्यों और अन्य अपेक्षित परिचालन सूचना का उल्लेख होता है। मापरिका को तैयार करके सुरक्षा बल के प्रत्येक सदस्य को अपेक्षित पठन के लिए देना चाहिए। नियमावली की विषयवस्तु को जानने और समझने के लिए प्रत्येक सदस्य को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह निर्धारित करने के लिए कि प्रत्येक व्यक्ति सब सुरक्षा बल निर्देशों की किस दर्जे तक समझ रखता है और अनुपालन करता है, इसके लिए आवधिक निरीक्षण और परीक्षण किए जाने चाहिए।
- (ग) यह असंभव है और शायद अवांछनीय है कि एक ऐसी विस्तृत नियमावली तैयार की जाए जिसमें किसी अधिकारी को पेश आने वाली प्रत्येक संभावित स्थिति को लिया जाये। साथ ही, कुछ प्ररूपी निर्णय पुनः घटित होते हैं। कार्यविधियां यह सुनिश्चित करने में सहायता देती हैं कि एक विशेष प्रकार की घटना या स्थिति के प्रति अनुक्रिया यथासंभव समान है।
- (घ) जो कार्यविधियां बहुत विस्तृत होती हैं वे भ्रम भी पैदा करती हैं या स्थल पर निर्णय लेने वाले सुरक्षा स्टाफ सदस्य के कार्य को अत्यधिक प्रतिबंधित भी करती हैं। एक मापरिका विषयवस्तु में निर्देश शामिल किए जाने चाहिए जो स्थापित करें :
- बल के प्रयोग के दिशानिर्देश, लिपिबद्ध निर्देश कहता है कि “कर्मिक बल की केवल उतनी ही मात्रा का प्रयोग करेगा जो विधिपूर्ण उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए जरूरी है” इस प्रलेख का एक महत्वपूर्ण घटक है।
 - सब कर्मिकों से निवेश प्राप्त करने की कार्यविधियों को शामिल किया जाना चाहिए। सब स्तरों के कर्मचारियों से निवेश प्राप्त करने का सुविधा की प्रबंध व्यवस्था और प्रचालन में सुधार लाने के लिए बहुत महत्व है।
 - तलाशी और अभिग्रहण कार्यविधियां और दिशानिर्देश जो किसी संदेहास्पद व्यक्ति या अन्वेषक हित के व्यक्ति के निरोध के इर्दगिर्द परिस्थितियों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हैं
 - कार्यविधियां जिनमें अपेक्षा की गई है कि प्राधिकृत विनिर्देशों को पूरा करने वाले शस्त्रों और गोला बारूद को ही स्थलों के लिए कार्यान्वित किया जाए जो और विधि प्रवर्तन सुरक्षा कर्मिकों को अग्निशस्त्र ले जाने की अनुमति देते हैं।
 - सब प्राणहर और प्राणहर से कम शस्त्रों के प्रकार और विनिर्देश जो प्रयोग के लिए प्राधिकृत हैं।

14. सुरक्षाकर्मियों की भूमिका

अरक्षित लक्ष्य कर्मिकों और कर्मचारियों को अधिक चुस्ती से कठिनाई से नहीं, एक सुरक्षित वातावरण को बढ़ावा देने की समाप्ति तक, काम करने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। अरक्षित लक्ष्य स्थल के कार्यबल को अपनी भूमिका की जानकारी होनी चाहिए जो उन्हें सुरक्षा से संबंधित विभिन्न मामलों में उन्हें निभानी है :

- (क) **सुविधा सुरक्षा** : आतंकवादियों और अन्य अपराधी तत्वों को आरोग्य अतिक्रमण और आपराधिक कार्य शामिल करना। सुरक्षा कर्मिक प्रवेश नियंत्रण स्क्रीनिंग बिन्दुओं पर जो प्रौद्योगिकियां लगा रहे हैं उनके पीछे सिद्धांतों को उन्हें समझना चाहिए।

- (ख) अपराध का निवारण : सुरक्षा कार्मिकों और अन्य अरक्षित लक्ष्य स्टाफ सदस्यों को इस बात को अवश्य समझना चाहिए कि वे सुरक्षा संगठन की आंखें और कान हैं।
- (ग) आग और अन्य आम सुरक्षा सरोकार : रिपोर्ट करके और संभावित खतरनाक स्थितियों को कम करके एक अधिक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने का साधन उपलब्ध कराता है।
- (घ) आपात चिकित्सा और संभार तन्त्र सहायता : एक भयंकर दुर्घटना के दौरान पहले अनुक्रिया कारियों को सहायता प्रदान करें।
- (ङ) आपदा अनुक्रिया : सविधा कर्मचारियों के हाथों आपात कार्रवाई आरंभ कर दी जाएगी।

15. लिखित सुरक्षा कर्मचारी निर्देश

अरक्षित लक्ष्य स्थल सुरक्षा कार्मिकों और कर्मचारियों को अनुदेश सामान्य, विशेष या अस्थायी आदेशों के रूप में दिए जाते हैं और शब्द चयन ध्यानपूर्वक और सुस्पष्ट किया जाना चाहिए। इन आदेशों की नियमित आधार पर समीक्षा की जानी चाहिए ताकि सामयिकता और प्रासंगिकता सुनिश्चित की जाए :

- (क) सामान्य आदेश : वे आदेश जो समस्त सुरक्षा बल से संबंधित है और सब पदों और गश्तों पर लागू होते हैं। उनमें ऐसे विषयों को लिया जाता है जैसे सुरक्षा कार्मिक वर्दियों को उचित ढंग से पहनना, ड्यूटी अपेक्षाओं के लिए रिपोर्ट करना और रपट लेखन मानक आदि।
- (ख) विशेष आदेश : किसी विशेष पद या गश्त पर प्रचालन या संचालन से संबंधित हैं। प्रत्येक पद या गश्त के पास ठिकाने, ड्यूटियों, घंटों, प्राधिकृत शस्त्रों, गोला बारूद और अन्य अपेक्षित उपस्कर के संबंध में विशेष आदेश होने चाहिए। विशेष आदेशों में निम्नलिखित विषयों को लिया जाएगा :
- सुरक्षा कार्मिकों के आड़ लेने के ठिकाने
 - ड्यूटियां
 - कितने घंटे काम किया
 - अग्निशास्त्र/गोला बारूद
 - अपेक्षित अन्य उपस्कर
- (ग) अस्थायी आदेश : अल्पवधियों के लिए जारी किए जाते हैं और इनमें विशेष या अस्थायी स्थितियों को लिया जाता है। यदि संभव हो तो ऐसे आदेश में समय का उल्लेख किया जाना चाहिए जब तक वे वैध हैं।

16. प्रभावी सुरक्षा गार्ड और आतंकवादी विरोधी जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रमों का क्रियान्वयन

- (क) संरचनात्मक, इलैक्ट्रॉनिक या अन्य सुरक्षा उपायों के बावजूद, मानव तत्व के कुशल प्रयोग से ही सुरक्षा प्रचालनों में सफलता और असफलता निर्धारित होती है। अरक्षित स्थल सुरक्षा प्रबंधक सुनिश्चित करेंगे कि उनके लिखित विनियमों में अन्तर्विष्ट मानक के आधार पर सुरक्षा कार्मिकों का चयन, पुनरीक्षण नियुक्त या निरर्हित किया जाएगा।

- (ख) सुरक्षा कार्मिकों में वांछित अधिकांश अर्हताएं प्रशिक्षण के माध्यम से विकसित होती हैं और अनुभव के माध्यम से सहज हो जाती हैं।
- (ग) भय का सर्वोत्तम प्रबंध शिक्षा, संचार और तैयारी के माध्यम से किया जाता है। एक संगत आतंक विरोधी जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का क्रियान्वयन करने से तैयारी में सुधार होता है और वर्धित जागरूकता के कारण आतंकवादी साजिशें नाकाम हो जाती हैं।
- (घ) अरक्षित लक्ष्य स्टाफ सदस्यों के लिए प्रशिक्षण के विस्तार और प्रकार में किसी विशेष स्थल का आकार, महत्व और भेद्यता के अनुसार विभिन्नता होगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना कि सब कार्मिक अपनी नेम ड्यूटियों को उचित रूप से करने और आपात स्थितियों से तीव्रता से दक्षतापूर्वक निपटने के योग्य हैं।
- (ङ) सुरक्षा कार्मिकों के लिए ही नहीं बल्कि गैर-सुरक्षा स्टाफ कार्मिकों के लिए भी, जो सुरक्षा प्रचालनों के लिए अतिरिक्त आंखें और कान उपलब्ध कराते हैं, के लिए एक ठोस और सतत प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाने का दृढ़संकल्प। कुल कार्यबल को शिक्षा देनी चाहिए कि सुरक्षा के प्रति जागरूक बनें
- (च) इस प्रशिक्षण प्रयास का बड़ा लाभ पुलिस और प्राइवेट क्षेत्र सुरक्षा के बीच एक ठोस संबंध विकसित करना है। यदि उन्हें प्राइवेट सुरक्षा सत्ता के साथ पेशेवर तरीके से काम करना है, तो विधि प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा लाभ-अभिमुख उद्यम की प्रकृति की सही समझ विकसित की जानी चाहिए और अरक्षित लक्ष्य जागरूकता कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में एक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

17. उचित प्रशिक्षण के लाभ

- (क) कुशल और सतत प्रशिक्षण एक अत्यधिक प्रभावी साधन है जिससे सुरक्षा बल कार्मिकों और अन्य अरक्षित लक्ष्य स्टाफ सदस्यों द्वारा अधिकतम प्रवीणता प्राप्त की जा सकती है और बनाए रखी जा सकती है।
- (ख) एक पर्यवेक्षक का चयन चाहे कितनी सावधानी से करें, आरंभ में उनके पास सब अर्हताएं और अनुभव शायद ही होता है कि कार्य को अच्छी तरह कर सकें।
- (ग) प्राइवेट सुरक्षा कार्मिकों के गुणों में बड़ी विभिन्नता होती है। कुछ प्राइवेट सुरक्षा सत्ता औपचारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुभव के बिना सुरक्षा गार्डों को किराए पर लेते हैं या नियुक्त कर लेते हैं। यद्यपि बहुत से सुरक्षा गार्ड सैनिक या विधि प्रवर्तन पृष्ठभूमि से आते हैं, लेकिन एक व्यापक सुरक्षा कार्यक्रम में भाग लेने से उन्हें भी लाभ होगा।
- (घ) नई और संशोधित जॉब आवश्यकताएं आदेशित करती हैं कि कार्मिकों को पुनः प्रशिक्षण दिया जाए। इसके लाभ निम्नानुसार हैं :
 - i. **पर्यवेक्षकों के लिए :** एक सुविज्ञ स्टाफ का पर्यवेक्षण करना आसान होता है। लाभ ये हैं कि समय का अधिक कुशल प्रयोग किया जा सकता है और गलतियां कम होती हैं। एक अच्छे प्रशिक्षण कार्यक्रम से दलों को प्रेरित करने और उनमें विश्वास उत्पन्न करने में सहायता मिलती है और ये दोनों ही सुरक्षा बल के लिए मूल्यवान सम्पत्ति होते हैं।

ii. सुरक्षा कार्मिक के लिए : प्रवीणता स्तर में वृद्धि होती है और अन्य गैर-सुरक्षा स्टाफ और स्थायी पुलिस अधिकारियों के साथ रक्षी बल के संबंधों की बेहतर समझ पैदा होती है।

iii. अरक्षित लक्ष्य स्थलों के लिए : एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम से लचीलापन और शारीरिक सुरक्षा में वृद्धि होती है जिसके लिए कम कार्मिकों की जरूरत होती है और सौंपे गए कर्तव्यों को सीखने में कम समय लगता है। प्रशिक्षण से योजनाबद्ध और समान कार्य आदतें स्थापित करने में सहायता मिलती है। एक प्रभावी कार्यक्रम बेहतर अभिवृत्तियां और मनोबल उत्पन्न करने में सहायक होता है।

18. आरंभिक सुरक्षागार्ड प्रशिक्षण

(क) शारीरिक सुरक्षा ड्यूटियां करने वाले सुरक्षा गार्डों को सुरक्षा गार्ड बल प्रशिक्षण में शिक्षा का कम से कम एक आधारभूत पाठ्यक्रम पूरा करना चाहिए जैसाकि प्राइवेट सुरक्षा विनिययन अधिनियम में निर्धारित है। आतंक विरोधी जागरूकता भी होनी चाहिए।

(ख) कार्मिकों को उनके विशेष सुरक्षा ड्यूटियों से संबंधित मामलों का (अधिमानत उनके नियत स्थलों पर) संक्षिप्त व्योरा दिया जाना चाहिए। इस प्रशिक्षण में कम से कम निम्नलिखित बातों को लिया जाना चाहिए :

- i. उत्तरदायित्व और प्राधिकार के क्षेत्र-विशेषतः आशंका, तलाशी और जब्ती और बल के प्रयोग के मामले।
- ii. अस्त्रों की हिफाजत और प्रयोग-किसी भी व्यक्ति को सज्जित सुरक्षा ड्यूटियां करने का काम नहीं सौंपा जाना चाहिए जब तक कि उसने उन शस्त्रों के बारे में, जिनसे उसे सशस्त्र किया है, पूर्ण जानकारी और प्रवीणता अभ्यास न कर लिए हों। शस्त्रों के प्रशिक्षण में विधि प्रवर्तन और सुरक्षा कार्मिकों द्वारा बल के प्रयोग से संबंधित नीतियों की समीक्षा शामिल होनी चाहिए।
- iii. आपात की स्थिति में ड्यूटियां इनमें शामिल हैं अलार्म, अग्नि अनुक्रिया, संदेहास्पद पेकेज संसूचन, विस्फोट, अपहरण और नागरिक अशांति। सुविधा के सदस्यों को जानकारी होनी चाहिए कि इन संभाव्य घटनाओं में से प्रत्येक से कैसे निपटना है।
- iv. खतरनाक और भेद्य उपस्कर और सामग्री के ठिकानों की जानकारी गार्ड बल सदस्यों को होनी चाहिए। इसमें चिकित्सा, प्रथमोपचार और अग्नि नियंत्रण उपस्कर शामिल होते हैं।
- v. आधारभूत प्रशिक्षण के दौरान तोड़-फोड़ और गुप्तचर्या गतिविधियों के आम रूपों की जानकारी दी जानी चाहिए, जिससे सुरक्षा कार्मिक पहचान करने और सुरक्षा के भंग के प्रति बेहतर अनुक्रिया दे सकेंगे।

(ग) आरंभिक प्रशिक्षण अवधि के संयोजन में और बाद में नया रक्षी बल अफसर सुरक्षा बल के एक अनुभवी/अति सम्मानित सदस्य का साया बनेगा।

19. विशिष्ट सुरक्षा प्रशिक्षण

(क) अनुभव के आधार पर, सुरक्षा कार्मिकों के लिए शारीरिक सुरक्षा सिद्धांतों या अरक्षित स्थलों की विलक्षणताओं द्वारा आदेशित अतिरिक्त प्रशिक्षण की जरूरत हो सकती है।

(ख) अलग-अलग स्थितियों से निपटने के लिए विशिष्ट प्रशिक्षण अपेक्षित होता है। उदाहरणार्थ ऐसे अरक्षित लक्ष्य

स्थलों पर सुरक्षा सर्वेक्षण या भेद्यता मूल्यांकन संचालित करने की जरूरत हो सकती है जहां सुरक्षा ड्यूटियों में असाधारण विभिन्नता या जटिलता होती है।

- (ग) जिस टेक्नालोजी का सुरक्षा कार्मिक, विशेषतः प्रवेश नियंत्रण बिन्दु स्क्रीनिंग अवस्थितियों पर प्रचालन कर रहे हैं उस टेक्नालोजी के पीछे सिद्धांतों की उन्हें कम से कम मूल समझ होनी चाहिए। निजी क्षेत्र सुरक्षा प्रबंधक को उपस्कर/टेक्नालोजी और उनके उपयुक्त प्रयोग के बीच अन्तर को समझना चाहिए और उनका प्रयोग करने वाले सुरक्षा कार्मिकों तक इस सूचना को प्रभावी ढंग से पहुंचाना चाहिए।
- (घ) विशिष्ट सुरक्षा प्रशिक्षण में भाग लेने वाले कार्मिकों को सावधानी पूर्वक चुना जाना चाहिए। विशिष्ट प्रशिक्षण बहुधा महंगा होता है। सक्षम, अनुभवी कार्मिकों को जिनका संगठन के साथ भविष्य है और जिन्हें अपने अधीनस्थों तक इस सूचना को पहुंचाने की रुचि और योग्यता है, वे विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए अच्छे उम्मीदवार होते हैं।

20. सेवा-कालीन प्रशिक्षण

- (क) जब किसी व्यक्ति को एक अपरिचित पद पर लगाया जाता है कि उसे अपने पद के लिए विशेष स्थितियों पर अनुदेश प्राप्त करने चाहिए।
- (ख) सेवाकालीन प्रशिक्षण का संचालन आवधिक रूप से किया जाना चाहिए। इससे स्टाफ मूलभूत सामग्री की समीक्षा कर सकता है और सदस्यों को नई तकनीकों, नीतियों/कार्यविधियों और उपस्कर में प्रशिक्षण देने का अवसर मिलता है।

अध्याय 6

निगरानी

1. भूमिका

आतंकवादी कोई हमला करने से पहले सामान्यतः निगरानी संचालित करते हैं। निगरानी संचालित करने में आतंकवादी दलों द्वारा प्रयुक्त तरीकों के बारे में जागरूकता अरक्षित लक्ष्य सुरक्षा कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण अंग है। पूरी तरह से सुरक्षित महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों या अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों की तरह न होते हुए, अरक्षित लक्ष्य स्थलों में आतंकवादी निगरानी प्रयास अपेक्षाकृत आसान होते हैं। अरक्षित लक्ष्य-होटल, पर्यटन स्थल, पूजा स्थान और शॉपिंग क्षेत्र सामान्यतः खुले और जनता के लिए सुगम और भारी भीड़भाड़ वाले होते हैं। यह आतंकवादियों के लिए न केवल एक आर्कषक लक्ष्य प्रस्तुत करता है बल्कि निगरानी संचालित करते समय उनके लिए पर्याप्त आवरण और गुमनामी भी उपलब्ध कराता है।

2. शत्रुतापूर्ण निगरानी

चूंकि आतंकवादी वर्धित प्राणहर शस्त्रों के साथ अरक्षित लक्ष्यों की ओर बढ़ना जारी रखते हैं इसलिए सुरक्षा प्रबंधक निगरानी संसूचन की अवहेलना नहीं कर सकते या गलत नहीं समझ सकते। उसके लिए तकनीक का सही ज्ञान जरूरी है जिसका प्रयोग आतंकवादी निगरानी संचालित करते हुए कहते हैं। ऐतिहासिक रूप से विधि प्रवर्तन, आसूचना एजेंसियों और आतंकवादी दलों ने बहुत से प्रयोगों के लिए सूचना प्राप्त करने के लिए निगरानी का प्रयोग किया है। अधिकांश आतंकवादी समूह किसी कार्यवाही या हमले से पहले निगरानी तकनीकों का विस्तृत प्रयोग करते हैं ताकि सफलता की उच्च संभावना सुनिश्चित की जा सके। पहले हुई आतंकवादी घटनाओं के मामला अध्ययनों से पता चलता है कि आतंकवादी हमले के कुछ दिन पहले से लेकर पहले कई सालों तक निगरानी संचालित करते हैं।

3. मुख्य परिभाषाएं

अरक्षित लक्ष्य ढांचे के अन्तर्गत निगरानी की संकल्पना को स्पष्ट करने के लिए कई मुख्य पदों और संकल्पनाओं को स्पष्ट रूप से परिभाषित करना जरूरी है।

(क) निगरानी किसी व्यक्ति, सुविधा या क्षेत्र की मानीटरिंग को निर्दष्ट करती है जिसका आशय सामान्यतः प्रेक्षण, जो बहुधा प्रकृति में गम्भीर होता है, के माध्यम से सूचना एकत्र करना होता है।

- (ख) एसडी एक गुप्त रक्षात्मक सुरक्षा उपाय है जिसका प्रयोग यह निर्धारित करने के लिए किया जाता है कि क्या आतंकवादी शत्रुतापूर्ण निगरानी कर रहे हैं।
- (ग) शत्रुतापूर्ण (आतंकवादी) निगरानी किसी व्यक्ति, सुविधा या क्षेत्र से सूचना एकत्र करने के लिए विवेकपूर्ण मानीटरिंग है ताकि एक योजना बनाई जाए जो एक सफल आतंकवादी कार्यवाही या हमले की संभावना को बढ़ाएगी।
- (घ) जवाबी निगरानी का आरंभिक उद्देश्य वही है जो एसडी का लेकिन इसमें एक अतिरिक्त प्रतिक्रिया घटक लगा होता है। जवाबी निगरानी कार्यवाहियां इस प्रकार तैयार की जाती हैं कि न केवल शत्रुतापूर्ण निगरानी का पता लगाया जा सके बल्कि विभिन्न परिचालन साधनों से इसे समाप्त भी किया जाए।
- (ङ) जवाबी निगरानी ऐसे उपायों को निर्दिष्ट करती है जो निगरानी से बचने के लिए किए जाते हैं।

4. शत्रुतापूर्ण निगरानी के प्रकार

आतंकवादी हमलों को रोकने के लिए किसी आक्रमण के योजना चरणों में शत्रुतापूर्ण निगरानी की पहचान करने पर ध्यान केन्द्रित किया जाना चाहिए। शत्रुतापूर्ण निगरानी का पता लगाने में सक्षम होने की बजाए यह जानना अत्यावश्यक है कि आतंकवादी किस प्रकार की निगरानी करते हैं। आतंकवादी संगठन सामान्यतः चार प्रकार की निगरानी का प्रयोग स्वतंत्र रूप से क्रमानुसार या मिलकर करते हैं :

- (क) स्थिर बिन्दु निगरानी एक विधि है जिसमें किसी सुविधा या क्षेत्र का प्रेक्षण करने के लिए व्यक्तियों को स्थिर स्थितियों में रखा जाता है। स्थिर स्थिति दृश्य विधान में आतंकवादी एक लंबी अवधि तक किसी सार्वजनिक अवस्थिति में स्थापित हो सकते हैं या भेस बदलते हैं और ऐसे पेशे चुनते हैं जैसे फेरी वाले, पर्यटक, मरम्मत या प्रदायक लोग, फोटोग्राफर या कोई भी पार्टी जो आसानी से आसपास के भू-दृश्य के साथ मिल जाती है। स्थिर निगरानी में कभी सुरक्षा कैमरों की अवस्थिति, सुरक्षा और सामान्य के लिए शिफ्ट बदलाव, पैदल यातायात के अतिव्यस्त समय, पैदल यात्रियों और वाहन यातायात के लिए रोध बिन्दु और संभावित लक्ष्यों के बारे में अन्य संवेदी सूचना प्रलेखित कर सकते हैं। स्थिर निगरानी का एक उदाहरण लक्ष्य से गली के पार बार या केफ़्टेरिया में बैठा एक आतंकवादी है।
- (ख) गतिशील निगरानी एक चलते प्लेटफ़ॉर्म से प्रेक्षण करने की एक विधि है। निगरानी का लक्ष्य स्थैतिक या गतिशील हो सकता है। व्यक्ति जैसे चलते हैं तो आतंकवादी बाईसाइकिल, मोटर साइकिल या अन्य वाहनों में उनका पीछा करते हैं और उन्हें देखते हैं। यद्यपि सामान्यतः गतिशील निगरानी में व्यक्ति मानव लक्ष्यों को देखना और उनका पीछा करना होता है लेकिन इसका प्रयोग सुविधाओं के विरुद्ध भी किया गया है। एक उदाहरण आतंकवादी का है जो टैक्सिकैब से जाते जाते एक रेस्टोरेन्ट की फिल्म बना रहा है। गतिशील निगरानी को बढ़ाने के लिए बहुत से आतंकवादी प्रगतिशील निगरानी में अधिक प्रवीण हो गए हैं। संभवतः ये व्यक्ति गुम हुए पर्यटक होने का बहाना बनाते हैं या पास खड़े लोगों की भीड़ों में मिल जाते हैं। अरक्षित लक्ष्य स्थल पर सूचना एकत्र करने के लिए ये व्यक्ति सैलफोन कैमरों, अचल चित्रों और वीडियो फोटोग्राफी या दस्ती टेपरिकार्डों का प्रयोग करते हैं।

- (ग) प्रगतिशील निगरानी, सामान्यतः वी आई पी मार्गों पर संचालित की जाती है। यह निगरानी की एक विधि है जिसमें बहुत से कर्मियों का इस्तेमाल किया जाता है जिनमें से प्रत्येक एक सौंपे गए क्षेत्र को लेता है। आतंकवादी बिन्दु क से बिन्दु ख तक थोड़े समय के लिए लक्ष्य का पीछा करता है और तब कुछ समय के लिए हट जाता है शायद दिनों या हफ्तों तक और बिन्दु ख से बिन्दु ग तक निगरानी आरंभ कर देता है। प्रगतिशील निगरानी में स्थिर कर्मियों का भी प्रयोग किया जा सकता है जिन्हें गति संबंधी सूचना एकत्र करने के लिए क्षेत्रों को सौंप दिया जाता है क्योंकि प्रेक्षित लक्ष्य एक बिन्दु से दूसरे बिन्दु तक जाता है। ऐसा चलता रहता है जब तक कि आतंकवादी लक्ष्य उपयुक्तता और/या लक्ष्य की गतियों में सुस्पष्ट पैटर्न विकसित कर लेता है। इस प्रकार की परिष्कृत निगरानी लंबी अवधियों तक चलती है, शायद महीनों या वर्षों तक भी। चूंकि आतंकवादियों की अल्पकालिक मौजूदगी से संसूचन तकनीकें भंग हो जाती है और यह परिणाम आतंकवादी संगठनों के लिए उच्च किस्म की सूचना होती है। यद्यपि प्रगतिशील निगरानी का पता लगाना अधिक कठिन होता है लेकिन सूचकों में से कुछ स्थिर निगरानी के सूचकों के समान होते हैं इसलिए संसूचन संभव होता है।
- (घ) तकनीकी निगरानी उस विधि का उल्लेख करती है जिसमें अवस्थितियों या क्षेत्रों के बारे में जो सामान्यतः अत्यन्त निषिद्ध होते हैं सूचना एकत्र करने के लिए विशिष्ट प्रणालियों का प्रयोग किया जाता है। तकनीकी निगरानी के उदाहरणों में शामिल हैं इलैक्ट्रॉनिक श्रवण युक्तियों, वीडियो कैमरों और ट्रांसमिट्टरों का प्रयोग/तकनीकी निगरानी का पता लगाना कठिन होता है और बहुधा इस में तकनीकी प्रत्युपायों का प्रयोग शामिल होता है।

5. शत्रुतापूर्ण योजना चक्र

- (क) आम मिथक या राय के विपरीत, आतंकवादी हमले यादृच्छिक, अन्धाधुन्ध या हिंसा के स्वतः प्रेरित कृत्य नहीं होते।
- (ख) शत्रुतापूर्ण निगरानी तकनीकें, जिनका आतंकवादी प्रयोग करते हैं, वे तो एक बहुत बड़ी आक्रमण योजना प्रक्रिया का मात्र एक भाग है। नीचे दिए गए शत्रुतापूर्ण योजना चक्र में उन अत्यावश्यक उपायों की पहचान की गई है जिनका आतंकवादी सामान्यतः अनुसरण करते हैं ताकि सफल हमले करने के लिए आवश्यक सूचना एकत्र की जाए।
- (ग) किसी आतंकवादी संगठन के योजना चक्र और उसको सम्बद्ध भेद्यताओं को समझने से निषेध की संभावना बढ़ जाती है। पहला, आतंकवादी पहले एक लक्ष्य का पता लगाएगा और उसे चुनेगा और तब निर्धारित करेगा कि कहां, कब और किस प्रकार आक्रमण करना है। इस योजना प्रक्रिया के दौरान, हमलावर, जरूरत के अनुसार अपेक्षित सूचना प्राप्त करने के लिए आशयित लक्ष्य का अध्ययन करेगा। अध्ययन, या निगरानी की इन अवधियों के दौरान हमलावर संसूचन के लिए संवेदनशील है। शत्रुतापूर्ण योजना के विभिन्न चरणों के आरंभ से अन्त तक देखें कि निगरानी करने वाले संसूचन के लिए कहां अत्यधिक भेद्य है?
1. **प्रारंभिक लक्ष्य चयन :** आतंकवादी संभावित लक्ष्यों की एक सूची तैयार करके शत्रुतापूर्ण योजना चक्र आरंभ करते हैं। प्रारंभिक चयन प्रक्रिया में लक्ष्यों की कोई निश्चित संख्या नहीं होती। आतंकवादी समूह के उद्देश्य और

क्षमताएं ही आरंभिक लक्ष्य चयन को चलाती हैं। क्या आतंकवादी किसी प्रतीकात्मक लक्ष्य को जैसा किसी बुत या स्मारक को नष्ट करना चाहते हैं? क्या वे सक्रिय लक्ष्यों का जैसे पुलिस अधिकारी या सरकार कर्मचारियों का पीछा करना चाहते हैं? क्या समूह के सदस्य लक्ष्य क्षेत्र तक पहुंच प्राप्त कर सकते हैं और मिशन को पूरा करने के लिए सुरक्षित रहते हैं? क्या ऐसे मिशन को संचालित करने के लिए समूह के पास प्रलेखन, शस्त्र परिवहन और आवश्यक सहायता नेटवर्क उपलब्ध है? आतंकवादी सामान्यतः लक्ष्यों का चयन बाद के प्रचार और अपने विचारों और विश्वासों का प्रस्तुत करने के लिए करते हैं जो अन्य आतंकवादियों के विचारों के विरोध में होते हैं।

2. **आरंभिक शत्रुतापूर्ण निगरानी** : पहले से चुने लक्ष्यों के विरुद्ध निगरानी आरंभ की जाती है ताकि यह निर्धारित करने के लिए सूचना एकत्र की जाए कि हमला करने के लिए कौन सा लक्ष्य आसान है। आतंकवादी भेद्यताओं की पहचान करने की कोशिश कर रहा है जिससे लाभ उठाया जाएगा। वास्तविक हमला टीम या अत्यधिक प्रशिक्षित कार्मिक आरंभिक निगरानी संचालित नहीं करते। वास्तव में, आरंभिक निगरानी संचालित करने वाले लोग पूरी तरह समझते ही नहीं कि वे किसी आतंकवादी साजिश में योगदान दे रहे हैं। इस चरण के दौरान आतंकवादी कार्यवाही पता लग जाने के लिए अत्यधिक मेध होती है क्योंकि निगरानीप्रयास कम संगठित होते हैं और निगरानी करने वालों की अनुभवहीनता के कारण उनका पता आसानी से चल सकता है। सामान्यतः निगरानी की यह अवधि वास्तविक हमले से हफ्तों और महीनों पहले होती है।
3. **अंतिम लक्ष्य चयन/तैयारी** : जो लक्ष्य संभावित भेद्यताएं दिखाते हैं उन्हें प्रयास की उच्चतर प्राथमिकता दी जाती है। यह प्राथमिकता लक्ष्य पर अतिरिक्त सूचना अधिसमय एकत्र करने की मांग स्थापित करती है। तब अंतिम लक्ष्य की पहचान करने के लिए आरंभिक लक्ष्य सूची संकुचित की जाती है। एक सफल हमले की उच्च संभावना को शामिल करने के लिए अंतिम लक्ष्य निश्चित मानक को पूरा करेगा। अन्य लागत/लाभ बातों में शामिल है मीडिया ध्यान का स्तर जो हमले को प्राप्त होगा, हमले द्वारा दिया गया राजनीतिक बयान, प्रचालन की लागत, स्थानीय और वैश्विक आबादी पर प्रचालन का समग्र प्रभाव। अन्ततः अंतिम लक्ष्य चयन सामान्यतः दो तत्वों पर आधारित होता है : आतंकवादी समूह के उद्देश्य और क्षमताएं।
4. **हमला पूर्व निगरानी** : एक बार जब आतंकवादी अपना अंतिम लक्ष्य चुन लेते हैं तब लक्ष्य के जरूरतों के बारे में अधिक विस्तृत सूचना एकत्र की जाती है ताकि प्रभावी आक्रमण योजना को प्रतिपादित किया जाए। प्रशिक्षित आसूचना और निगरानी कार्मिक या परिचालन सैल के वास्तविक सदस्य आने शुरू होते हैं और इस चरण को संचालित करते हैं। इसके फलस्वरूप आसूचना ट्रेडक्राफ्ट और परिचालन क्षमता तदनुसार बढ़ती है। आतंकवादी दल योजना बनाएगा और संभावित लक्ष्य के विरुद्ध एक गहन निगरानी आरंभ करेगा। निगरानी का अवधि और खुलाव अधिक छोटा है, महीनों के विपरीत सामान्यतः दिन और हफ्तों, और सफलता की संभावना बढ़ाने के लिए चुने लक्ष्य शोषणीय पहलुओं पर ध्यान केन्द्रित है।
5. **योजना** : शत्रुतापूर्ण निगरानी के माध्यम से एकत्र की गई सूचना और आसूचना आतंकवादी परिचालन योजना के आधार के रूप में काम करती है। सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए, आतंकवादी पहले की निगरानी से एकत्र सूचना का प्रयोग करते हैं कर्मी और सहायता कर्मचारी भर्ती करते हैं, सुरक्षित घरों की पहचान करते हैं और किराए पर लेते हैं, बचाव मार्ग तैयार करते हैं और हमले का तरीका निर्धारित करते हैं। आतंकवादी शस्त्रों (विस्फोटक,

अग्नि, अस्त्रों) और उपस्कर की पहचान करता है जो हमला करने के लिए जरूरी हैं। योजना प्रक्रिया में किसी भी बिन्दु पर आतंकवादी अतिरिक्त निगरानी भी संचालित कर सकते हैं ताकि सूचना की जांच की जाए और योजना का पुनः मूल्यांकन किया जाए।

6. **रिहर्सल** : जैसाकि परम्परागत सैनिक संक्रियाओं में होता है, रिहर्सल सफलता की संभावना में सुधार करती है, योजना पूर्वानुमानों की पुष्टि करती है और आकस्मिकाओं को विकसित करती हैं। आतंकवादी हमलों के वास्तविक स्थल या जैसे ही अभिन्यास के स्थल को विकसित करती हैं। आतंकवादी हमलों के वास्तविक स्थल या जैसे ही अभिन्यास के स्थल पर परीक्षण और रिहर्सल करेंगे ताकि हमला योजना को वैधीकृत किया जाए, उपस्कर का मूल्यांकन किया जाए और अतिरिक्त जरूरतों की पहचान की जाए। अपनी कमियों और अनजान लोगों का इस्तेमाल करते हुए आतंकवादी रिहर्सल करते हैं ताकि रक्षी बलों और कर्मचारियों की सुरक्षा प्रतिक्रियाओं की जांच की जाए। अन्त में, रिहर्सल से योजना की प्रक्रियाओं का परीक्षण, मूल्यांकन, परिष्करण किया जा सकता है और अधिक बचाव मार्गों का पता चलता है।
7. **हमला टीम तैनात करना** : एक बार जब आतंकवादी दल कार्मिक सारी सूचना का विश्लेषण कर लेते हैं तो वे एक योजना प्रतिपादित करते हैं और हमला स्थल चुनते हैं। हमला टीम ठिकाने पर जाती है जहां यह किसी प्रकार का आवरण या छिपाव का इस्तेमाल करते हैं ताकि बिना पता चले हमला स्थल के पास रह सकें। आतंकवादी के पास उस क्षेत्र में मौजूदगी का एक वैध कारण होता है और सामान्यतः किसी शस्त्र का प्रदर्शन नहीं करता।
8. **निष्पादन**: निष्पादन (आक्रमण) चरण पलपी रूप से इस प्रक्रिया में सबसे छोटा होता है। जटिल आतंकवादी कार्यवाहियों में भी वास्तविक निष्पादन सामान्यतः चन्द सेकेन्डों या कुछ मिनटों का होता है। एक बार जब आतंकवादी अपने कार्यक्रम के इस चरण पर पहुंचते हैं तो संभावनाएं स्पष्ट रूप से लक्ष्य के विरुद्ध होती हैं। कई विश्लेषणों से पता चलता है कि जल प्रचालन आरंभ कर दिए जाते हैं तो आतंकवादियों के लिए सफलता की दर 90% की रेंज में होती है। वास्तविक प्रचालन को करने के लिए लगने वाले समय को आतंकवादी न्यूनतम कर देंगे ताकि प्रकटन या प्रत्युपायों के प्रति अपनी भेद्यता को कम कर सकें। अवरोध टाइप बन्धक लेने के प्रचालनों को जोड़, आतंकवादियों की योजना होती है कि विधि प्रवर्तन की प्रतिक्रिया से पहले ही वे अपनी कार्रवाइयों को पूरा कर लें। योजनबद्ध प्रचालनों को संचालित करने वाले आतंकवादियों के पास पर्याप्त समरतंत्रीय लाभ होते हैं। चूंकि वे हमलावर होते हैं इसलिए कार्यवाही आरंभ करने के जितने लाभ होते हैं, वे उन्हें प्राप्त होते हैं :
 - i. आश्चर्य
 - ii. हमले का समय, स्थल और शतों का चयन
 - iii. लक्ष्य प्रतिक्रिया बलों और सुरक्षा प्रत्युपायों को निष्फल बनाने के लिए सहायता स्थितियों और सुरक्षा का प्रयोग।
 - iv. दिक्परिवर्तनों और द्वितीयक या अनुवर्ती हमलों का प्रयोग करना।
9. **बचाव** : बचाव योजनाओं और मार्गों के बारे में पूरा विचार और रिहर्सल की जाती है। स्पष्टतः आत्मघाती आतंकवादी हमलों के हाल ही के अभ्याघात के कारण बचाव मार्ग एक पहलू बन गया है जो कुछ आतंकवादी समूहों

द्वारा आवश्यक रूप से अधिदेशाधीन नहीं है। कुछ आयोजक एक आत्मघाती बमबारी के प्रभाव पर विचार करते हैं जिसे हमले को पूरा करने के लिए मरने की स्वैच्छा द्वारा बढ़ा दिया गया है। यह कहने के बाद, कुछ आत्मघाती बमबारों के प्रशिक्षक और नियंत्रक होते हैं जिन्हें बचाव योजना की जरूरत होती है।

10. शोषण : सफल आक्रमण ख्याति लाते हैं और दल की क्षमताओं को प्रदर्शित करते हैं। प्रचालन का मुख्य उद्देश्य शोषण होता है और इसके वांछित प्रभाव को प्राप्त करने के लिए अपेक्षित प्रचार जरूरी होता है। किसी सफल प्रचालन का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने के लिए मीडिया नियंत्रण उपाय, तैयार बयान और बहुत सी अधिक तैयारियां होनी चाहिए। चुने हुए लक्ष्य दर्शकों के लिए घटनाओं का समय मीडिया चक्रों से लाभ उठाता है।

i. जहां संभव होता है, ये समूह असफल प्रचालनों को स्वीकार करने से इंकार करते हैं इसे प्रत्यक्ष ज्ञान से कि कोई दल विफल हो गया है संगठन की प्रतिष्ठा की भारी हानि होती है और ऐसा दिखाई देता है कि यह भेद्य, या घटिया या अप्रभावी बन गया है। जब कोई आतंकवादी संगठन एक बार अप्रभावी प्रतीत होता है तो लक्ष्य दर्शकों को प्रभावित करना मुश्किल हो जाता है।

ii. सफल हमले उन्हें संचालित करने वाले समूह के लिए अनुकूल ध्यान, ख्याति और सहायता (धन, रंगरूट आदि) लाते हैं। किसी भी सफलता से आतंकवादियों को आगे और प्रचालन करने का प्रोत्साहन मिलता है और वर्धित सहायता और अनुभव के माध्यम से उनकी क्षमता में सुधार होता है।

6. निगरानी संसूचन

निगरानी संसूचन (एस डी) का लक्ष्य है कि आतंकवादी आक्रमण योजना को शत्रुतापूर्ण योजना चक्र के निष्पादन चरण तक पहुंचने से रोका जाए। योजना चक्र के एक आरंभिक चरण (आरंभिक शत्रुतापूर्ण निगरानी, आक्रमण-पूर्ण निगरानी, योजना, रिहर्सल और परिनियोजन) के दौरान ही पता चली साज़िश ही निषेधाधीन होती है। इससे इस बात को बल मिलता है कि योजना चरणों में आतंकवादी गतिविधि को विफल बनाने के लिए निगरानी संसूचन एक हथियार के रूप में कितना महत्वपूर्ण है। निगरानी संसूचन के गुणों की प्रभावोत्पादिकता में नाटकीय ढंग से वृद्धि हो जाती है जब इसका प्रयोग भौतिक सुरक्षा प्रक्रियाओं, रक्षी बलों और अन्य उपलब्ध सुरक्षा संसाधनों के संयोजन में किया जाए।

7. निगरानी संसूचन अमूल्य कार्मिक परिसंपत्तियां

ऐतिहासिक रूप से प्रशिक्षित व्यक्ति या टीमों वर्धित अवप्रेक्षणीयनीय निगरानी संसूचन नीतियों का पालन करती हैं। बड़े हुए निजी क्षेत्र निगरानी संसूचना प्रयास दिखाई देने लगे हैं क्योंकि उच्च मान अरक्षित लक्ष्यों पर हमला करना आतंकवादियों को आसान और अधिक लाभप्रद लगने लगा है। यद्यपि निजी क्षेत्र में निगरानी संसूचना की संकल्पना अपेक्षाकृत नई है लेकिन इसका महत्व बढ़ रहा है और तेज़ी से लोकप्रिय हो रही है। सबसे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि एक बार जब एस डी नेटवर्क स्थापित कर लिया जाता है और परिसंपत्तियां तैयार कर ली जाती हैं और शत्रुतापूर्ण निगरानी की पहचान और पुष्टि में परिसंपत्तियां सहायता करने को तैयार हैं, तो आतंकवादी प्रचालन को भंग करने के लिए उपयुक्त प्रत्युपाय किए जा सकते हैं। तथापि सरल स्थितिक जागरूकता और सर्कता पर्याप्त नहीं है। शत्रुतापूर्ण निगरानी का पता लगाने के लिए संबंधित कार्मिकों को ठीक रूप से जानना होगा कि वे क्या तलाश रहे हैं।

8. निगरानी संसूचन के जोखिमों की आतंकवादी जागरूकता

आतंकवादी संगठन संसूचन के बारे में जागरूक होते हैं और जोखिमों के बारे में उन्हें चिंता होती है प्रशिक्षण नियमावली से एक थोड़ा लंबा उद्धरण नीचे दिया जाता है। जो कर्मी पैदल या वाहन शत्रुतापूर्ण निगरानी का काम कर रहे हैं उनके लिए यह दिशानिर्देश उपलब्ध कराती है और निगरानी संसूचन की पहचान के लिए एक खंड दिया गया है। निम्नलिखित पैराग्राफ शब्दशः अल-कायदा प्रशिक्षण नियमावली से लिए गए हैं :

**“निगरानी, आसूचना और प्रेक्षण : सिविलियन और सैनिक लक्ष्य।
मानीटरिंग पैदल या कार द्वारा की जाएगी”**

पैदल निगरानी :

1. भाई या भाइयों द्वारा पैदल निगरानी प्रचालन संचालित किया जाता है और लक्ष्य के बारे में उपलब्ध सूचना का अध्ययन किया जाता है। (ऊँचाई, वज़न, चलने का तरीका, एक हाल ही के फोटोग्राफ को देखना)।
2. लक्ष्य की आदतों, जाए गए स्थानों और संचार के बारे में जानना।
3. उन क्षेत्रों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करना जहां प्रेक्षण किए जाएंगे : आर पार और बंद गलियों के नाम, निवासियों की आदतों और पहनावे की तरीके।
4. निगरानी मिशन के आरंभ से पहले सुनिश्चित करना कि मिशन से सम्बद्ध सब जरूरतें, विशेषतः धन की, पूरी हो गई हैं।
5. इस बात पर सहमत होना कि निगरानी मिशन का पता चल जाने की स्थिति में नेताओं के साथ बातचीत कैसे होगी।
6. निगरानी टीम सदस्यों के बीच आदेशों और अनुदेशों की अदला बदली के लिए विशेष संकेतों पर सहमत होना।
7. जब लक्ष्य गुम हो जाए तो जानना कि क्या उपाय किए जाएंगे जैसा कि नेताओं से सम्पर्क करना या कोई अन्य बात जिस पर सहमति हुई है।
8. सूचना एकत्र करने की प्रक्रिया के दौरान किसी शस्त्र के साथ ले जाने की अनुमति नहीं है।
9. यदि लक्ष्य द्वारा अन्य व्यक्तियों से संपर्क किया जाना है तो अच्छा होगा यदि निगरानी व्यक्ति के पास कैमरा हो।

कार द्वारा निगरानी

कार द्वारा निगरानी के लिए कई उपाय करने जरूरी है :

1. कार का ईंधन, पानी और बत्तियां चैक करना।
2. कार आम प्रकार की होनी चाहिए ताकि लोगों का ध्यान उधर न जाए।

3. कार अच्छी हालत में होनी चाहिए और ड्राइवर अनुभवी होना चाहिए।
4. कार प्लेटों पर असली नम्बर नहीं होने चाहिए। यह महत्वपूर्ण है कि एक गलत लाइसेंस प्लेट और छोटे नम्बरों का प्रयोग किया ताकि किसी को उसे देखने या याद रखने से रोका जाए।
5. कार की भीतरी बत्तियां खराब हों ताकि भीतर बैठे निगरानी टीम सदस्यों की पहचान न हो सके।
6. निगरानी टीम सदस्यों की कार नंबर और दिखावट में लक्ष्य की कार जैसी लगनी चाहिए।

कार द्वारा निगरानी करना

1. निगरानी के लिए प्रयुक्त की जाने वाली कार निगरानी प्रचालन के दौरान लक्ष्य कार के साथ रहेगी, विशेषतः भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और पार्श्विक गलियों में (दो कारों के बीच दूरी परिस्थितियों पर निर्भर होगी)
2. यदि लक्ष्य अपनी कार से बाहर निकलकर पैदल चलना आरंभ करता है तो निगरानी सदस्य टीम का एक सदस्य बाहर निकलेगा और उसे देखेगा।
3. पैदल निगरानी के लिए अब ऊपर वर्णित उपायों का पालन करें।

कार द्वारा निगरानी पता लगाने के लिए अभ्यास

1. निगरानी कार रफ्तार पकड़ती है और तब देखते हुए एकदम रुक जाती है कि कौन सी दूसरी कार प्रभावित होती है।
2. निगरानी कार एक बन्द गली में प्रवेश करती है।
3. निगरानी कार एक पार्किंग स्थल में दाखिल होती और तत्काल बाहर निकल जाती है।
4. निगरानी कार एक पार्श्विक सड़क लेती है और रुक जाती है।

निगरानी, आसूचना और प्रेक्षण

संगठन की कमांड के पास शत्रु की महत्वपूर्ण स्थापनाओं, सिविलियन हैं या सैनिक के बारे में सूचना ताकि सुरक्षित योजनाएं बनाई जा सके, मजबूत निर्णयों पर पहुंचा जाए और आश्चर्यों से बचा जा सके।

भाई सूचना बढ़ाने के लक्ष्य यानी क्षेत्र, गली और ठिकाने का एक नक्शा तैयार करेगा। वह उसके आकार और लक्षणों का वर्णन करेगा। नक्शा वास्तविक होना चाहिए ताकि कोई भी व्यक्ति ठिकाने को पहचान सके जिसने पहले न देखा हो।

यह अच्छा होगा कि समस्त क्षेत्र की पहले और तब वांछित ठिकाने की गली फोटो ली जाए यदि संभव हो तो विशालदर्शी चित्र लिए जाने चाहिए। इसका अर्थ है, दृश्यों का संग्रहण ऐसे तरीके से निरंतर हो कि सब चित्र एक अवस्थिति से लिए जाए और एक चित्र की समाप्ति दूसरे चित्र का आरंभ हो। फोटोग्राफर को अनुभव होना चाहिए और फिल्म प्रोसेसिंग और डिवेलपिंग में कुशल होना चाहिए। फोटोग्राफर को एक आधुनिक कैमरे का प्रयोग करना चाहिए जो रात को या दूरी से फोटो ले सके और कैमरे के केवल लेन्स ही दिखाई देने चाहिए।

9. शत्रुतापूर्ण निगरानी तकनीकें और सूचक :

- i. आतंकवादियों की विशेषता का स्तर चाहे जो भी हो, वे गलतियां अवश्य करते हैं। निगरानी संसूचन का जोर आतंकवादी निगरानी गतिविधियों के सूचकों की पहचान करने पर होना चाहिए। यह जानना कि किसकी तलाश करनी है और साधारण और असाधारण में अन्तर कर सकने के योग्य होना सफल निगरानी संसूचन के मुख्य तत्व होते हैं।
- ii. निगरानी संसूचन अस्तियों को अपना ब्यान लक्ष्य की विशिष्ट भेद्यताओं पर संकेन्द्रित करना चाहिए, जानते हुए कि वे भेद्यताएं वहीं हैं जहां शत्रु निगरानी ध्यान केन्द्रित करेगी। इस प्रकार निगरानी संसूचन अस्तियों को भी पता होना चाहिए कि ये क्षेत्र शत्रुता पूर्ण निगरानी के लिए संभावित लक्ष्य है। निगरानी संसूचना अस्तियों की भूमिका सूचकों की तलाश करना है जो एक संभावित लक्ष्य के विरुद्ध शत्रुतापूर्ण निगरानी के प्रति उन्हें सतर्क करेंगे।
- iii. सरल रूप में कहा जाए तो शत्रुतापूर्ण निगरानी सूचक ऐसे कृत्य और अभिलक्षण होते हैं जो संदेश उत्पन्न करते हैं। प्रशिक्षित एसडी टीमें विशिष्ट क्षेत्रों का योजनाबद्ध रूप से प्रेक्षण करती है ताकि लोगों या गतिविधियों की पहचान की जाए जो वातावरण और प्रत्याशित व्यवहार के अनुरूप नहीं हैं। यद्यपि निगरानी के प्रत्येक प्रकार के (स्थिर, गतिशील, तकनीकी और प्रगामी) विलक्षण सूचक होते हैं, इस माड्यून में फोकस स्थिर निगरानी सूचकों पर है जो स्थैतिक अरक्षित लक्ष्यों की शत्रुतापूर्ण निगरानी से सम्बद्ध होते हैं।
- iv. स्थिर निगरानी की पहचान करना बहुत कठिन होता है क्योंकि आतंकवादी संचालन के लिए परिवेश के साथ गलतियां किए बिना घुलमिल जाते हैं जो गतिशील निगरानी के साथ आम तौर पर सम्बद्ध होती हैं (जो संचालन के लिए अधिक परिष्कृत होती हैं और इसलिए आसानी से पला चल जाता है।)
- v. स्थिर निगरानी के सूचकों में निम्नलिखित शामिल हैं :
 - (क) उसी संदेहास्पद व्यक्ति, वाहन या गतिविधि का बहुत बार दिखाई देना चाहे समय, दूरी या दिशा द्वारा पृथक हो।
 - (ख) व्यक्ति जो—
 1. गाड़ी या बस स्टापों पर लंबे समय तक ठहरते है चाहे बसें और गाड़ियां आती जाती रहती हैं।
 2. रेस्टोरेन्ट में खाने का आदेश देते हैं लेकिन खाना पहुंचने से पहले चले जाते हैं या जो बिना खाये आदेश देते हैं।
 3. परिवेशी वातावरण के अनुरूप नहीं होते क्योंकि वे अवस्थिति या मौसम के लिए अनुचित वस्त्र पहने हैं
 4. चित्र खींच रहे हैं या नोट्स ले रहे हैं।
 5. सुरक्षा कैमरों या गारद ठिकानों में असाधारण रुचि लेते हैं या फोटो लेते हैं और सुरक्षा प्रतिक्रिया ड्रिलों और प्रक्रियाओं को देखते हैं।
 6. भुगतान या सेलूलर टेलीफोनों पर लंबी बातचीत करते हैं।

7. संदेहास्पद व्यवहार प्रदर्शित करते हैं जैसा कि टिकटिकी लगाए देखना या सुविधा या पार्किंग क्षेत्रों में आने जाने वाले लोगों या वाहनों से नज़र परे कर लेना।

(ग) कमरों, वीडियो उपस्कर या रिकार्डों का संदेहास्पद प्रयोग

(घ) संशक व्यवहार

(ङ) आवृत्तीय कृत्य

vi. आतंकवादी अधिक आक्रामिक निगरानी तकनीकों को प्रयोग भी कर सकते हैं जैसे सुरक्षा नाकों पर पहुंचना और निर्देश दिए जाने के लिए कहना और नाकों के माध्यम से गैरप्राणहर निषिद्ध वस्तुओं की तस्करी का प्रयत्न करना। आतंकवादियों का इरादा होता है कि तलाशी प्रक्रिया की प्रभावकारिता को प्रत्यक्ष निर्धारित करें और सुरक्षा कर्मियों की सतर्कता और प्रतिक्रिया का अंदाजा लगाएं।

10. सूचना संग्रहण, आदान प्रदान और विश्लेषण

(क) सूचना की व्यवस्था करने वाली एक प्रणाली के बिना शत्रुतापूर्ण निगरानी की पुष्टि प्राप्त करना मुश्किल है। बहुल लक्ष्य साधनों, विभिन्न अवस्थितियों पर लक्ष्य साधनों और एक लंबी अवधि तक लक्ष्य साधनों से पुष्टि होती है। विधि प्रवर्तन रिकार्ड प्रणाली और ज्ञात शत्रु समूहों के साथ उनकी पहचानों को जोड़ते हुए पहचाने गए संदेशास्पद व्यक्तियों या वाहनो का पता लगाने के माध्यम से भी पुष्टि की जा सकती है। एक डेटाबेस के बिना ऐसे कार्य एक उचित समय में किए जाने लगभग असंभव होते हैं।

(ख) डेटाबेस का प्रयोग

आतंकवादी प्रचालनों को भंग करने के लिए डेटा और डेटा की व्याख्या करने की योग्यता अत्यावश्यक है। तथापि, जैसे डेटा संचित होता है वैसे ही बहुत अधिक रखने की समस्या और आगे चलकर विश्लेषण करना कठिन हो जाता है। किसी आतंकवादी हमले को रोकने के लिए, व्यक्तियों, अवस्थितियों और घटनाओं के बीच संबंधों को समझा जाना चाहिए। डेटाबेस संदेहास्पद गतिविधियों के प्रेक्षण प्राप्त करता है जो कई सप्ताहों, महीनों या वर्षों के भीतर हो सकती है, डेटा का विश्लेषण करने देता है, और पेशावर रिपोर्टें उत्पन्न करता है जिससे सूचना का आदान प्रदान अन्य एंजेंसियों और अपने कमांड केन्द्रों के साथ किया जा सकता है। परिष्कृत डेटा बेस आशंका सूचना के वास्तविक काल एकीकरण के लिए राष्ट्रीय कमान केन्द्रों से सम्बद्ध करने की अनुमति देता है। रिकार्ड जांचें और क्षेत्र तत्वों को समय पर सूचना का वितरण भी उपलब्ध हो सकता है। ऐसी परिष्कृत प्रणालियां उन्नत कार्य भी प्रस्तुत कर सकती है जैसा कि लिक विश्लेषण।

(ग) एसडी टीम प्रबंधक के लिए, डेटाबेस रुझानों और प्रलेखित घटनाओं के आधार पर प्राथनाओं को उचित ठहराने और प्रलेखित गतिविधियों वाले क्षेत्रों में स्टाफ स्तरों का समायोजन करके वर्तमान स्रोतों का बेहतर प्रयोग कर सकता है। इस सूचना के होते हुए, टीम आतंकवादी कार्यवाहियों को रोकने के लिए युक्त होती है जब किसी संक्रिया के योजना चरणों में आतंकवादी अत्यधिक भेद्य होते हैं।

11. प्रचालन योजना

- (क) एसडी प्रचालन योजना का उद्देश्य विधि प्रवर्तन की सहायता करना है और सुरक्षा पेशावर एसडी अस्तियों के अधीन क्षेत्रों के लिए योजनाएं और प्रक्रियाएं विकसित करते हैं।
- (ख) प्रचालन योजना एक अविरत प्रक्रिया होती है जो विभिन्न तत्वों के रूप में उत्पन्न होती है जो एसडी प्रचालन परिवर्तन को प्रभावित करती है। ये तत्व वातावरण, जलवायु, टीम संगठन और योग्यताएं, आशंका, प्राथमिकताओं का विस्तार और विशेष घटनाएं लगातार बदलते रहते हैं। प्रचालन इन परिवर्तनों के अनुसार समायोजित होंगे और इसके फलस्वरूप विकसित होंगे और प्रत्येक प्रकार की अनुभूत आकस्मिकता से निपटने के लिए योजनाओं को अद्यतन बनाया जाएगा। योजना में प्रशिक्षण, कार्मिकों का चयन, आवरण विचारों, कार्यक्रम बनाने और संचार को लिया जाना चाहिए। प्रचालन योजना में संभार तन्त्रीय जरूरतों और आकस्मिकता/आपात प्रक्रियाओं को शामिल किया जाएगा।
- (ग) पूर्ण प्रचालन योजनाओं का मूल सिद्धांत यह है कि ऐसी प्रक्रिया को अपनाया जाए जो प्रचालन योजना मानदंड तक ले जाती है। योजना को चार चरणों में विभाजित किया जाता है, चरण जैसे ही पूरे हो जाते हैं, प्रबंधक सुस्पष्ट परिचालन जरूरतें देखनी आरंभ करेगा और तब योजना का विकास, कार्यान्वयन करेगा और यथापेक्षित परिष्कृत करेगा।
- (घ) पाठ्यक्रम में बाद में प्रस्तुतिकरणों के लिए एसडी घटक को विकसित करने के लिए प्रत्येक समूह और प्रक्रियाओं का निम्नलिखित संदर्भ सामग्री में प्रयोग करेगा। सोचें कि निजी क्षेत्र सुरक्षा और कर्मचारी जागरूकता कार्यक्रम इस प्रक्रिया और चरणों के ज्ञान से किस प्रकार लाभ उठा सकते हैं जो उनके लिए बहुत लाभदायक होगा।

12. चार-चरण योजना प्रक्रिया-अरक्षित लक्ष्य

- (क) एक दत्त अवस्थिति की भेद्यताओं की पहचान करने के लिए सर्वेक्षण आवश्यक है। सर्वेक्षण के दौरान पहचानी गई भेद्यताएं विशिष्ट क्षेत्र हैं जिससे कोई आतंकवादी संगठन लाभ उठा सकता है। स्थल विशिष्ट भेद्यताओं की पहचान (चरण-1) के बाद, शत्रुतापूर्ण निगरानी की अत्यधिक संभावित अवस्थितियों की पहचान करने के लिए इर्द गिर्द के क्षेत्र का एक मूल्यांकन किया जाना चाहिए। यह प्रक्रिया एस डी विशेषज्ञों के लिए जरूरी है कि उन अवस्थितियों को विलग कर सकें और पहचान सकें जहां निगरानी मौजूद होगी (चरण-2)। सर्वेक्षण के प्रबंधक एसडी अस्तियों को रख सकते हैं जहां उनकी सर्वाधिक जरूरत होती है (चरण-3)। अन्त में, चरण 1-3 से एकत्र की गई सूचना एक विस्तृत प्रचालन योजना को पूरा करने के लिए आवश्यक ढांचा उपलब्ध कराएगी जो ठीक ढंग से सुस्पष्ट करेगी कि मिशन को कैसे क्रियान्वित किया जा सकता है और बनाए रखा जा सकता है (चरण 4)।

i. चरण 1-लक्ष्य मूल्यांकन

एस डी कार्मिक जिन सुविधाओं और स्थलों की सुरक्षा के लिए उत्तरदायी हैं वे उनकी भेद्यताओं का मूल्यांकन करेंगे।

इस विश्लेषण से सुविधा के क्षेत्रों की पहचान करने में सहायता मिलेगी जो आक्रमण के लिए भेद्य है। यह कोई

मानक भेद्यता मूल्यांकन नहीं है जिसे एक आन्तरिक परिदृश्य से संचालित किया गया है। बल्कि यह दृश्य भेद्यताओं का एक मूल्यांकन है जिसे सुविधा की भौतिक सुरक्षा सीमाओं के बाहर से देखा गया है। एसडी कार्मिकों को विश्लेषण उसी दृष्टिकोण से करना चाहिए जैसा कि एक शत्रु निगरानी कर्ता करता है। इससे एस डी टीम को यह समझने में सहायता मिलेगी कि जब शत्रु निगरानी कर्ता निगरानी संचालित करता है तो वह क्या देखता है। इस बात का लिहाज़ किए बिना कि दृश्य सुरक्षा कमजोरी वास्तव में भेद्य है, हमला अब भी घटित हो सकता है जो शत्रु निगरानी कर्ता के लक्ष्य को देखने पर आधारित हैं।

एक प्रचालन योजना प्रतिपादित करने के लक्ष्य का मूल्यांकन करने में निम्नलिखित पर ध्यान दिया जाना चाहिए :

- भवन डिजाइन और निर्माण
 - सुगम्य दरवाजे और खिड़कियां
 - दीवार ऊंचाई और मोटाई
 - भवन से समीपस्थ सुगम्य सार्वजनिक सड़क तक की दूरी
- अनियंत्रित क्षेत्रों जैसे पार्किंग स्थलों और गलियों तक पहुंच
- भौतिक सुरक्षा
 - सुरक्षा कर्मियों का कार्यक्रम (स्थैतिक, भ्रमण और गतिशील की संख्या) और प्रक्रियाएं
 - दीवारे, गेट और अवरोध
- प्रक्रियात्मक सुरक्षा
 - प्रवेश नियंत्रण जांच बिन्दु
 - पहचान स्क्रीनिंग
- तकनीकी सुरक्षा
 - कैमरे, अलार्म आर गति संसूचक
- सुविधा के लिए पहुंच-कर्मचारी और अतिथि
 - वाहन क्या उनका निरीक्षण किया जाता है
 - कर्मचारी क्या कोई नियंत्रण कार्यक्रम है
 - पैदल यात्री सुविधा के लिए पहुंच जिसे है
 - सेवा
- सुपुर्दगियां कब की जाती है
- कूड़ा करकट कब उठाया जाता है
- सफाई कर्मचारी कहां से प्रवेश करते हैं

- सेवा कर्मचारी कब ज्यादातर आते जाते हैं
- स्थानीय पुलिस की उपस्थिति

ii. चरण 2-शत्रुतापूर्ण निगरानी बिन्दु

एक बार जब लक्ष्य का मूल्यांकन पूरा कर लिया जाता है तो टीम को क्षेत्रों की जांच करनी चाहिए जो निगरानी के लिए लक्ष्य की भेद्यताओं (जरूरी नहीं कि समस्त लक्ष्य का दृश्य हो) का दृश्य उपलब्ध कराते हैं, और प्रश्न पूछा जाए : 'यदि मैं शत्रुतापूर्ण निगरानी करता होता तो कहां बैठता, खड़ा होता या अन्यथा दृश्य भेद्यताओं के अध्ययन के लिए स्वयं स्थिति लेता? ऐसे क्षेत्रों को शत्रुतापूर्ण निगरानी के संभावित क्षेत्र माने जो दृश्य भेद्यताओं के लिए दृष्टि से ओट प्रस्तुत करते हैं।

सुविधा के इर्द गिर्द क्षेत्र का विस्तृत लिखित वर्णन तैयार करें और आरेखीय तौर पर शत्रु निगरानी स्थितियां और लाल क्षेत्र प्रदर्शित करें। व्योरेवार नक्शे, ड्राइंगें और चित्रों को शामिल करें (निगरानी स्थिति की और निगरानी लाभ बिन्दु से भेद्यता को भी)। इसके अलावा, किसी विशेष क्षेत्र के लिए विलक्षण तत्वों के बारे में निम्नलिखित पर विचार करें। (ये तत्व शत्रुतापूर्ण निगरानी बिन्दुओं की अवस्थिति को प्रभावित कर सकते हैं)

- व्यापारक कार्यकलाप
- क्षेत्र के लिए विशेष कार्यकलाप (पर्यटक गतिविधियां)
- यातायात पैटर्न
 - प्रातःकाल: और सायंकाल व्यस्त समय
 - एक पथ गलियां
 - क्षेत्र में निर्माण जो यातायात पैटर्नों को बदल देते हैं
 - क्षेत्र में प्रवेश और विकास को प्रभावित करने वाला यातायात
 - सुविधा के समीप यातायात बत्तियां
 - क्या यातायात पुलिस तैनात है, यदि हां तो दिन के किस समय
- सार्वजनिक सेवाएं
 - टेलीफोन
 - डाक बक्से
 - पुलिस स्टेशन
 - सफ़ाई सेवाएं
 - सार्वजनिक परिवहन
- सुगम्य
- कितनी बारबारता

- समीपस्थ बस या टैक्सी स्टाप
- निगरानी कर्ता परिचालन क्षेत्र में कैसे प्रवेश और निकास करेगा (जिस क्षेत्र को शत्रुतापूर्ण निगरानी ठिकाने के लिए चुना गया है उसमें एक गुप्त या नैसर्गिक दिखाई देता प्रवेश और निकास रूटीन होना चाहिए। निगरानी कर्ता निगरानी करने के लिए प्रयुक्त विशेष ठिकाने में आते या जाते समय कोई सन्देह पैदा नहीं करना चाहता)।
- निगरानीकर्ता/किस संभावित ओट की जरूरत होगी कि बिना पता चले लक्ष्य देखने के कार्य को पूरा करे। (आदर्शता : शत्रुतापूर्ण निगरानी के लिए चुने गए क्षेत्र में ओट पूरा करे (उस ठिकाने में होने का यह कारण होगा) और छिपाव उपलब्ध कराया जाना चाहिए (प्रकट सुरक्षा बलों की दृष्टि से छिपना)
- भेद्यता को देखने के लिए बढ़िया लाभ बिन्दु कहां है।
- प्रेक्षणों को रिकार्ड करने के लिए किस तकनीकी उपकरणों का प्रयोग किया जा सकता है।
- लक्ष्य को देखने और अपेक्षित सूचना एकत्र करने के लिए निगरानी कर्ता के उस क्षेत्र में कितनी देर तक रहने की जरूरत है।

iii. चरण 3-एसडी बिन्दु

एक बार जब निगरानी संसूचन के अमूल्य कार्मिक जिसमें स्थानीय गार्ड, पुलिस, प्रशिक्षित या अप्रशिक्षित कर्मचारी या टीम के लिए मूल्यवान होने की स्थिति में कोई भी अन्य व्यक्ति, ने लाल क्षेत्रों की पहचान कर ली है तो एसडी स्थितियां निर्धारित कर दी जाती हैं। इन स्थितियों के बारे में विस्तृत लिखित सिफारिशें तैयार करें। आदर्शतः परिचालन क्षेत्र में पहचान की गई प्रत्येक शत्रुतापूर्ण निगरानी स्थिति के लिए बहु एसडी स्थितियां होंगी। एसडी स्थितियों को फोटो और एसडी स्थितियों से लिए गए चित्रों को भी साथ रखें जिसमें एसडी के मूल्यवान कार्मिकों की स्थितियों को दिखाते हुए संवेदनशील क्षेत्र को दिखाया गया है, निम्नलिखित पर विचार करें।

- iv. **संवेदनशील क्षेत्र से बाहर :** टीम को संवेदनशील क्षेत्र के बाहर अवस्थितियों में रहना चाहिए। ये स्थिर या गतिशील स्थितियां हो सकती हैं जो सुविधा से बहुत दूर होंगी और जहां से संवेदी क्षेत्र और सुविधा के भीतर तक देखा जा सके। आदर्शतः टीम के पास संवेदी क्षेत्र और सुविधा के दोनों दृश्य होने चाहिए ताकि शत्रुतापूर्ण निगरानी को देखा जा सके क्योंकि इसका सुविधा की भेद्यताओं के साथ सह संबंध होता है। तथापि, यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि एसडी टीम का मुख्य लक्ष्य संवेदी क्षेत्र में गतिविधि को मानीटर करना है केवल सुविधा को ही देखना नहीं।
- v. **सुविधा के भीतर:** एसडी टीम को सुविधा में ही एक स्थान में रहना चाहिए जो संवेदी क्षेत्र का दृश्य उपलब्ध कराती है। यह विकल्प अन्य लाभ भी प्रस्तुत कर सकता है जैसा कि दृश्य का व्यापक क्षेत्र, विशेष उपकरण का प्रयोग करने की क्षमता, ओट की जरूरत का अभाव आदि। प्रबंधकों के लिए यह निर्धारित करना जरूरी है कि सशस्त्र गारद या सी सी टी वी में से इस कार्य को करने के लिए बेहतर विकल्प क्या है।

vi. संवेदी क्षेत्र में : टीम संवेदी क्षेत्र में स्थान लेने का निर्णय कर सकती है, वास्तव में अपने निगरानी संसूचन को उसी सामान्य अवस्थिति में संचालित कर सकती है जैसा कि संभावित शत्रुतापूर्ण निगरानी। जबकि इससे संवेदी क्षेत्र में गतिविधि का अच्छा दृश्य उपलब्ध हो सकता है, इससे एसडी टीम शत्रुतापूर्ण निगरानी कर्ता द्वारा पता लगाए जाने के लिए विशेष रूप से भेद्य बन जाती है। यदि एक टीम संवेदी क्षेत्र में प्रचालन करने जा रही है तब इसे अत्यधिक प्रभावी ओट प्राप्त करनी चाहिए ताकि संसूचन से बचा जा सके। प्रचालन योजना में निम्नलिखित शामिल होना चाहिए :

- एसडी स्थितियों और तदनुरूपी संवेदी क्षेत्रों से उनके संबंध का वर्णनात्मक चित्रण
- एसडी कार्मिकों के परिचालन क्षेत्र में प्रवेश और बिना पता चले निकास का वर्णनात्मक चित्रण
- परिचालन क्षेत्र में इस्तेमाल की जाने वाली ओट और समय की लंबाई का वर्णन जब तक कि स्थिति पर रहा जा सकता है।
- अपने प्रचालन करते हुए एसडी टीम वातावरण में कैसे मिल जाएगी। आड़ स्थानीय वातावरण पर अत्यधिक आश्रित होती है। जो एक क्षेत्र में काम देता है वह दूसरे क्षेत्र में काम नहीं भी दे सकता। एसडी प्रबन्धक द्वारा आड़ की अत्यावश्यक प्रकृति की पहचान करनी चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि टीम आड़ का प्रयोग प्रभावी ढंग से कर रही है ताकि शत्रुतापूर्ण निगरानी द्वारा संसूचन से बचा जाए।
- तकनीकी उपकरण का बिना पता चले कैसे प्रयोग किया जाए इसका वर्णनात्मक चित्रण।

vii. चरण 4-क्रियान्वयन

प्रचालन योजना में मिशन क्रांतिक मार्गदर्शन शामिल किया जाना चाहिए ताकि टीम एसडी कार्यकलाप कुशलतापूर्वक और सुरक्षित ढंग से काम कर सके। योजना में निम्नलिखित तत्व शामिल हैं :

- एसडी टीम को सौंपे गए काम और आड़ घटनाएं
- नक्शे, आरेख और डायग्राम जिसमें परिचालन और लक्ष्य क्षेत्र दिखाए जाएं
- संवेदी क्षेत्र और एसडी अवस्थितियां
- संभावित हमले और शत्रुतापूर्ण निगरानी नीतियों का वर्णन
- संचार और रिपोर्ट करने की प्रक्रियाएं (आरंभिक, वैकल्पिक, आपात)
- अन्य सुरक्षा अस्तियों के बीच तालमेल स्थानीय, गार्ड, पुलिस
- प्रशासनिक सहायता मामले
- संभारतन्त्र
- परिवहन
- उपकरण

- आपात प्रक्रियाएं

एक बार योजना पूरी हो जाती है तो टीम :

- प्रचालन संचालित करेगी
- प्रेक्षणों की रिपोर्ट और विश्लेषण करेगी
- कार्य पश्च समीक्षा करेगी जिसमें सीखी हुई शिक्षाएं शामिल होती हैं
- योजना को संशोधित करेगी और अद्यतन बनाएगी

13. शत्रुतापूर्ण निगरानी सूचक

- बहुत अवसरों पर उसी अवस्थिति में देखे गए व्यक्ति और वाहन, पार्क की गई कार में लम्बे समय से बैठे व्यक्ति,
- व्यक्ति जो इर्दगिर्द वातावरण से मेल नहीं खाते जैसा कि अवस्थिति के लिए अनुचित लिबास पहने हुए, या चित्र बनाते और नोट्स लेते व्यक्ति
- व्यक्ति जो अपनी गतिविधियों को ढकने के लिए संभव छल का प्रयोग करते हैं जैसा कि भीख मांगने वाले, प्रदर्शक, बूट पालिश करने वाले, फल, खाद्य, समाचार पत्र या फूल बेचने वाले या गली के सफाई कर्मों का भेस बदल लेते हैं जिनकी पहले क्षेत्र में पहचान नहीं की गई है।
- सुरक्षा कैमरों या गार्ड अवस्थितियों की वीडोटैपिंग या फोटोग्राफी करने वाले व्यक्ति, सुरक्षा उपायों या कार्मिकों, प्रवेश स्थलों और प्रवेश नियंत्रणों या परिधि अवरोधों जैसे बाड़ों या दीवारों में असाधारण या लंबी रुचि लेने वाले।
- गुमनाम धमकियों में वृद्धि जिसके बाद व्यक्ति जो दृश्य रूप से सुरक्षा प्रतिक्रिया ड्रिलों या कार्यविधियों को देखते हैं। एक व्यक्ति/व्यक्तियों, जो सौम्य लगते हैं द्वारा सुरक्षा या सुविधा कार्मिकों से प्रश्न करना
- निषिद्ध क्षेत्रों में खड़े किए गए वाहन
- वाहन जो यातायात प्रवाह के साथ असंगत ढंग से चलाए जा रहे हैं, अनिश्चित संचलन करना या तत्काल रोकना
- व्यक्तियों या वाहनों के बीच अनियमित संचार या सिगनेलन
- गैर व्यावसायिक शिफ्ट परिवर्तन (एक वाहन आ रहा है, दूसरा जा रहा है, ड्राइवरो के बीच संभव संचार)
- असाधारण तरीके से वाहन निकालते व्यक्ति
- एक बदले हुए या अवरूद्ध लाइसेंस प्लेट वाला एक वाहन
- टूटे हुए वाहन
- व्यक्ति जो आंखें मिलते ही आंखें फेर लेते हैं
- अनियमित गति
- किसी इमारत में दाखिले के समय हिचकिचाते या चारों ओर देखते लोग
- कर्मी दल (वाहन, उपकरण और वस्त्रों, विशेषतः जूतों को किसी विलक्षणता के लिए चेक करें। परियोजना के विधि सम्मत होने की जांच के लिए उपयुक्त एजेंसी के साथ जांच करें)

अध्याय 7

काम चलाऊ विस्फोटक युक्तियां—एक परिचय

1. भूमिका

आतंकवादी हमले जिनमें विस्फोटकों का प्रयोग शामिल होता है अधिक प्रचलित होते जा रहे हैं। आतंकवादियों द्वारा विस्फोटकों के प्रभावी प्रयोग के उदाहरणों में अगस्त 1998 को नैरोबी, कीनिया दारेस्लाम, तान्जानिया में यू एस दूतावासों में हुए हमले शामिल हैं। इन विस्फोटों में कम से कम 301 व्यक्ति मारे गए और 5000 से अधिक जख्मी हुए। 2002 सारी नाइटक्लब हमले में बाली में दर्जनों मारे गए और सैकड़ों की संख्या में घायल हुए, यह एक और उदाहरण है। इस माड्यूल का केन्द्रीय विषय कामचलाऊ विस्फोटक युक्तियां (आई ई डी) हैं जिनका अधिक से अधिक प्रयोग आतंकवादी हमलों में किया जा रहा है। आई ई डी और घटकों के निर्माण को समझने की ज़रूरत है जो इसे एक अत्यन्त प्रभावी आतंकवादी आक्रमण युक्ति बना देते हैं। युक्ति की रचना का ज्ञान सूक्ष्मदृष्टि प्रदान करता है कि इससे कैसे निपटा जाए और इस माड्यूल में विभिन्न औजारों और तकनीकों को लिया गया है जो विस्फोटक युक्तियों के संसूचन और एक संभावित विस्फोट के संसूचन की दशा में जोखिम को कम करने के लिए होती हैं

2. परिभाषित काम चलाऊ विस्फोटक युक्ति (आई ई डी)

(क) “काम चलाऊ युक्ति” (आई ई डी) उन युक्तियों का उल्लेख करती है जिन्हें काम चलाऊ तरीके से तैयार किया गया है और उनके डिज़ाइन में विस्फोटकों या विनाशक, प्राणहर, हानिकर, आतिशबाजी या दाहक रासायनिकों को शामिल किया गया है। एक आई ई डी किसी भी प्रकार की सामग्री या प्रवर्तक के साथ कुछ भी हो सकती है। आई ई डी को विभिन्न आकारों, प्रकार्य विधियों, कन्टेनरों और वितरण विधियों में तैयार किया जा सकता है। परिष्कृति की गुणता डिज़ाइनर की प्रवीणता और उपलब्ध औजारों और सामग्री पर निर्भर होती है। आई ई डी में वाणिज्यिक, सैनिक या घर पर बने विस्फोटकों या सैनिक गोला बारूद और गोल बारूद घटकों का प्रयोग किया जा सकता है।

(ख) सामान्यतः आई ई डी में एक क्रियाशील पदार्थ और एक प्रवर्तन योजना या फ़्यूज़ होता है। नष्ट करने, विरूपित करने, ध्यान हटाने, परेशान करने या किसी टारगेट आबादी को एक विषैला पदार्थ छोड़कर जोखिम में डालने के आशय से ये युक्तियां रखी या वितरित की जाती हैं। एक आई ई डी का सफल नियोजन बहुधा बड़े पशुबल को प्रदर्शित करता है। यह, टारगेट से संबंधित आश्चर्य के तत्व और हमले के समय के साथ मिलकर ऐसे भय का उत्पादन करने की संभावना रखता है कि किसी दत्त स्थिति में एक आई ई डी का संभावना का संदेह भी व्यापक

चिन्ता उत्पन्न करता है।

- (ग) हाथ से तैयार की गई आई ई डी छिपाए जाने के लिए होती है। बम को छिपाकर नहीं रखा जाता और इसे पेशावर ढंग से उत्पन्न किया जाता है जैसा कि सैनिक प्रयोगों के लिए। इसे ध्यान में रखें कि जिस युक्ति को सामान्यतः “आत्मघाती बम” के नाम से जाना जाता है वह “बम” की बजाय आई ई डी की कोटि के अन्तर्गत आती है।

3. आई ई डी के अवयव

- (क) क्षमता और शत्रु के उपलब्ध स्रोतों के आधार पर, आई ई डी के लिए विशिष्ट पहचान लक्षण सदा बदलते रहते हैं। अधिकांश आई ई डी की चार मूल मदें होती हैं डेटोनेटर और स्विच, विस्फोटक पूरक और एक डिब्बा जिसमें आई ई डी को रखा जाता है।

(ख) पावर स्रोत

पावर स्रोत दो उद्देश्यों को पूरा करते हैं। यह स्विच को पावर देता है और एक बिजली डेटोनेटर (प्रस्फोटक) के लिए बिजली प्रदान करता है। बैटरियां या बैटरी पैक्स प्ररूपी रूप से आई ई डी के लिए पावर स्रोत का काम करते हैं। बाज़ारू बैटरियां उपलब्ध होती हैं और छोटी होती हैं और आसानी से छिपाई जा सकती हैं जिससे उनका पता लगाना मुश्किल होता है जैसाकि वे जिनका प्रयोग ध्रुवित फ़िल्म पैक्स में किया जाता है। आम अल्कालीन बैटरियों के धातुक ढक्कन हटाये जा सकते हैं और फिर भी काम करती हैं और उनका पता लगाना मुश्किल होता है।

(ग) स्विच और टाइमर

सब आई ई डी के लिए कुछ साधन अपेक्षित हैं जो उनका प्रस्फोट कराते हैं। यह एक आम स्विच हो सकता है जो युक्ति का प्रस्फोट करता है जब एक कार्रवाई की जाती है जैसा कि एक ट्रिप स्विच जो विस्फोटक का प्रस्फोट करता है जब एक पत्र या पार्सल आई ई डी को खोला जाता है (अधिकांश आतंकवादी आई ई डी में विद्युत टाइमर का प्रयोग किया जाता है क्योंकि वे अधिक सूक्ष्म और विश्वसनीय होते हैं। विस्फोटक युक्तियां तैयार करने के लिए आतंकवादी सामान्यतः चार प्रकार के स्विचों का प्रयोग करते हैं : विद्युत, यांत्रिक, रासायनिक और उक्त का समिश्रण।

(घ) बिजली स्विच और टाइमर

एक बिजली स्विच या टाइमर के लिए जिन मदों का प्रयोग किया जाता है उनकी रेंज लगभग असीमित होती है। कोई भी मद जिसका एक इलैक्ट्रानिक परिपथ अंतर्निर्मित टाइमिंग यन्त्रावली के साथ होता है, एक मोबाइल टेलीफोन, एक एमपी 3 प्लेयर जैसा कि आईपाड, कम्प्यूटर या एक पेजर का प्रयोग किया जा सकता है। कुछ बिजली स्विच स्प्रिंग भारित पुश या संपर्क स्विच होते हैं जिन्हें काम चलाऊ बनाया जा सकता है या बाजार से खरीदे जा सकते हैं। बाजार में उपलब्ध स्विच एक सामान्यत बन्द, सामान्यतः खुला विकल्प वाले होते हैं) विकल्प का चयन निर्धारित करता है कि परिपथ को पूरा करने के लिए दबाव देना है या दबाव हटाना है।

(ङ) यांत्रिक स्विच और टाइमर

बहुत सी आई ई डी में स्विच के रूप एक वस्त्रपिन का प्रयोग किया गया है और यांत्रिक अलार्म क्ल्याक जिसके पेच मुख में ड्रिल किए होते हैं यह उत्कृष्ट होता है।

(च) रासायनिक स्विच और टाइमर

कुछ रासायनिक स्विचों और टाइमरों में किसी प्रकार के तेजाब या संक्षारक का प्रयोग किया जाता है जो एक मद में से जलता है और परिपथ को बन्द करता है, डेटोनेटर को पावर भेजता है और विस्फोटक को सक्रिय करता है।

4. डेटोनेटर (प्रस्फोटक) या प्रवर्तक

अधिकांश आतंकवादी समूह बाज़ारू विद्युत डेटोनेटर को तरजीह देते हैं क्योंकि वे अत्यन्त विश्वसनीय होते हैं। विशिष्ट वाणिज्यिक विस्फोट अनुप्रयोगों के लिए गैर विद्युत डेटोनेटर उतने आम नहीं होते जैसा कि विद्युत डेटोनेटर। सैनिक विस्फोटक ढक्कन परिचालनिक रूपसे बाज़ारू विद्युत डेटोनेटरों के समान होते हैं लेकिन उन्हें सामान्यतः अधिक खुरदरा बना दिया जाता है।

(क) विद्युत डेटोनेटर

विद्युत डेटोनेटर में अति संवेदनशील उच्च विस्फोटक की थोड़ी मात्रा होती है जो मेन चार्ज विस्फोटक को प्रतितुलित करने के लिए अपेक्षित होती है। उच्च संवेदी विस्फोटक विद्युत से प्रस्फोट किया जाता है जो पावर सप्लाइ से आती है। विद्युत डेटोनेटर बहुत ही संवेदनशील होते हैं और उनकी सम्भलाई बड़ी सावधानी से की जानी चाहिए।

(ख) गैर-विद्युत डेटोनेटर

ये डेटोनेटर सामान्यतः एक टाइम फ्यूज द्वारा प्रवर्तित होता है जो रस्सी के समान होता है जो थोड़ी मात्रा विस्फोटक से संसेचित होता है। यह श्रेष्ठ फ्यूज है जिसका प्रयोग पुरानी फ़िल्मों में किया जाता था जिसमें विस्फोटक को दिया सिलाई द्वारा फ्यूज को जलाते दिखाया गया है। कुछ विशिष्ट विस्फोटक अनुप्रयोगों में नान-विद्युत डेटोनेटरों का प्रयोग किया जाता है जहां असम्बद्ध रेडियो तरंगों और पावर करंट एक विद्युत डेटोनेटर को समय पूर्व प्रस्फोट न कर दें।

5. विस्फोटक पूरक

विस्फोटकों को मोटे तौर पर दो कोटियों में बांटा जाता है: निम्न और उच्च विस्फोटक। विस्फोटकों का वर्गीकरण के लिए सहायक तत्व उद्दीपन है जो उनके प्रवर्तन के लिए और एक बार प्रवर्तित होने पर उनके प्रवर्तन के दर्जे के लिए अपेक्षित होता है।

(क) निम्न विस्फोटक

ये विस्फोटक सामान्य प्रयोग के अन्तर्गत जलते हैं। निम्न विस्फोटकों में गन पाउडर, धुआं रहित पाउडर, द्वि-आधारित धुआं रहित पाउडर आदि होते हैं। उन्हें सामान्यतः किसी चीज़ जैसे पीवीसी, लैड या स्टील पाइप के टुकड़े में पैक किया जाता है। निम्न विस्फोटक के तेज़ी से जलने से बड़ी मात्रा में गरम प्रसरणशील गैस उत्पन्न होती है जो अन्ततः पाइप को फाड़ देती है और उसके टुकड़ बड़ी गति से उड़ जाते हैं। निम्न विस्फोटकों के लिए वेग की दर प्रति सेकण्ड 1500 मीटर से कम होती है।

(ख) उच्च विस्फोटक

इन विस्फोटकों का प्रस्फोट सामान्य प्रयोग के अन्तर्गत होता है। जब प्रवर्तित किए जाते हैं, तो रासायनिक अनुक्रिया विस्फोट के द्रव्यमान में से तेज (सुपरसोनिक) गति से चलती है। उच्च विस्फोटक वे विस्फोटक होते हैं जिनके बारे में अधिकांश लोगों ने सुन रखा है। डायनामाइट अवशोषी आधार सामग्री में लटकता नाइट्रो ग्लाइसरीन है जो इसे अधिक स्थिर बनाता है। टी एन टी मानक सैनिक विस्फोटक है और सब उच्च विस्फोटकों की तुलना के लिए आधार प्रदान करता है। सेमटेक्स-एच पूर्व चेकोस्लोवाकिया में बनाया गया था और पूर्व सोवियत यूनियन के लिए मानक प्लास्टिक विस्फोटक था। संयोजन सी 4, सेमटेक्स-एच के समान है और यू एस सैन्य प्लास्टिक विस्फोटक है। वेग की गति की रेंज प्रति सेकण्ड 1500 से 9000 मीटर के बीच होती है। इन उच्च विस्फोटकों का प्रयोग काम चलाऊ यंत्रों में किया जाता है ताकि अभिप्रेत टारगेट को हानि पहुंचाई जाए।

(ग) उच्च विस्फोटकों को आगे निम्नानुसार वर्गीकृत किया जाता है :

- i. प्रारंभिक उच्च विस्फोटकों को ताप, प्रघात, रगड़, संघट्ट और/या स्थिर विद्युतिकी की थोड़ी मात्रा द्वारा प्रवर्तित किया जा सकता है। प्रारंभिक उच्च विस्फोटकों का प्रयोग व्यापारिक या सैन्य डेटोनेटरों में किया जाता है। प्रारंभिक उच्च विस्फोटकों के उदाहरण हैं लैड एज़ाइड, पारा फुलमीनेट और लैड स्टाइफ़नेट।
- ii. द्वितीयक विस्फोटकों के लिए बड़ा प्रवर्तक प्रघात अपेक्षित होता है जिसे एक डेटोनेटर या प्रवर्तक द्वारा उपलब्ध कराया जाता है। द्वितीयक उच्च विस्फोटकों के उदाहरण हैं टी एन टी, आर डी एक्स, पी ई टी एन और प्लास्टिक विस्फोटक।
- iii. कुछ द्वितीयक विस्फोटक इतने असंवेदी होते हैं कि उनके लिए डेटोनेटर के अलावा बूस्टर की जरूरत होती ताकि उन्हें प्रवर्तित किया जा सके। इन विस्फोटकों को आम तौर पर विस्फोटन कारक या तृतीयक विस्फोटक कहा जाता है। विस्फोटन कारकों के उदाहरण हैं ए एन एफ ओ (एमोनियम नाइट्रेट और ईंधन तल) और वाटर जेल्स या घोल। आई ई डी में प्रारंभिक और द्वितीयक उच्च विस्फोटकों को शामिल किया जाता है लेकिन ए एन एफ ओ को छोड़ विस्फोटन कारकों को नहीं। बहुत से निर्माण टाइप विस्फोटन कारकों को एक साथ मिला दिया जाए या विस्फोटकों के प्रस्फोटन के लिए बूस्टर की जरूरत होती है क्योंकि यह ताप, प्रघात और/या रगड़ के प्रति असंवेदनशील होते हैं जिससे इसकी जटिलता के कारण कुछ आतंकवादी इसका प्रयोग करने से डरते हैं।

6. आई ई डी कन्टेनर

एक मुख्य बात यह है कि आई ई डी को उसके छिपाव में प्रभावी ढंग से टिकाया जाए। आई ई डी का निर्माण और प्रयोग बहुधा निम्नानुसार होता है :

- (क) प्रच्छन्न स्थैतिक आई ई डी को किसी भी चीज (कचरे, बक्सों, टायरों आदि) से ढक दिया जाए और टारगेट में, पर या नीचे रखा जाए।
- (ख) प्रच्छन्न गतिशील आई ई डी में शामिल होते हैं वाहन वाहित काम चलाऊ विस्फोटक यन्त्र (VBIEDS),

आत्मघाती बाम्बर वास्कट, शिकार प्रवृत्त आई ई डी या सदूर नियंत्रित करें।

- (ग) फेंके गए या प्रक्षिप्त आई ई डी जो काम चलाऊ हाथ गोले या मॉटर होते हैं और बहुधा उनका प्रयोग ऊपरी मार्गों से किया जाता है।
- (घ) किसी टारगेट में, ऊपर या नीचे या बिना चौकसी रखे वाहनों में, ऊपर या नीचे आई ई डी रखी जाती हैं।
- (ङ) नकली आई ई डी, जिसका प्रयोग आतंकवादी कुछ कारणों जैसे पुलिस अनुक्रिया क्षमताओं के बारे में जानने के लिए, पुलिस को धोखे से फंदे या घात स्थान दर लाने या भावी आई ई डी के प्रति उदासीनता विकसित करने के लिए करते हैं। नकली आई ई डी में शामिल होती है कुछ चीज़ जो वास्तविक आई ई डी से मिलती जुलती होती है लेकिन उसमें विस्फोटक या पूरी तरह से काम करने वाला डेटोनेटर नहीं होता।

7. आत्मघाती बमबार विस्फोटक युक्ति

- (क) यद्यपि सूक्ष्म अन्तर विद्यमान होते हैं लेकिन विश्वभर में आतंकवादी संगठनों द्वारा प्रयुक्त युक्तियों के मूल डिज़ाइन और कार्य मूलतः समान ही है।
- (ख) आत्मघाती युक्ति और आई ई डी में सामान्यतः निम्नलिखित लक्षण समान होते हैं :

i. स्विच

प्रवर्तन के लिए सामान्यतः एक सरल स्विच होता है जिसमें एक पुश बटन या टागल स्विच होता है जो एक विद्युत परिपथ को पूरा करता है। बहुत सी युक्तियों में प्रतिपूरक ट्रिगर प्रणाली होती है जैसा कि एक इलैक्ट्रॉनिक टाइमर कार्डलैस फोन, या बूबी ट्रेप टाइप का स्विच होता है। यदि हमलावर मारा, पकड़ा जाता है या हमले को निष्फल करने की कोशिश करता है तो एक द्वितीयक ट्रिगर प्रणाली एक वैकल्पिक दाह विधि उपलब्ध कराती है। यदि बमबार अंतिम समय में हट जाने का निर्णय लेता है तो द्वितीयक ट्रिगर प्रणाली संगठन के लिए एक सुरक्षा उपाय भी होती है।

ii. विखंडन

कील, बाल बेयरिंग या अन्य छोटे टुकड़े बिखरे जाते हैं। व्यक्ति आत्मघाती बमबारी हमलों में विखंडन मुख्य हत्या यंत्रावली होता है। किसी भवन के ढांच को गिराने के लिए सामान्यतः बम 100-1000 किग्रा टीएनटी बराबर होगा।

iii. छिपाव/छल कपट

युक्तियों को सामान्यतः कपड़े की वस्तु में छिपाकर शरीर के पास पहना जाता है जैसा कि वेस्ट, वेल्ट या जैकेट। तथापि ऐसे भी उदाहरण हैं जहां कि विस्फोटक युक्ति को एक आम, अहानिकर वस्तु के रूप में छिपाया जाता है। मुख्य चार्ज में एक सैन्य ग्रेड प्लास्टिक युक्त विस्फोटक या घरेलू तैयार विस्फोटक मिश्रण हो सकता है।

iv. आत्मघाती बाडीसूट

1. इस्तेमाल किए गए आत्मघाती आई ई डी की अत्यधिक संख्या आत्मघाती बाडी सूट हैं। युक्तियों को जैकेटों, जूतों, बेल्टों, बैकपैक्स, खेलकूद बैगों और ब्रीफ केसों में छिपाया जा सकता है। आतंकवादियों ने बमबार पर युक्ति छिपाने के उन्नत साधन विकसित किए हैं। कई आतंकवादियों ने शार्ट पेन्टों का प्रयोग किया है और विस्फोटक उनमें अन्तः स्थापित होते हैं। ट्रिगर प्रत्येक अगली जेब में लगे होते हैं और बमबार अपने हाथ अपनी जेब में डालकर युक्ति का आसानी से विस्फोट कर सकता है। इन संगठनों के बारे में जाना जाता है कि किसी महिला बमबार के उदर क्षेत्र के इर्दगिर्द विस्फोटक रखे जाते हैं जिसमें यह कोशिश की जाती है कि वह गर्भवती दिखाई दे। आत्मघाती युक्तियों को छिपाने के लिए आतंकवादी नए तरीकों का इस्तेमाल जारी रखेंगे।

2. बहुत से आत्मघाती बाडी सूटों में कम इलैक्ट्रॉनिक्स होते हैं जिससे सुरक्षा एजेंसियों के लिए कठिन हो जाता है कि युक्तियों का पता लगाने के लिए प्रति-प्रौद्योगिकियों को विकसित कर सकें। बाजारू मदों से एक आत्मघाती बाडी सूट तैयार किया जा सकता है। प्लास्टिक विस्फोट को और डेरॉनेटों को छोड़, सब अन्य घटकों को दरज़ी की दुकान (सिलाई मदें) और एक आटो शॉप से (स्टील बाल बेयरिंग, तारें, बैटरियां और स्विच) खरीदा जा सकता है।

8. विस्फोटकों के भौतिक प्रभाव

थोड़ी यात्रा में विस्फोटकों के प्रस्फोटन पर बड़ी मात्रा में गैस उत्पन्न होती है। गैसों का बाहर की ओर दबाव इर्दगिर्द की हवा को संपीडित करता है और एक प्रघात तरंग उत्पन्न करता है। इस प्रघात तरंग के सामने प्रघात अग्र होता है। प्रघात अग्र के तत्काल बाद गतिक दाब (विस्फोट हवाएं) होता है जो बाहर की ओर एक अत्यन्त उच्च वेग (प्रति सेकण्ड 5800 मीटर तक) से जाती है। एक विस्फोट के प्रभावों को प्रारंभिक, द्वितीयक और तृतीयक के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

(क) विस्फोटकों के प्राथमिक प्रभाव

विस्फोटकों के प्राथमिक प्रभाव तीन कोटियों के अन्तर्गत आते हैं : विस्फोट अतिदाब, उच्च वेग विखंडन और ताप या दाहक प्रभाव।

(ख) विस्फोट अति दाब

i. विस्फोट दाब इर्द गिर्द के वायुदाब में मात्र एक अग्र और तेज़ उत्थान है। विस्फोट अतिदाब प्रघाती तरंग द्वारा उत्पन्न किया जाता है जो इर्द गिर्द हवा की परतों को संपीडित करता है ताकि यह उच्च दाब के अधीन रहता है। प्रघाती रंग के दो सुस्पष्ट चरण होते हैं जो दो दिशाओं में दाब डालती हैं। इन चरणों को धनात्मक दाब तरंग और ऋणात्मक दाब तरंग के नाम से जाना जाता है। उच्च विस्फोटकों के प्रस्फोटन द्वारा उत्पन्न शक्तिशाली और विनाशक प्रभाव धनात्मक चरण में आते हैं। ऋणात्मक चरण कम शक्तिशाली होता है लेकिन धनात्मक चरण से अधिक लंबे समय तक चलता है।

- ii. निम्नलिखित चार्ट विशिष्ट विस्फोटक चार्ज, स्टैंड आफ दूरियों और चुने गए ढांचागत तत्वों और मानव शरीर का क्षति के अनुमानित क्षति स्तरों के बीच संबंध को बताता है। मानव प्रतिक्रिया विशिष्ट प्रभावों पर आधारित है जो खुले में विस्फोट अतिदाब द्वारा और एक विस्फोट घटना के फलस्वरूप श्रैपनेल और द्वितीयक मलबे से संभावित आशंका से उत्पन्न होते हैं। मानव चोट (विशेष मानसिक आघात) का एक अन्य महत्वपूर्ण कारण भूमि पर या किसी अन्य भारी वस्तु में फेंके जाना या विस्फोट घटना के बाद किसी भारी वस्तु में अटक जाना होता है।
- iii. श्रैपनेल और द्वितीयक मलबे के प्रभावों की प्रवाह ने करते हुए, खुले में धर्ती पर आधोमुख लेटा हुआ एक स्वस्थ व्यक्ति विस्फोट दाबों का झेल सकता है जो परम्परागत ढांचों को भारी क्षति पहुंचाएंगे। जब स्थानीकृत हो तो श्रैपनेलों और द्वितीयक मलबे द्वारा उत्पन्न आशंका आई ई डी प्रस्फोटन बिन्दु से कई सौ गज तक परे जा सकती है। छोटे हमलों के लिए यह विशेष रूप से सही है जो प्ररूपी रूप से डिजाइन किए जाते हैं और विस्फोटक के सम्पर्क में धातु श्रैपनेलों को शामिल किया जाता है ताकि हताहतों की संख्या अधिकतम हो,
- iv. यह चार्ट हमले और टारगेट के बीच स्पष्ट दर्शा रेखा पर आधारित है। वनस्पतिक या अन्य संरचनाओं के “प्रछादन” प्रभावों की, जो विस्फोट दाब को कम कर सकते हैं (या द्वितीयक मलबा जोड़ सकते हैं) उनका परिमाण बताना कठिन होता है इसलिए उन्हें नहीं लिया गया है।

तालिका 1 : विस्फोट दाब

चार्ज (किग्रा सी4)	दूरी मीटर	संरचनाओं और खुले में कार्मिकों के लिए दाब से प्रत्याशित विस्फोट प्रभाव
9	3	कांक्रीट कालम नष्ट हो गए हैं और ढांचा विफलता संभव है, दाब और श्रैपनेल के कारण 100% प्राण हरता।
9	6	प्रबलित कांक्रीट ढांचों का स्थानीकृत मलबे विनाश, दाब के कारण 1% प्राण हरता, लेकिन यह निश्चित है कि आई ई टी श्रैपनेल और द्वितीयक मलबे के कारण या जमीन पर या वस्तुओं में फेंके जाने व्यापक क्षति हुई है, मृत्यु संतर्जक फेफड़ा चोट और 50% से अधिक कान परदे फट गए हैं।
23	6	प्रबलित कांक्रीट संरचनाओं का व्यापक विनाश, दाब के कारण 50% प्राणहरता मलबे या जमीन पर या अन्य वस्तुओं में फेंके जाने के कारण व्यापक चोटें लगी है गम्भीर फेफड़ा क्षति (चिकित्सा सेवा के कारण 50% उत्तरजीवित)।
23	15	परम्परागत रूप से निर्मित संरचनाओं का व्यापक विनाश, मलबे या जमीन पर या अन्य वस्तुओं में फेंके जाने के कारण चोटें, वरणात्मक कान परदा क्षति।
23	30	अनुमानित रेंज जिस पर छितर-रोधी खिड़की फिल्म काम करने लगती है, फिल्म के बिना कांच खतरनाक, अस्थायी रूप से सुनने की हानि, भूमि पर फेंके जाने या चोट लगाने का परिमाण।

100	15	प्रबलित कांक्रीट सरचनाओं की पर्याप्त क्षति, मलबे, जमीन पर या किसी वस्तु में फैंके जाने से संभावित व्यापक चोटें, मृत्यु संतर्जक फेफड़ा चोट और 50% से अधिक कान के परदे फट गए।
100	30	परम्परागत रूप से निर्मित संरचनाएं नष्ट हुईं, जमीन पर या किसी वस्तु में फैंके जाने के कारण चोटें, कान के परदे के देहरी फट गईं।
100	61	अनुमानित रेंज जिस पर छितर-रोधी खिड़की फिल्म काम करने लगती है। फिल्म बिना कांच बहुत खतरनाक, अस्थायी सुनने की हानि।
227	15	प्रबलित कांक्रीट संरचनाओं की व्यापक क्षति, दाब के कारण 50% प्राणहरता, मलबे और जमीन पर या किसी वस्तु में फैंके जाने के कारण व्यापक चोटें, गम्भीर फेफड़ा क्षति (चिकित्सा सेवा से 90% उत्तरजीविता)।
227	30	परम्परागत रूप से निर्मित संरचनाओं की व्यापक क्षति, मलबे या जमीन पर या अन्य वस्तुओं में फैंके जाने के कारण संभावित चोटें, वरणात्मक कान परदे फटे।
227	61	अनुमानित रेंज जिस पर छितर रोधी खिड़की फिल्म काम करने लगती है। बिना फिल्म के कांच खतरनाक, अस्थायी रूप से सुनने की हानि, भूमि पर फैंके जाने और चोट लगने का परिमाण

- v. विस्फोटक न्यूनीकरण के संबंध में महत्वपूर्ण बात यह है “दूरी=सुरक्षा”। स्वाभाविक है कि आई ई डी से टारगेट जितना दूर होगा संरचना उतना ही कम विस्फोट दाब पायेगी। भवन की क्षति को कम करना घटना के संवेदनवाद को कम करना है और जिस घटना में कम क्षति हुई हो और कम लोग हताहत हुए है उसमें मीडिया की रुचि नहीं रहती।

(ग) उच्च वेग विखंडन

- किसी प्रस्फोटन के दौरान निकले आई ई डी टुकड़ों और घटकों को दो वर्गों में रखा जा सकता है: विखंडन और श्रैपनेल।
- जब विस्फोट का विस्फोट दाब प्रभाव बम के खोल को टुकड़े-टुकड़े कर देता है तो विखंडन होता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि बम कहां फटा है और कार्मिक मौजूद हैं तो अवखंडन बम का अत्यन्त विनाशकारी लक्षण हो सकता है। विस्फोट स्वयं गड्ढे बना देता है और दीवारों और इमारतों को गिरा देता है लेकिन अवखंडन से टारगेट के दूर अन्दर तक गहरा प्रवेश हो सकता है और जैसे ही यह जाता है चीरता और टुकड़े उड़ाता जाता है। यह आश्चर्यजनक है कि मानव शरीर विस्फोट के प्रति लचीला होता है लेकिन एक टुकड़े के प्रभाव के सामने कमजोर है। भारी, तेज़ टुकड़ों की पर्याप्त रेंज होती है और चलते जाएंगे जब तक उनका वेग कम न हो जाए और धरती पर गिर जाएं या किस वस्तु से टकरा जाएं। टुकड़ों के वेग का रेंज 500 से 2500 मीटर/सेकण्ड होता है क्योंकि वेग टुकड़े के द्रव्यमान और विस्फोटक के द्रव्यमान पर आधारित होता है जो उसे चलाता है।

- iii. कभी-कभी, एक समान खंड उत्पन्न करने के लिए या अन्य सामग्रियों जैसे कीलों, बाल बेयरिंगों या बाड़ स्टेपल को शामिल करने के लिए बमों का निर्माण किया जाता है। इस प्रकार के टुकड़ों को श्रैपनल कहते हैं। तकनीकी रूप से श्रैपनल खंड नहीं होता लेकिन बम निर्माण का एक घटक होता है जो लोगों को मारने, विकलांग बनाने और सम्मति के विनाश के लिए अभीष्ट होता है।

(घ) द्वितीयक खंड

द्वितीयक खंड ऐसे खंड होते हैं जो बम से सीधे संबंधित नहीं होते बल्कि प्रतिवेश से संबंधित होते हैं जहां बम का प्रस्फोट किया जाता है। इसका उदाहरण है भूमि से फैंकी गई चट्टान या प्रस्फोट द्वारा भवन से उड़ायी गई भवन निर्माण सामग्री।

(ङ) तापीय (दाहन)

विस्फोटक सामग्री के आधार पर तापीय प्रभाव में बहुत विभिन्नता होती है। सामान्यतः एक उच्च विस्फोटक की तुलना में एक निम्न विस्फोटक का लंबा दाहन प्रभाव होगा। तथापि, एक उच्च विस्फोटक बहुत अधिक तापमान उत्पन्न करेगा। जबकि उच्चतर दाहन सामग्रियों को शामिल न किया गया हो, तो तापीय प्रभाव सामान्यतः मामूली होता है। विस्फोटकों के साथ ज्वलनशील संपीडित गैस सिलिण्डर जोड़ने से ब्लास्ट दाब में वृद्धि नहीं होती। यह केवल प्रस्फोटन के तापीय प्रभाव को ही बढ़ाता है। इस नियम का एक अपवाद एसेटीलीन है। एसीटीलीन को प्रघात, चिंगारी या डेटोनेटर से प्रस्फोटित किया जा सकता है। ब्लास्ट प्रभावों में तापीय प्रभाव सामान्यतः कम से कम हानिकर होते हैं।

(च) गर्तन

गर्तन सुराख या गड्ढा है जो विस्फोट के स्थान पर बन जाता है।

(छ) छेदन

छेदन उड़ते खंडों या द्वितीयक खंडों द्वारा उत्पन्न किया जाता है जो वाहनों या भवनों में जाते हैं।

(ज) टुकड़े-टुकड़े होना

यदि एक बड़ा खंड किसी ठोस दीवार से टकराता है जैसा कि कांक्रीट या सीमेन्ट ब्लाक तो टुकड़े-टुकड़े हो जाता है। खंड दीवार में छेदन तो नहीं करेगा लेकिन दीवार की विपरीत दीवार में टुकड़े उत्पन्न करेगा जिससे छिपटियां उतरेंगी और वे प्रक्षेपक बन जाएंगी।

9. विस्फोटकों के तृतीयक प्रभाव

तृतीयक प्रभाव समस्त काया विस्थापन हैं यानी एक ब्लास्ट तरंग एक काया को उठा सकती है और प्रस्फोटन के काफी पास फैंक सकती है। जब काया जमीन से या दूसरी वस्तु से टकराती है तो काया को गम्भीर क्षति पहुंचती है।

10. आतंकवाद विरोधी नीति बनाना

(क) प्रभावी और कुशल आतंकवाद विरोध की मुख्य बातें हैं :

- पूर्वक्रम, आसूचना उत्पन्न होती आशंका के लिए आसूचना और ज्ञान की जरूरत

- रोकथाम की परिचालन परिभाषा पूर्ण प्रशिक्षित विधि प्रवर्तन और सुविज्ञ और तैयार जनता की जरूरत है।
- तैयारी, एक व्यापक आपात स्थिति और आकस्मिकता योजना नीति के लिए जरूरत

11. जन जागरूकता

चूंकि पुलिस हर जगह हर समय नहीं हो सकती और आतंकवादी ऐसी नीतियां विकसित करते हैं जो टेक्नालोजी निवारकों को जड़ से काटती हैं इसलिए यह महत्वपूर्ण है आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में जनता को शामिल किया जाए। जिन व्यापारियों से आतंकवादी बम निर्माण करने के घटक खरीदते हैं उन्हें प्रोत्साहित किया जाए कि यदि वे विस्फोटक बनाने में आम तौर पर प्रयुक्त सामग्रियों जैसे एमोनियम नाइट्रेट खाद, पाइपों, बैट्टीयों, तारों और रसायनों की बड़े पैमाने में खरीदें देखते हैं तो वे अधिकारियों को सतर्क करें। ऐसे ग्राहकों के बारे में भी सूचना पुलिस के लिए उपयोगी होगी जो इन सामग्रियों के बारे में मात्र पूछताछ करते हैं।

12. आत्मघाती बमबार की पहचान

सुरक्षा कार्मिकों को संदेहास्पद व्यक्तियों की तलाश में रहना चाहिए। वेश भूषा, दिखावट और व्यवहार सूचक निम्नानुसार हैं

- घबराए हुए, उदासीन (फटी हुई नज़रें) या विचारमग्न लग सकते हैं।
- धड़ में कड़े लग सकते हैं। निचले भाग में गतिशीलता या लचीलेपन का अभाव (बम युक्ति पहनने से)
- अपना सिर मुंडवा सकता है या छोटे-छोटे बाल रख सकता है। छोटे बाल कटाई या हाल में की गई दाढ़ी या मूंछों की हजामत का पता सिर या चेहरे के त्वचा के रंग में भेद से लगा सकता है। प्रचालनों के अंतिम चरण के रूप में शिक्षा देने और पवित्र बनाने का काम एक ही साथ किया जाता है।
- बलपूर्वक क्रियाओं का प्रदर्शन करता है (अपेक्षित टारगेट तक पहुंचने के लिए भीड़ में से अपना रास्ता धकेलते हुए बनाता है या निषिद्ध क्षेत्र में प्रवेश करता है)।
- ऐसा लग सकता है कि जैसे सरगोशी कर रहा है या बड़बड़ा रहा है (उनके आगे बारबार प्रार्थना करता है)।
- जब सुरक्षा अधिकारियों को थैले चैक करते देखता है तो पीछे मुड़ सकता है।
- अपने बाजू उठाते हैं ताकि विस्फोट के समय अधिकतम हो सके।
- यदि विस्फोटक युक्ति पहनी है तो आत्मघाती बमबार एक कोट या वेस्ट पहन सकता है जो बहुत बड़ी और भारी दिखाई दे और मौसम के अनुकूल न हो। बमबारों ने अपनी जैकेटों में विस्फोटकों को सीना आरंभ कर दिया है, इस प्रकार असाधारण सिलाई या पेंटी दिखाई दे सकती है।
- आत्मघाती बमबार के बीच के भाग के इर्द गिर्द असाधारण या संदेहास्पद उभाड़ हो सकते हैं।
- विस्फोटक लदे सहायता वेल्ट आत्मघाती बमबार के वस्त्रों में से दृश्य रूप से बाहर निकले हो सकते हैं। आत्मघाती बमबार वाडीसूट की रेंज 1-20 पाऊंड हो सकती है, इस सीमाकारी तत्व के साथ कि बाहरी वस्त्रों

के नीचे युक्ति को छिपाया जा सकता है।

- यदि विस्फोटक युक्ति ढोयी जा रही है, तो व्यक्ति सामान्यतः थैले या वस्तु पर मज़बूत पकड़ बनाए रखेगा और उसे अपने शरीर के पास रखेगा। वाहित की जाने वाली कोई कामचलाऊ विस्फोटक युक्ति किसी ऐसी वस्तु में आकस्मिक रूप से दिखाई दिए जाने से प्ररूपी रूप से छिपाई जाती है जो वातावरण के साथ मिल जाता है। युक्ति ले जाने के लिए बैक पैक्स का आम प्रयोग होता है।
- निषिद्ध क्षेत्रों में प्रवेश प्राप्त करने के लिए आत्मघाती बमबारों ने वर्दियां चोरी कर ली हैं।
- अत्यधिक बड़े साइज के जैकेट से या बैग में से निकली रस्सी या तार को युक्ति वहन करने वाले हाथ के इर्द गिर्द लपेटा होता है। आत्मघाती बमबार कई बार एक खींच प्रवर्तन को तरजीह देते हैं क्योंकि यह कालपूव विस्फोट को रोकता है जो स्विच या विद्युत प्रवर्तक के साथ आम तौर पर हो जाता है।
- असाधारण पानी की बू आ रुकती है जिसे फूलों से कशीद किया होता है ताकि स्वर्ग में जाने के लिए अच्छी सुगंध हो।

अन्य सूचक जिन के बारे में सोचा जा सकता है कि आत्मघाती हमले में शामिल हो सकते हैं :

- सीमा की छानबीन-आत्मघाती हमले के बारे में सोचने वाला व्यक्ति सुरक्षित क्षेत्र में घुसपैठ करने के लिए सीमाओं की छानबीन कर सकता है इससे पहले कि उसे पूछा जाए।
- शहादत पर चर्चा-एक व्यक्ति शहीद बन जाने के विचार पर चर्चा कर सकता है। कई स्थितियों में, परिवारों में अन्य की मृत्यु व्यक्ति की शहीद बनने की इच्छा को प्रबल बना देती है। जिन दो महिलाओं ने अगस्त 2004 में रूस में ज़हाज़ों को उड़ा दिया वे “काली विधवाओं” के नाम से जानी जाती थी, चेचन महिलाओं के लिए शब्दावली जिन्होंने पति, बाप, पुत्र या भाई लड़ाई में खो दिया है।
- आत्मघाती नोट या वीडियो-बहुत से आत्मघाती बमबार पीछे एक वीडियो या आत्मघाती नोट छोड़ देते हैं। वीडियो बहुधा किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा तैयार किए जाते हैं, इस प्रकार यह आसूचना प्राप्त करने के लिए भी संभव हो सकता है कि वीडियो कौन बना रहा है।
- भोग को छोड़ देना कई आत्मघाती बमबारों ने भोग को छोड़ दिया है।
- टार्गेट की निगरानी—जब किसी भी समय वाहन कई दिनों तक एक ही क्षेत्र में पार्क किए, इधर उधर चलते या खड़े किए जाते हैं तो इस सूचना की रिपोर्ट की जानी चाहिए ताकि निर्धारित करने के लिए जांच की जाए कि ऐसा क्यों हो रहा है।
- अवलंब खरीदना—आत्मघाती बमबारों को वस्त्र, लंबे कोट आदि खरीदने की ज़रूरत होती है ताकि अपने बमों को छिपा सकें।
- एक रासायनिक बू, धब्बे जलन चिट्ठन कुछ आत्मघाती बमबार अपने विस्फोटकों के साथ क्रियात्मक भी रहते हैं

और इसके फलस्वरूप, अपने बम के साथ “चिह्नित” बन जाते हैं।

- टनेल दृष्टि—बहुधा जब आत्मघाती बमबार अपने हमले के लिए वचन बद्ध हो जाते हैं तो उन्हें टनेल दृष्टि प्राप्त होती है-दूसरे शब्दों में वे एकनिष्ठ बन जाते हैं और जब तक हमला नहीं करते वे नहीं रुकते। उनको इस प्रकार की शिक्षा दी जाती है कि वे अपने कार्य को पूरा करने से पीछे नहीं हटेंगे।
- जेबों में हाथ-तारों छिपाने के लिए आत्मघाती बमबार बहुधा अपनी जेबों में हाथ डालेंगे।
- मौखिक आदेशों के प्रति उदासीन-इस क्षेत्र ने विधि प्रवर्तन एजेंसियों में संत्रास पैदा कर दिया है। बहुत सी एजेंसियों की “गोली मारो” या “गोली न मारो” की नीतियां होती हैं। कोई भी व्यक्ति या किसी अधिकारी या अन्य के लिए तत्काल खतरा नहीं है उसे गोली नहीं मारी जा सकती। यह एक समस्या है जिसकी विधि प्रवर्तन एजेंसियों का विश्वभर में जांच करनी चाहिए ताकि समाधान निकाला जाए, इससे पहले कि सजीव समस्या का सामना करना पड़े।

13. संदेहास्पद वाहनों की पहचान करना

- लाइसेंस प्लेट काम चलाऊ या बेमेल दिखाई देती है
- किसी केन्द्रीय स्थल पर या नो-पार्किंग क्षेत्र में लंबे समय से संदेहात्मक रूप से पार्क किया गया वाहन।
- वाहन जिसके पश्च सिरे अवदाब हैं या जो भारी लोड लिए दिखाई देती है।

14. विस्फोटकों का पता लगाने की विधियां

- (क) अरक्षित टारगेट स्क्रीनरों के लिए एक तेज़, सुवाह्य, विश्वसनीय तरीके की जरूरत है ताकि अवशेषों का पता चले सके जो सामान के अन्दर और अन्य थैलों में विस्फोटकों और अन्य खतरनाक वस्तुओं की मौजूदगी का पता लगा सके। विश्व व्यापी बाजार में बहुत प्रकार के विस्फोटक संसूचक उपलब्ध हैं। मूल्यों में बहुत विभिन्नता होती है और बहुधा विनिर्माता सही कीमत के बारे में चर्चा नहीं करते जब तक उनकी संभावित क्रेताओं से बात नहीं हो जाती। संसूचन युक्तियों में सुवाह्य पुंज स्पेक्ट्रम मिति, स्पन्दित न्यूट्रान टेक्नालोजी, आइटमाइज़र और विस्फोटक वाष्प संसूचक उपलब्ध हैं। अधिक संवेदी यन्त्रों में गैस क्रोमेटोग्राफी (जीसी) और जीसी पुंज स्पैक्ट्रममिति का प्रयोग होता है और वे बहुत महंगे होते हैं और उनके लिए उच्च प्रशिक्षित ऑपरेटरों की जरूरत होती है।
- (ख) सही संसूचक का चयन कई तत्वों पर निर्भर होता है जैसा कि यह जानना कि प्रयोक्ता किस प्रकार के विस्फोटकों का पता लगाने के लिए संसूचक चाहता है और कीमत, संरक्षा, एकान्तता, प्रयोग की आसानी, सुवाह्यता और निष्कर्ष देने के लिए प्रणाली की गति।
- (ग) निम्नलिखित समूहों के अनुसार उत्पादनों को वर्गीकृत किया जा सकता है :

1. वाष्प तकनीकें (स्निफ़र टाइप)

- (क) मास स्पेक्ट्रोमीटरी
- (ख) इलैक्ट्रान अभिग्रहण संसूचन

- (ग) कैमिल्यूमीनीसेंस
- (घ) आयन गतिशीलता स्पेक्ट्रोमीटरी
- (ङ) स्पन्दित न्यूट्रान टेक्नालोजी
- (च) प्रशिक्षित श्वान-K-9

2. गैर वाष्प तकनीकें (रेडियोग्राफी और न्यूट्रान बैक स्कैटर प्रणालियां और धातु संसूचक)

(घ) वाष्प तकनीकें

वाष्प तकनीकों में पैकेज को “सूघना” शामिल होता है ताकि निर्धारित किया जाए कि संदेहात्मक युक्ति विस्फोटक वाष्प निकाल रही है जिसका मानव नाक से पता नहीं चलता। यह सब से आसान विधि है।

यह गैर-वाष्प तकनीक से इस रूप में भिन्न है कि वाष्प तकनीकों में सुरक्षा कार्मिकों को युक्ति के “अंदर झांकने” की अनुमति नहीं दी जाती। रेडियोग्राफी और सीटी स्कैन टेक्नालोजी में युक्ति के भीतर का कुछ दृश्य देखने दिया जाता है और ऑपरेटर व्याख्या तकनीकों में प्रशिक्षित होना चाहिए। वाष्प संसूचक का प्रयोग करने के लिए व्याख्या की जरूरत नहीं होती क्योंकि सामान्यतः वाष्प मशीन ऑपरेटर के लिए अर्न्तवस्तुएं निर्धारित करती है।

(ङ) वाष्प तकनीक-प्रशिक्षित श्वान

- i. एक विस्फोटक संसूचन श्वान ऐसा श्वान है जो किसी बन्द या खुले स्थानों में विस्फोटकों की विभिन्न तकनीकों का सूंघकर पता लगाने योग्य होता है और तब विस्फोटक की पता लगायी बू के यथा संभव पास बैठकर श्वान मालिक को सतर्क करता है। किसी बड़ी घटना के पहले मानव और तकनीकी तलाशी में सहायता देने तलाशी स्थलों के लिए श्वान मूल्यवान होते हैं।
- ii. कुत्तों की तरह न होते हुए स्निफ़र थकते नहीं हैं। उन्हें खुराक और ध्यान की जरूरत नहीं होती। जब उनकी जरूरत न हो तो ऑपरेटर उन्हें नीचे बन्द कर सकते हैं। यद्यपि अधिकांश K9 श्वान स्निफ़रों से अधिक संवेदनशील होते हैं लेकिन सामान्यतः बिना आराम के वे 30 मिनट से अधिक देर तक काम नहीं कर सकते। कुत्तों के लिए चिकित्सा सेवा, खुराक और लगातार प्रशिक्षण की जरूरत होती है और इन सबसे क्रय लागत बढ़ जाती है।
- iii. बहुत से तलाशी अनुप्रयोगों के लिए श्वान अपनी तेज़ गतिशीलता और बू का उसे स्रोत तक पीछा करने की योग्यता के कारण इष्टतम पसन्द होते हैं। बहुत से श्वान सामान्यतः एक .5-2 किग्रा विस्फोटक की मात्रा को लगभग 5-70 मी. दूरी से 80% धनात्मक दर के साथ पता लगा सकते हैं।
- iv. विभिन्न दर्जों की संवेदनशीलताओं में प्रशिक्षित किया जाता है लेकिन वे सब कुछ हद तक सुरंग का पता लगा लेते हैं।

(च) गैर-वाष्प तकनीकें

गैर-वाष्प तकनीकों में रेडियोग्राफी, न्यूट्रान बैक स्कैटर प्रणालियाँ और धातु संसूचक शामिल होते हैं। स्पन्दित

गामा-रे रेडियोग्राफी विस्फोटकों, न्यूक्लियर सामग्रियों, नशीली दवाओं और रासायनिक कारकों के विरुद्ध प्रभावी होती हैं। इसका प्रयोग किसी पैकेज में रखी सामग्रियों के रासायनिक मिश्रण की पहचान के लिए उच्च परिशुद्धता और भेदन क्षमताओं के साथ किया जा सकता है। इस टेक्नालोजी का प्रयोग मुख्यतः भारी लोडों जैसे हवाई अड्डों, सरहदों, बन्दरगाह पर शिपिंग कन्टेनरों के निरीक्षण के लिए किया जाता है।

15. आई ई डी सम्भलाई प्रक्रियाएं

(क) करें और न करें

- i. कई लोग किसी युक्ति को उठाने या उसे तोड़कर निष्फल करने के लिए भयंकर रूप से प्रवृत्त होते हैं। यदि उनका प्रयास सफल हो जाता है, तो व्यक्ति एक नायक है, यदि प्रयास विफल होता है तो वह एक शिकार है। सुरक्षा कार्मिक सरल विस्फोटकों के प्रशिक्षण और कर्तव्य के प्रतिनिष्ठा के कारण इस परीक्षण का शिकार बन जाते हैं। कोई भी सम्पत्ति जीवन का मूल्य नहीं चुका सकती। बहुत बार, अत्यधिक सांघारिकता और अपंग बनने से आसानी से बचा जा सकता था। विश्वभर में बम निपटान अधिकारी और तकनीशन हर वर्ष मारे जाते हैं जब वे विस्फोटक युक्तियों के निपटान और निष्फल करने की कोशिश करते हैं।
- ii. यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि जब कोई सन्देहास्पद आई ई डी पायी जाती है तो किसी भी समय विस्फोट हो सकता है। विस्फोटन काल विलंब, गति संवेदी यन्त्रावलियों जैसा कि पारा स्विचों या पेंडुलमों, रसायन फ्यूजों या सद्ूर नियंत्रण बरास्ता रेडियो तार द्वारा घटित हो सकता है। इन्हीं कारणों से पाए जाने के स्थल को तत्काल खाली, प्रतिबंधित या पर्याप्त दूरी से सुरक्षित किया जाना चाहिए।
- iii. एक संदेहास्पद आई ई डी की स्थिति में यहां दिए गए संरक्षा पूर्वोपायों का पालन करें
 - नायक न बनो, बम दस्ते को बुलाएं।
 - विद्युत परिपथों की चालकता और रासायनिक कारकों के साथ क्रूर प्रतिक्रियाओं की संभावना के कारण किसी युक्ति को पानी में न डिबोएं।
 - संदेहास्पद मद को न हिलाएं। बम से लोगों को परे करे, बम को लोगों से परे न करें।
 - आई ई डी को प्रघात या धक्का न दें।
 - हस्त प्रवेश की कोशिश न करें।
 - संदेहास्पद पैकेज पर पहचान चिह्नों को वैध न मान लें।
 - पैकेज को धातु वस्तु के साथ पंक्चर या काट न करें खोज सह फ़्यूज़िंग का प्रयोग किया जाए ।
 - किसी संदेहास्पद वस्तु के पास रेडियो और सेल फोन संचारों की अनुमति न दें।
 - ढक्कनों को हाथ से न खोलें। चूड़ियों में खुले विस्फोटक मौजूद हो सकते हैं।
 - सैन्य आर्डनेंस पर सुरक्षित प्रक्रिया करने (आर एस पी) का प्रयास न करें। अहर्ताप्राप्त सहायता के लिए कहें।

- पहली दुर्घटनाओं या समान युक्तियों के आधार पर एक आई ई डी के एक निश्चित संरूपण की कल्पना करने या अपरिवर्तनीय रूप देने की कोशिश न करें।
- एक अज्ञात युक्ति की सब एहतियातें बरतें जब तक कि धनात्मक पहचान न हो जाए।
- संदेहास्पद युक्ति के पास धूम्रपान की अनुमति न दें।
- इसके आकार को देखते हुए किसी युक्ति की विस्फोटक क्षमता को कम न आंके। छल्ले या सिग्रेट लाइटर के आकार का चार्ज समीपस्थ व्यक्ति को मार सकता है या अपंग बना सकता है।
- किसी संदेहास्पद युक्ति का निपटान करते समय उच्च क्रम विस्फोट की पूर्वकल्पना न करें।
- समीपस्थ उपलब्ध ई ओ डी कार्मिकों का पता लगाएं, सहयोग दें और ताल मेल करें।
- किसी संदेहास्पद मद के साथ संपर्क समय या प्रकटाव समय यथासंभव न्यूनतम रखें।

(ख) उपयुक्त अनुक्रिया

किसी संदेहास्पद बमबार का पता चलने पर सुरक्षा अधिकारी या प्रतिनिधि के लिए यह महत्वपूर्ण है कि निम्नलिखित सूचना की रिपोर्ट तत्काल पुलिस अधिकारियों को करे:

- संदेहास्पद व्यक्तियों का पूर्ण ब्योरा
- वे कहां हैं
- वे संदेहास्पद क्यों है—वस्त्रों में उठा दिखाई देती आई ई डी आदि
- शारीरिक संवेदनाओं का वर्णन करें (पसीना आ रहा है, गुस्से में है, शांत है आदि)
- क्या कोई शस्त्र देखा गया है
- क्या कोई वस्तु लिए हुए है
- क्या उनके साथ कोई है
- कोई वाहन
- समीपस्थ कोई सुस्पष्ट टारगेट यानी संवेदी परिसर, वी आई पी पते आदि

(ग) सुरक्षा उपाय

इस समय के दौरान अधिकारी की सुरक्षा सर्वोपरि होती है और निम्नलिखित बातें याद रखी जानी चाहिए:

- संदेहास्पद व्यक्ति का ठिकाने और विवरण की पुष्टि करें
- आड़ लेना 100 मी तक हट जाएं, जहां संभव हो दृष्टि सम्पर्क बनाए रखें
- पर्यवेक्षक से सम्पर्क करें और सहायता की प्रार्थना करें

- सिविलियनों को सुरक्षा के स्थान की ओर भेजें
- अन्य साथी अधिकारियों का खतरा क्षेत्र में आने से रोकें
- यदि संभव हो तो नियंत्रित करें लेकिन व्यक्तिगत सुरक्षा को जोखिम में डालकर नहीं
- संबंधित सूचना, परिदृश्य के प्रकार और उपलब्ध सूचना पर विचार करें
- अन्य संदेहास्पद व्यक्तियों या युक्तियों के लिए जांच करें

(घ) एक आत्मघाती बमबार स्थिति को कम करना

- i. जब पूर्व उपाय विफल हो जाएं तो सुरक्षा कर्मचारियों को जानकारी होनी चाहिए कि उस स्थिति को कैसे हल्का बनाया जा सकता है जिसमें एक संदेहास्पद या वास्तविक आत्मघाती बमबार शामिल है।
- ii. जब एक आत्मघाती बमबार टारगेट की ओर जाता है/जाती है को उसे रोक पाना अत्यन्त कठिन होता है। जब बमबार खोज निकाले जाते हैं या उनका सामना किया जाता है तो कब्जे में लिए जाने की बजाए वे बहुधा बम का विस्फोट करेंगे। उदाहरणार्थ, मास्कों के सबसे बमबारी में, महिला आत्मघाती बमबार ने मेट्रो स्टेशन में दाखिल होने की कोशिश की लेकिन दो पुलिस अधिकारियों को प्रवेश द्वार के पास दस्तावेज़ चैक करने और बैगों की तलाशी लेते देख वह घूम गई। तब उसने स्टेशन के पास एक भीड़ में बम का विस्फोट कर दिया।
- iii. सुरक्षा अधिकारियों को जानकारी होनी चाहिए कि आत्मघाती बमबार अपनी और यथा संभव बहुत से अन्य लोगों की मृत्यु के लिए वचनबद्ध है। यदि वह इष्टतम स्थल पर नहीं पहुंच पाता तो इसका यह अर्थ नहीं है कि अन्य समीपस्थ स्थल उसकी सीमा से परे हैं। सुरक्षा कर्मचारियों को निर्णय लेना चाहिए कि जीवन की क्षति और हानि को कैसे सर्वोत्तम तरीके से कम किया जा सकता है।

(ङ) आत्मघाती बमबारों के प्रति अनुक्रिया

प्ररूपी रूप से अधिकारी अपने आपको एक या दो परिदृश्यों में पा सकते हैं जब उन्हें किसी आत्मघाती बमबार से वास्ता पड़ता है। स्थिति को हल्का करने के लिए किसी भी स्थिति में कुछ उपाय किए जा सकते हैं:

1. यदि संदेहास्पद व्यक्ति पुलिस अफ़सर/अफ़सरों की मौजूदगी से बेखबर है :
 - तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम या समीपस्थ पुलिस यूनिट को सूचित करें।
 - विस्मय के तत्व का प्रयोग करते हुए अधिकारी इस बात पर विचार कर सकते हैं कि चोरी छिपे संदेहास्पद व्यक्ति तक पहुंचे और उसके दोनों बाजूओं का पकड़ लें ताकि उन्हें देह से दूर रखा जाए। उद्देश्य यह है कि संदेहास्पद व्यक्ति को बम को सक्रिय करने से रोका जाए। स्विच छाती क्षेत्र में है या हाथ में पकड़े होते हैं।
 - एक बार जब संदेहास्पद व्यक्ति के हाथ पकड़ लिए जाते हैं, तो अधिकारी उससे बात चीत करें, अपने कृत्यों के बारे में बतायें और उसका स्वैच्छिक अनुपालन प्राप्त करने की कोशिश करें। अधिकारी उसे भूमि पर नहीं ले जाएंगे ताकि आकस्मिक प्रस्फोटन से बचा जाए।

- अन्य उच्च जोखिम स्थितियों के विपरीत, संदेहास्पद व्यक्ति से अत्यधिक निकटता वांछनीय है ताकि तत्काल संपर्क और नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए।
2. यदि संदेहास्पद व्यक्ति पुलिस अफ़सर/अफ़सरों की उपस्थिति की जानकारी रखता है
- ओट लें और सामरिक लाभ बनाए रखें।
 - यदि संभव हो तो उस तक न पहुंचें।
 - एक उपयुक्त (सुरक्षित) स्टैंड आफ दूरी बनाए रखें
 - सहायता की मांग करें और उपस्थित अफ़सरों को ओट स्थितियों में तैनात करें
 - संदेहास्पद व्यक्ति को आदेश दें कि हिलना जुलना बन्द करे। संदेहास्पद व्यक्ति को लोगों के भारी समूहों की ओर आगे न जाने दें
 - क्षेत्र में दर्शकों से कहे तत्काल चले जाएं
 - यदि संपर्क अधिकारी के निर्देशों का पालन करते हुए संदेहास्पद व्यक्ति रुक जाता है :
 - संदेहास्पद व्यक्ति से कहें कि दोनों हाथों की हथेलियां खोल दें और दिखाए कि उनमें कुछ भी नहीं है।
 - संदेहास्पद व्यक्ति से घूम जाने और अपने बाहरी वस्त्र गर्दन स्तर तक उठाने को कहें।
 - एक बार जब संदेहास्पद व्यक्ति के हाथ और कमर क्षेत्र दिखाई दे रहे हैं और संदेह की जाने वाली कोई चीज़ दिखाई नहीं दी तो संपर्क अधिकारी संदेहास्पद व्यक्ति को आदेश दे सकता है कि उच्च जोखिम घुटने टेकने या उच्च जोखिम खड़ा होने की स्थिति में रहे जब तक कि बम दस्ता नहीं आ जाता। उच्च जोखिम अभिमुख स्थिति से बचें क्योंकि बम के टांके संदेहास्पद व्यक्ति की छाती या कमर क्षेत्र में स्थित हो सकते हैं।
 - अधिकारियों को ओट की स्थिति में रहना चाहिए और दर्शकों का निकास करना चाहिए।
 - सावधान रहें कि हथियार फेंकने वाला बमबार वास्तव में पहले आगे आने वालों को प्रेरित कर रहा हो। संदेहास्पद व्यक्ति के पास न जाएं
 - बम दस्ते की प्रतीक्षा करें।
3. यदि रुकने के लिए संपर्क अफ़सर के निर्देशों का संदेहास्पद व्यक्ति पालन नहीं करता :
- तो समझौता वार्ता करने के लिए आतंकवादी के पास पहुंचने का प्रयास न करें। हो सकता है कि आतंकवादी को धार्मिक रूप से धर्मोन्माद के लिए प्रेरित किया गया हो इसलिए उसके साथ तर्क संगत समझौता वार्ता व्यर्थ होगी?
 - दर्शकों को बारबार चेतवानी दें कि क्षेत्र छोड़ दें
 - ओट की स्थिति बनाए रखें और संदेहास्पद व्यक्ति की क्रियाओं को मानीटर करें

- आत्मघाती बमबार को रोकने के लिए पुलिस श्वानों का बलिदान भी जरूरी हो सकता है
 - संदेहास्पद व्यक्ति की क्रियाओं के आधार पर उसे रोकने के लिए अफसर प्राणहर बल का प्रयोग कर सकते हैं (यानी अफसरों ने यह विश्वास करने के लिए संभावित कारण स्थापित कर लिया है कि संदेहास्पद व्यक्ति के कबजे में एक विस्फोटक युक्ति है, और वे विश्वास करते हैं कि संदेहास्पद व्यक्ति उनके लिए और अन्य के लिए मृत्यु और गम्भीर शारीरिक क्षति की तत्काल आशंका प्रस्तुत करता है।
4. प्राणहर बल का प्रयोग करना
- i. जब एक संदेहास्पद या पक्के हत्यारे बमबार का सामना करना है तो विधि या प्राणहर बल प्रयोग की नीति का कोई अपवाद नहीं है। एक अधिकारी प्राणहर बल का प्रयोग किसी को रोकने के लिए नहीं कर सकता जिसके बारे में “मात्र” संदेह है कि वह एक हत्यारा बमबार है। अधिकारी के पास प्राणहर बल के प्रयोग से पहले यह विश्वास करने का संभावित कारण होना चाहिए, मात्र प्रतिभ या संदेह नहीं कि संदेहास्पद व्यक्ति जीवन के लिए एक तत्काल आशंका प्रस्तुत करता है। यदि अधिकारी संदेहास्पद व्यक्ति के पास विस्फोटक युक्ति देखता है और विश्वास करता है कि संदेहास्पद व्यक्ति अधिकारी और अन्य लोगों के लिए मृत्यु या गंभीर शारीरिक क्षति की तत्काल आशंका प्रस्तुत करता है तब प्राणहर बल युक्तियुक्त है क्योंकि अधिकारी ‘एक अपराध को रोकने की कोशिश कर रहा है जहां संदेहास्पद व्यक्ति के कृत्य व्यक्तियों को मृत्यु और गंभीर शारीरिक क्षति के जोखिम में रख देंगे।’
 - ii. जहां प्राणहर बल आवश्यक है और यह विश्वास किया जाता है कि संदेहास्पद व्यक्ति शरीर कवच पहने है, तो संदेहास्पद व्यक्ति को रोकने के लिए सिर में एक गोली आवश्यक हो सकती है, इसी प्रकार एक हत्यारे बमबार के साथ प्राणहर बल स्थिति में अधिकारी विवश होकर सिर में एक गोली मारने का प्रयास करेगा ताकि संदेहास्पद व्यक्ति द्वारा युक्ति के प्रस्फोटन को रोका जाए। चूंकि हत्यारा बमबार बम को बेल्ट या वेस्ट के रूप में ऊपरी धड़ में पहन सकता है, इसलिए इस क्षेत्र में एक छर्पा प्रस्फोटन का प्रवृत्त कर सकता है, इसलिए इन परिस्थितियों के अंतर्गत सिर में एक गोली विशेषत— नाक की नोक पर और पीछे से खोपड़ी के आधार के नीचे आवश्यक होगी। सिर को छोड़कर किसी अन्य स्थान पर गोली मारने से बमबार केवल ज़ख्मी ही हो सकता है और बमबार भी अपनी युक्ति को प्रस्फोटित कर सकता है। बमबार को अशक्त करने के लिए लेज़र या स्टेनगन का प्रयोग न करें क्योंकि विद्युत डिस्चार्ज से युक्ति प्रस्फोटित हो सकती है।
5. जब संदेहास्पद व्यक्ति को निष्प्रभावित कर दिया गया है
- संदेहास्पद व्यक्ति के पास न पहुंचें और तत्काल उसका प्रथमोपचार न करें।
 - दूसरों को संदेहास्पद व्यक्ति के पास पहुंचने न दें। संदेहास्पद व्यक्ति जीवित हो सकता है और पास पहुंचने पर वह जान बूझकर या अनजाने में विस्फोटकों का प्रस्फोटन कर सकता है। यदि संदेहास्पद व्यक्ति मृत भी दिखाई देता है तो भी उसके पास न जाएं क्योंकि विस्फोटकों में बाधा-रोधी युक्तियां हो सकती हैं, एक टाइमर या अन्य यंत्रावलिियां जो प्रस्फोटन उत्पन्न करने के लिए होती है।

- क्षेत्र को तत्काल खाली कराएँ। विस्फोटक युक्ति अभी भी किसी अन्य साधन द्वारा प्रस्फोटित हो सकती है। कमांड प्रस्फोटन के लिए युक्तियों में कार्डलैस फ़ोनो का प्रयोग किया गया है। इस तथ्य को खारिज न करें कि बम का एक 'फ़ेल सुरक्षित' बेतार प्रवर्तक हो सकता है और इस प्रकार एक प्रेक्षक विस्फोटकों का प्रस्फोटन कर सकता है। यदि बमबार युक्ति का प्रस्फुटित करने के योग्य न हो या इच्छुक न हो।
- अधिकारियों को बमबार के चारों ओर न्यूनतम 100 मी. की दूरी बनाए रखनी चाहिए।
- ओट तलाश करें और बनाए रखें।
- विखंडन रेंज के बाहर एक जांच क्षेत्र और अपराध स्थल घेरा स्थापित करें और बम दस्ते के आने की प्रतीक्षा करें।

16. सुरक्षित बचाव अवरोध

- i. स्थाई अवरोध सामान्यतः ऐसी संरचनाओं को ब्लास्ट दीवारों के रूप में निर्दिष्ट करता है जो स्थाई सुविधा कठोरीकरण उपाय के रूप में रहने के लिए अभीष्ट है। अधिभुक्त संरचनाओं के तत्काल सामने एक ब्लास्ट दीवार का निर्माण पर्याप्त सुरक्षा प्रदान कर सकता है। ब्लास्ट दीवार एक परावर्तित स्पंद से एक दुर्घटना स्पंद तक दाब को प्रभावी ढंग से घटाता है, जिससे घटी हुई स्टैंड आफ दूरियों की अनुमति दी जाती है। ब्लास्ट दीवारें अतिविशाल हो सकती हैं तथापि अपेक्षित ऊंचाई रक्षित संरचना ऊंचाई से डेढ़ गुणा के बराबर हो सकती है और चौड़ाई रक्षित संरचना की चौड़ाई से दो गुणा हो सकती है। दीवार भवन के रक्षित अग्रभाग से एक मंजिल ऊंचाई तक से कम पर स्थित की जानी चाहिए।
- ii. रचनात्मक भवन उत्पाद (सी बी पी) बहुत प्रकार के अवरोध उपलब्ध कराते हैं जो विस्फोटक जोखिमों से रक्षित संरचनाओं और व्यक्तियों की रक्षा करने के लिए इस्तेमाल की जा सकती हैं। उनकी वैबसाइट www.soacorp.com पर इन उत्पादों के बहुत से वीडियो और ब्राउशर उपलब्ध हैं

1. ब्लास्ट दीवारें :

एक भवन पर बनाई ये रक्षी दीवारें ऊर्ध्वाधर पृष्ठों पर दुर्घटना दाबों के स्तर तक परावर्तित दाबों को कम करने के लिए डिज़ाइन की गई है।

2. ब्लास्ट अवरोध :

ब्लास्ट अवरोध चैक प्वाइंटों पर लगाए जाते हैं और ब्लास्ट को उनकी छाया में उस स्तर तक क्षीण करती है जो कठोरीकरण संरचनाओं के लिए स्वीकार्य होती हैं। ब्लास्ट अवरोध परंपरागत और अभियान संरचनाओं के लिए पर्याप्त रूप से ब्लास्ट क्षति को कम नहीं करती और इस प्रकार उनका क्रियान्वयन गलत ढंग से किया जाता है।

3. विखंडन अवरोध :

विखंडन अवरोध चैक प्वाइंटों के पास और गार्ड स्थलों में लगाए जाते हैं ताकि बम से प्रारंभिक मलबे और द्वितीयक मलबे के संघट्ट के पास से सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए।

4. भू-पूरित अवरोध :

- i. भू पूरित अवरोध प्ररूपी रूप से संरचनाओं के इर्द-गिर्द स्थापित किए जाते हैं ताकि ब्लास्ट विखंडन क्षति सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए और इसमें मिट्टी से भरी बॉस्केट दीवारें और रेत की बोरियों जैसी वस्तुएँ शामिल होती हैं। विखंडन सुरक्षा के रूप में इस प्रकार का अवरोध बहुत अच्छी तरह से काम करता है, तथापि ये अवरोध संरचनात्मक क्षति को परावर्तित दाबों को दुर्घटना दाब स्तरों तक घटाते हुए केवल थोड़ा ही कम कर पाते हैं।
- ii. परीक्षणों से पता चलता है कि पानी अवरोध (प्लास्टिक) उतने प्रभावी नहीं होते जितने कि सीमेंट अवरोध, वे एक प्रभावी 'धक्का रोधी' अवरोध नहीं होते। वाहन उन्हें आसानी से ध्वस्त कर सकते हैं। इसके अलावा कोई आतंकवादी प्लास्टर अवरोध में एक छेद बनाकर एक पूर्व प्रचालन संचालित कर सकता है और पानी को निकाल देता है। सुरक्षा कार्मिक शायद ही कभी अवरोध का यह देखने के लिए चैक करते हैं कि यह बहुत कम तो नहीं। मिट्टी से पूरित एक सीमेंट अवरोध की सामान्यतः देखरेख नहीं करनी पड़ती।
- iii. अवरोध स्थिर होने चाहिए यानी पृष्ठ पर बने अवरोध नहीं होने चाहिए, उन्हें स्थायी बनाएँ। इससे स्थल प्रबंधकों और अन्य सुरक्षा से असंबंधित व्यक्तियों को रोका जाता है कि बिना बताए कारणों जैसे असुविधा के लिए अवरोधों को न हटाएँ। यदि अवरोध भू-दृश्य का एक भाग हैं तो वे न केवल आंखों को सुहावने लगते हैं बल्कि वे ऐसे कारणों जैसे ग्राहकों या कर्मचारियों को असुविधा जैसे कारणों का विरोध करते हैं। 'मिट्टी पूरित' कंकरीट प्लांटर भू-दृश्य-निर्माण और भौतिक सुरक्षा के मिश्रण का आदर्श तरीके हैं।
- iv. स्थल भू-दृश्य और अवरोधों का प्रयोग करके 'स्ट्रीट-स्केपिंग' द्वारा धन का उचित प्रयोग कर सकते हैं। इससे स्थल अपनी पसंद के स्थल पर संभावित वी बी आई ई डी प्रस्फोटन को निर्देशित कर सकते हैं। उदाहरणार्थ:
 - परिवहन के लिए लोगों द्वारा प्रतीक्षा करने के लिए सीमेंट के बेंच बनाए जा सकते हैं और यह वाहन अवरोध का भी काम करते हैं।
 - जिस कंकरीट आधार पर स्ट्रीट लाइटें आरोहित हैं इन्हें इतना मोटा बनाया जा सकता है कि धक्का-रोधी अवरोधों के रूप में भी काम करें।
 - वाहनों और कार्मिक निरीक्षण क्षेत्रों में ब्लास्ट दीवारें विस्फोट को दिशा देती हैं और अवखंडों को नियंत्रित करने में सहायता देती हैं।
 - स्थल में पहुँचने के लिए वाहनों के लिए एक नए चालन पर विचार करना ठीक रहेगा।
 - लक्ष्य के लिए सब चालन ढलानों को सामान्य यातायात के लिए बंद किया जा सकता है लेकिन पूर्व निरीक्षित सेवा वाहनो या विशेष समारोह वी आई पी के लिए खोला जा सकता है।

5. निरीक्षण क्षेत्र और चैक प्वाइंट :

- i. यह महत्वपूर्ण है कि एक आई ई डी प्रस्फोटन के परिणामों को ध्यान में रखा जाए। याद रखें कि विस्फोट से एक गड्ढा बन जाएगा। वाहन निरीक्षण और उतराई क्षेत्र लक्ष्य भवन से यथासंभव दूर होने चाहिए। निरीक्षण क्षेत्र की योजना बनाने में अतिसावधान रहें, इस बात को याद रखें कि उस स्थल पर बम प्रस्फोटित होगा।
- ii. इस क्षेत्र के लिए आयोजन में ये बातें शामिल हैं कि एक बार जब युक्ति विस्फोटित होती है तो क्या अग्नि विभाग और बचाव कर्मचारी भवन तक पहुंच सकते हैं, क्या गैस, जल और संचार लाइनें निरीक्षण बिंदु के अधीन हैं, और क्या प्रवेश मार्गों का कठोरीकरण कर दिया गया है ताकि विस्फोट और विखंडन को विक्षेपित किया जा सके। सामान्यतः ब्लास्ट दीवारों दीवार की ऊंचाई तक ही अच्छी होती हैं। दीवार से ऊपर कोई भी चीज़ अब भी विस्फोट और विखंडन को प्राप्त करेगी। अवरोध के पीछे का क्षेत्र विस्फोट तरंग के पुनरुत्पादन को तेजी से अनुभव कर सकता है जिसमें भवन की क्षमता से अधिक लोडिंग के कारण संरचना की क्षति होगी।
- iii. कार्मिक स्क्रीनिंग क्षेत्रों को 15-20 से.मी. के प्रबलित सीमेंट से बनाया जा सकता है, जो सिर की ऊंचाई से थोड़े ऊंचे होंगे। एक निरीक्षण कक्ष आदर्श होता है, लेकिन न्यूनतम के रूप में मैग्नेटोमीटर चैक प्वाइंट की तीन ओर ब्लास्ट दीवारों होनी चाहिए ताकि विखंडन को रोका जाए और दाब को पश्च की ओर निकलने देना चाहिए (बमबार के पीछे, टारगेट से परे)। एक सी सी टी वी कैमरा लगाने से न केवल अत्यावश्यक सूचना रखने वाले जांचकर्ताओं की सहायता होती है बल्कि सुदूर निगरानी भी उपलब्ध कराती है जो अतिरिक्त सुरक्षा और तीव्र अनुक्रिया होती है यदि स्थल पर स्क्रीनर पर काबू पा लिया जाता है।
- iv. वी बी आई ई डी का 80% वाहनों के ट्रकों में होता है। खोजी छोटे पैकेजों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रवृत्त होते हैं बजाए इसके कि सामान्यतः एक बड़े पैकेज को लें। वे नशीली दवाओं या निषिद्ध वस्तुओं की तलाश नहीं कर रहे हैं, जरूरत इस बात की है कि वे एक विस्फोटक युक्ति यानी 22 कि.ग्रा. विस्फोटकों की तलाश करें।

6. कांच जोखिम कम करना :

- i. सांख्यिकीय रूप से हताहतों और मृतकों की संख्या 80% से अधिक विस्फोट से उड़ते कांच के कारण होता है। जब खिड़कियां टूट जाती हैं तो कांच टुकड़ों के जोखिम को सीमित करने का एक तरीका विखंडन अवरोध फिल्म (एफ आर एफ) होती है। एफ आर एफ अपेक्षाकृत कम लागत की होती है लेकिन ब्लास्ट परदों या कैच बार के साथ इनका प्रयोग जरूर किया जाना चाहिए ताकि खतरनाक कांच को अधिक प्राणहर बनने से रोका जाए।
- ii. अनुरूपान्तर संभावित कांच टुकड़ों को निम्न जोखिम स्तरों तक, फिल्मों और कैच बार के साथ टुकड़ों को प्रतिधारित करके, काम कर सकते हैं। बाजार में उपलब्ध पोलिस्टर 'डेलैइट एप्लीकेशन' सुरक्षा खिड़की फिल्मों का कैचर बार प्रणाली के साथ प्रयोग करके सुदृढ़ बनाए कांच टुकड़ों को प्रतिघाटित और नियंत्रित

किया जा सकता है। 18 मि.मी. की न्यूनतम मोटाई की फिल्म का प्रयोग किया जाना चाहिए। जब कांच टुकड़े फिल्म पर रुके रहते हैं तो कुंठित ट्रामा जोखिम के बने रहने के कारण कैच बारों की सिफ़ारिश की जाती है जब खिड़कियों पर फिल्म अनुरूपान्तर लगे हों। संरक्षा ड्रेप (वस्त्र आवरण) नामक एक उत्पाद का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है जो एफ आर एफ के बिना काम करता है और यह अकेला श्रेष्ठ उत्पाद है। इसे किसी दीवार या खिड़की-संरूप में सरलता और तीव्रता से कार्यस्थल की न्यूनतम बाधा के साथ लगाया जा सकता है।

- iii. यदि बम इसके आगे ही फूट जाता है तो एफ आर एफ कार्य नहीं करेगा। 30 मी. से कम दूरी पर एफ आर एफ दबा दिया जाता है। इसका अर्थ है कि बड़े वीबीआईडी टाइप चार्ज वज्रों के होते हुए भी कम दूरियों पर ब्लास्ट दाबों से एफ आर एफ के दब जाने की संभावना है। भवनों के पाशवों के लिए एफ आर एफ प्रभावी होता है जो अब भी कांच क्षति प्राप्त करेगी। चाहे कुछ हद तक विखंडन पैटर्न ढांचे द्वारा अवरुद्ध किया जाता है फिर भी ढांचे के पाशवों के इर्द-गिर्द दाब अब भी हो सकते हैं जैसे कांच टुकड़े उत्पन्न होते हैं। एफ आर एफ मुख्यतः बहुत छोटे विस्फोटकों या संपार्श्विक क्षति से सुरक्षा के लिए अभीष्ट है यदि ढांचा अभीष्ट लक्ष्य न हो जैसे पास-पड़ोस ब्लाकों में कोई लक्ष्य।
- iv. संरक्षा वस्त्र आवरण (ब्लास्ट परदे) एक विकल्प है लेकिन वे महंगे हो सकते हैं। इसका एक अलाभ यह है कि अनुरक्षण कर्मी या ग्राहक उन्हें खोल सकते हैं और आवरणों को सफाई के लिए नीचे उतारा जाएगा। दूसरी ओर, ड्रेपरी और कार्पेट सफाई की मांग कभी-कभार या बहुत से अरक्षित लक्ष्य स्थलों में एक कार्यक्रम के अनुसार हो सकती है।
- v. कुछ उदाहरणों में, 8 मि.मी. मोटाई वाली खिड़की फिल्म ब्लास्ट आवरणों की तुलना में अधिक प्रभावी और किफ़ायती हो सकती है।
- vi. इस बात पर विचार करना भी महत्वपूर्ण है कि यदि किसी स्थल में फिल्म लगाई जाती है और 4-6 साल बाद, स्थल से फिल्मों को हटाने की ज़रूरत पड़ती है तो फ्रेम क्षति के कारण खिड़की के बदलाव की ज़रूरत होगी।
- vii. यह महत्वपूर्ण है कि सुरक्षा उत्पादों में निवेश करने से पहले बाजार में उपलब्ध रक्षी उत्पादों के विभिन्न वर्गीकरणों की पूरी तरह से जांच की जाती है।

7. सुरक्षित दूरियां :

- i. किसी संदेहास्पद युक्ति या व्यक्ति के इर्द-गिर्द एक सुरक्षित क्षेत्र बनाए रखें (एक छोटी युक्ति से न्यूनतम 300 मीटर, वैन आकार युक्ति के लिए 1000 मीटर और ट्रक आकार युक्ति से 2000 मीटर)। इस क्षेत्र का उद्देश्य स्थल में अवांछित व्यक्तियों के प्रवेश को रोकना है (उनकी अपनी और बम दस्ते की सुरक्षा के लिए), आगे जांच के लिए दृश्य बनाए रखना, कमांड प्रवर्तित आई ई डी के विरुद्ध बाहरी बचाव और सुरक्षा उपलब्ध कराना। एक सुरक्षा बल जिसका फार्म उपलब्ध परिसंपत्तियों, कर्मचारियों और परिधि की उपलब्धता पर निर्भर करता है। द्वितीयक आई ई डी की जांच किसी क्षेत्र के इर्द-गिर्द जहां एक परिधि की स्थापना अपेक्षित है।

- ii. ब्लास्ट अतिदाब और विखंडन के प्रभावों को न्यूनतम बनाने के लिए यह जरूरी है कि क्षेत्र को उचित ढंग से खाली किया जाए। अनुभव और परीक्षण के माध्यम से विधि प्रवर्तन कर्मचारियों के पास बहुत से चार्ट उपलब्ध हैं जो किसी क्षेत्र से निष्क्रमण में सहायता देते हैं। इन चार्टों में संस्तुत निष्क्रमण दूरियां दी गई हैं जो आशंका के आकार पर आधारित होती हैं। संस्तुत दूरियों के एक उदाहरण के लिए नीचे तालिका 2 देखें।

अध्याय 8

जोखिम प्रबंध और जोखिम मूल्यांकन प्रक्रम

1. भूमिका

आजकल राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और प्रौद्योगिकीय परिवर्तन द्रुतगति से हो रहे हैं और बचाव का कार्य बहुत जटिल बन गया है। इसके साथ ही, सुरक्षा के लिए संसाधन बहुत सीमित हो गए हैं। इसलिए एक योजनाबद्ध पहुंच की जरूरत है कि परिसम्पत्तियों की सुरक्षा और सुरक्षा संसाधनों के आबंटन में निर्णय निष्पादकों के समर्थन के लिए आवश्यक सूचना प्राप्त की जाए और उसका विश्लेषण किया जाए।

2. जोखिम प्रबंध और उसका महत्व

- (क) जोखिम प्रबंध को सुरक्षा प्रबंधकों, विश्लेषकों और तकनीशियनों की उनकी नौकरियों के दैनिक निष्पादन में सहायता देने के लिए एक साधन के रूप में अभिकल्पित किया गया है और इसमें समर्थक योजना, क्रियान्वयन और मूल्यांकन करने वाली जोखिम आधारित नीतियों को लिया गया है। चूंकि जोखिम प्रबंध में किसी सुविधा या विनिर्दिष्ट क्षेत्र में अंतर्विष्ट परिसंपत्तियों की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, यह प्रक्रम किसी अच्छी सुरक्षा योजना का क्रांतिक घटक होता है। वास्तव में जोखिम प्रबंध प्रक्रम एक स्वीकार्य सुरक्षा योजना के विकास के लिए मूलभूत होता है।
- (ख) जोखिम प्रबंध इस प्रकार अभिकल्पित है कि जोखिम विश्लेषक की सहायता की जाए कि वह जोखिम के वर्तमान स्तर, पहचाने गए जोखिम को कम करने के लिए उपाय और प्रत्युपाय और प्रत्युपायों की लागत निर्धारित कर सके। अतः, जोखिम प्रबंध एक तार्किक प्रक्रम है जिसका प्रयोग हमारी परिसंपत्तियों की पहचान करने और निर्धारित करने के लिए किया जाता है कि एक अवांछित घटना के लिए वे कैसे जोखिम पर हैं। एक योजनाबद्ध प्रणाली विज्ञान, जोखिम प्रबंध प्रक्रम के प्रत्येक चरण के भीतर तटस्थता और संरचना और रिकार्ड कीपिंग उपलब्ध कराता है।
- (ग) यह पहुंच यह सुनिश्चित करने में सहायता देती है कि निर्णय निष्पादकों को विश्वसनीय और रक्षणीय सिफारिशें उपलब्ध कराई जाती हैं जो एक विशेषज्ञ के निर्णय या स्मृति की बजाए वस्तुगत दृष्टि से एकत्र डेटा पर आधारित होती हैं। जोखिम प्रबंध प्रक्रिया का प्रयोग सुरक्षा जरूरतों को स्पष्ट करने या उचित ठहराव के लिए और क्रांतिक

परिसंपत्तियों के बचाव के लिए उन ज़रूरतों के क्रियान्वयन के लिए व्यय के लिए जरूरत के लिए किया जा सकता है।

3. पदों की परिभाषा

जोखिम प्रबंध प्रक्रम को विस्तारपूर्वक लेने से पहले, दो मुख्य पदों को नीचे परिभाषित किया गया है:

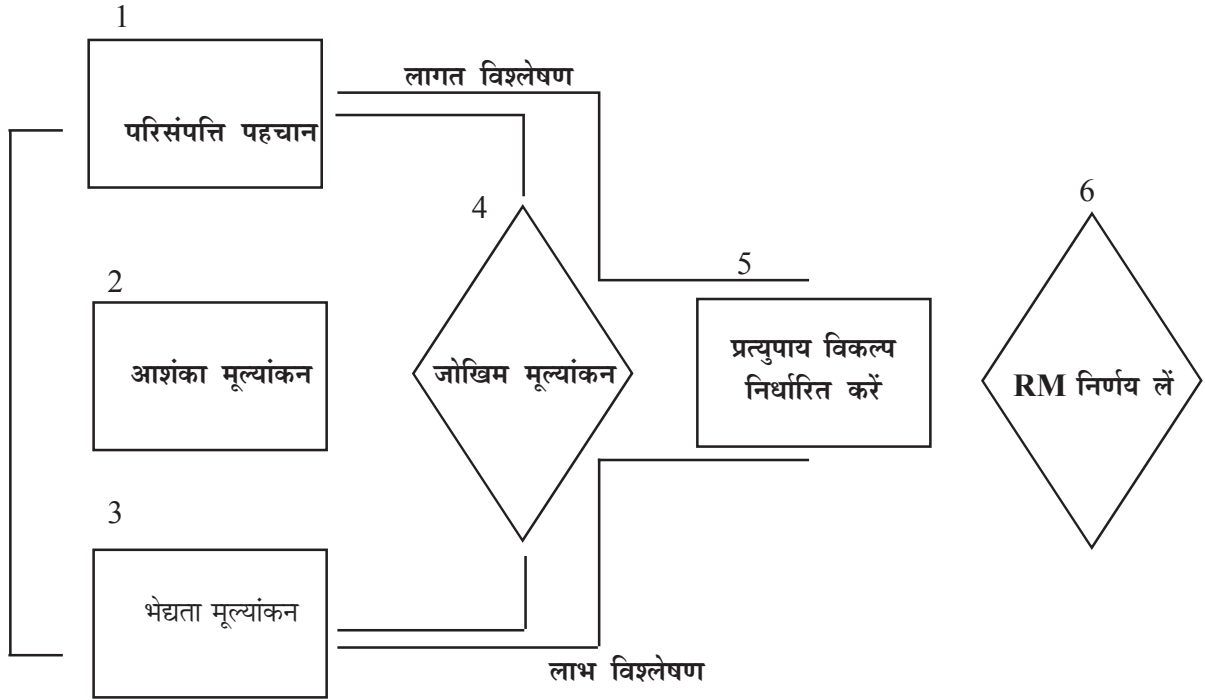
- (क) जोखिम प्रबंध प्रक्रम भेद्यताओं की पहचान के लिए एक अविरत प्रक्रम जिससे कोई विरोधी लाभ उठा सकता है और संभावित जोखिम घटाने के प्रत्युपाय।
- (ख) जोखिम प्रबंध-जोखिम का एक स्वीकार्य स्तर एक स्वीकार्य लागत पर प्राप्त करने के लिए प्रत्युपायों के चयन और क्रियान्वयन की प्रक्रिया।

4. जोखिम प्रबंध माडल

- (क) जोखिम प्रबंध माडल एक चाक्षुष प्रवाह चार्ट उपलब्ध कराता है कि जोखिम विश्लेषण और प्रबंध प्रक्रम कैसे काम करता है। जैसे कि हम माडल को देखते हैं हम उन उपायों को देख सकते हैं जो सुरक्षा आयोजकों द्वारा जोखिम मूल्यांकन को वरिष्ठ प्रबंध को भेजने से पहले लेने चाहिए।
- (ख) जोखिम मूल्यांकन प्रक्रम जोखिम व्यक्त करता है जिसे जरूरी परिसंपत्तियों संभावित विनाश, विघटन या नकार के रूप में, सूत्र में, परिभाषित किया गया है :

$$\text{जोखिम} = \text{अवांछित घटना का संघट्ट} \times \text{आशंका} \times \text{भेद्यता या } R = I \times T \times V$$

- (ग) दूसरे शब्दों में जोखिम मूल्यांकन (R) एक विरोधी (T) द्वारा एक पहचानी गई भेद्यता (V) के सफल शोषण की संभावना का मूल्यांकन करता है और परिसंपत्तियों पर परिणामी दर्जे की क्षति या संघात (I) होता है। मूलतः जोखिम प्रबंध इष्टतम परिणाम प्राप्त करने के लिए सुस्पष्ट प्रत्युपायों के चयन करने और लागू करने के अविच्छिन्न प्रक्रम को संघटित करता है जबकि स्वीकार्य जोखिम और लागतों को संतुलित करता है।
- (घ) जोखिम मूल्यांकन प्रक्रम का प्रयोग अधिकांश कार्पोरेट सुरक्षा प्रबंधक अपने व्यापार से संबंधित विभिन्न जोखिमों का मूल्यांकन करने के लिए करते हैं, इसलिए किसी अरक्षित लक्ष्य के सुरक्षा प्रबंधकों का सहयोग प्राप्त करने के लिए इस प्रक्रम को समझना उपयोगी है।
- (ङ) इस प्रक्रम में गुणात्मक मूल्यांकन करना शामिल है जो आपकी जानकारी, प्रशिक्षण और आतंकवादी दुर्घटनाओं के साथ निपटने में अनुभव पर आधारित होता है। आप एक विशिष्ट प्रकार की दुर्घटना के संघट्ट का मूल्यांकन करेंगे (जैसे सशस्त्र हमला, शरीर बम, वी बी आई ई डी, रासायन हमला आदि), अरक्षित लक्ष्य के टाइप के विरुद्ध ज्ञान आशंकाएँ, और अरक्षित लक्ष्य की पहचानी गई भेद्यताएं। आप तब अपनी जानकारी, प्रशिक्षण और अनुभव का प्रयोग करेंगे ताकि आपके मूल्यांकन का संख्यात्मक तुल्यमान निश्चित कर सकें। इससे आप ऊपर बताए जोखिम मूल्यांकन सूत्र का प्रयोग कर सकेंगे।



आकृति 1 जोखिम प्रबंध प्रक्रम

5. चरण 1- परिसंपत्ति पहचान और सर्वेक्षण

परिसंपत्ति पहचान का प्रक्रम, जो सरल दिखाई देता है, प्रत्याशा से ज्यादा कठिन है संभावित परिसंपत्तियों की पहचान की कोशिश करने से कठिनाई उत्पन्न होती है। परिसंपत्ति कोटियां उत्पन्न करके प्रक्रम को आसान बनाया जा सकता है। जिन कोटियों का सुझाव दिया है और प्रत्येक में सूचना नीचे दी गई है:

1. लोग

- 1.1 अति महत्वपूर्ण व्यक्ति(वी.आई.पी.)
- 1.2 खेलकूद टीमें
- 1.3 उच्च प्रोफाइल अधिकारी
- 1.4 ग्राहक
- 1.5 विद्यार्थी

2. सूचना

- 2.1 वैयक्तिक/ग्राहक सूचना
- 2.2 संपत्ति सूचना

2.3 कार्य/अनुक्रिया योजना

3. उपस्कर

3.1 कम्प्यूटर उपस्कर

3.2 विशेष प्रयोग के उपस्कर

3.3 वाहन

4. सुविधाएं

4.1 होटल

4.2 स्टेडियम

4.3 अस्पताल

4.4 शापिंग माल

4.5 स्कूल

5. कार्यकलाप

5.1 कमांड पोस्ट संक्रियाएं

6. परसंपत्ति सर्वेक्षण

(क) एक बार तत्व परिसंपत्ति सूची निश्चित कर दी जाती है तो परिसंपत्ति का सर्वेक्षण करने से सूची को कारगर बनाने में सहायता मिलती है। सर्वेक्षण वास्तव में प्रश्नों की एक श्रेणी है जिससे यह पता चलाने में सहायता मिलती है कि किन परिसंपत्तियों पर बल दिया जाए।

i. पहला पूछे जाने वाला प्रश्न है : परिसंपत्ति पर या इर्द गिर्द क्या गतिविधियां होती हैं ?

ii. दूसरा प्रश्न होना चाहिए : एक विरोधी परिसंपत्ति पर हमला क्यों करना चाहेगा ?

iii. तीसरा प्रश्न होगा : यदि परिसंपत्ति खो जाती है या जोखिम में डालती है तो क्या परिणाम होगा ?

(ख) इन प्रश्नों का उत्तर देने के लिए परिसंपत्ति, इसके इर्द गिर्द क्षेत्र, ग्राहकों, आगंतुकों और वर्तमान सुरक्षा चिंताओं के बारे में विवरण तैयार करने की जरूरत है।

7. एक परिसंपत्ति के लिए सूचना स्रोत

(क) इन प्रश्नों के उत्तर देने में सहायता देने और परिसंपत्ति के बारे में सूचना उपलब्ध कराने के लिए जोखिम प्रबंधक परिसंपत्ति, पास-पड़ोस और संभावित मेद्यताओं के बारे में सूचना नीचे दिए से प्राप्त कर सकता है:—

i. संबद्ध कार्मिक - प्रबंधक, रक्षी बल, अनुरक्षण

ii. वर्तमान प्रलेखन - प्राथमिकता दी गई परिसंपत्ति के सूचीकरण, सुरक्षा योजनाएं

iii. खुले स्रोत - इंटरनेट, टेलीविज़न, रेडियो, पत्रिकाएँ

iv. बंद स्रोत - पुलिस से आसूचना, स्वामित्व सूचना

8. चरण 2 : खतरों का निर्धारण

किसी परिसंपत्ति के साथ संबद्ध खतरों के मूल्यांकन में, केंद्र बिंदु सूचना संग्रहण से सूचना विश्लेषण पर चला जाता है।

(क) निर्धार मानदंड परिभाषाएं

परिसंपत्तियों के मूल्यांकन और प्राथमिकताकरण में सहायता के लिए, कुछ आम परिभाषाएं नीचे दी गई हैं।

- निम्न - जब किसी परिसंपत्ति की हानि या जोखिम में डाले जाने का मानव जीवन पर कम या कोई वास्तविक प्रभाव नहीं है और परिसंपत्ति के सामान्य प्रचालनों में बिगाड़ उत्पन्न नहीं करता तो एक निम्न का निर्धार निर्धारित किया जाता है।
- मध्यम - जब किसी परिसंपत्ति की हानि या संकट में डाले जाने से मध्यम निष्कर्ष प्राप्त होते हैं तो एक मध्यम निर्धार निर्धारित किया जाता है। उदाहरणों में शामिल है स्वामित्व या संवेदी सूचना की हानि या परिस्थितियां जिनमें परिसंपत्ति की हानि एक सीमित समय के लिए प्रचालनों में बिगाड़ उत्पन्न करेंगी। यह लापरवाही, चोरी या जानबूझकर विनाश के कारण हो सकता है।
- उच्च - जब परिसंपत्ति की हानि के परिणाम गंभीर होते हैं तो एक उच्च निर्धार निश्चित किया जाता है। उदाहरणों में शामिल हैं आसूचना डेटा की हानि या ऐसी परिस्थितियों की विद्यमानता जो प्रचालनों में अनिश्चित अवधि के लिए बिगाड़ उत्पन्न करते हैं जैसा कि प्राकृतिक विपदाएँ, लापरवाही या आतंकवादी हमला।
- क्रांतिक—एक क्रांतिक निर्धार केवल तब निर्धारित किया जाता है जब परिसंपत्ति की क्षति के प्रभाव के कारण गंभीर परिणाम होते हैं जिसमें मानव जीवन की हानि, गंभीर शारीरिक क्षति या परिसंपत्ति की हानि से प्रचालन बंद हो जाते हैं। एक क्रांतिक निर्धार के उदारहण कोई हत्या या बमबारी हो सकते हैं।

परिसंपत्ति : शापिंग माल								
अवांछित घटना संकेत शब्द	परिणाम							समग्र संघट्ट
	क्रांतिक		उच्च		मध्यम		निम्न	
या विवरण	जीवन की हानि	सुविधा की हानि	क्रांतिक सूचना या कार्य की हानि	प्रचालनों का अनिश्चित बिगाड़	स्वामित्व या संवेदी सूचना की क्षति	प्रचालनों में अस्थाई बिगाड़	मूल्यवान संपत्ति की क्षति	
बम	हां	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	हां	हां	क्रांतिक
साइबर हमला	नहीं	नहीं	हां	नहीं	हां	हां	नहीं	उच्च
		यदि नहीं तो	—				→	मध्यम
बाड़	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	हां	हां	हां	मध्यम

शाप चोरी	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	निम्न
----------	------	------	------	------	------	------	------	-------

आकृति 2 : परिसंपत्ति हानि संघट्ट वर्कशीट

आकृति 2 में दिखाए गए उदाहरण में, परिसंपत्ति है शापिंग माल। वर्णित अवांछित घटना के प्रत्येक परिणाम के लिए “हां” या ‘न’ का उत्तर दिया गया है।

- (क) पहली वर्णित अवांछित घटना बमबारी है। जीवन की क्षति की प्रत्याशा है, प्रचालनों में एक अस्थायी बिगाड़ घटित हुआ है और कीमती संपत्ति की हानि हुई है। अपने निर्धार मानदंड पर देखने पर हम आसानी से देख सकते हैं कि जीवन की हानि के कारण समग्र संघट्ट क्रांतिक हैं।
- (ख) एक साइबर हमले पर विचार : यदि हमले के कारण क्रांतिक सूचना या कार्य की हानि होती है जैसा कि सुरक्षा कैमरों के सब कंप्यूटर नियंत्रण या सब साफ्टवेयर प्रचालन प्रणालियों की हानि तब समग्र संघट्ट को ‘उच्च’ निर्धार दिया जाता है। यदि साइबर हमले से क्रांतिक सूचना या कार्यों की हानि नहीं होती बल्कि स्वामित्व या संवेदी सूचना की हानि जरूर होती है जैसा कि ग्राहक पहचान डेटा तब संघट्ट को ‘मध्यम’ निर्धार दिया जाएगा।
- (ग) ‘बाड़’ चिह्नित पंक्ति में बताया गया है कि जीवन की कोई क्षति नहीं हुई, माल नष्ट नहीं की गई है और संवेदी या स्वामित्व सूचना गुम नहीं हुई है, तथापि सफाई और मरम्मत के लिए माल को अस्थायी तौर पर बंद किया गया है और कुछ कीमती संपत्ति क्षतिग्रस्त हुई है। इसके परिणाम स्वरूप हम जब अपने निर्धार मानदंड की ओर देखते हैं तो पाते हैं कि मध्यम संघट्ट निर्धार दिया गया है।
- (घ) अंत में, शाप चोरी के उदाहरण में समग्र संघट्ट निर्धार ‘निम्न’ माना जाएगा।
- (ङ) संक्षेप में, पहला परिणाम कालम जिसमें ‘हां’ है उसका संघट्ट बहुत महत्वपूर्ण है। अवांछित घटना के अन्य प्रभाव उच्चतम निर्धार निष्कर्ष के अधीन हैं।

9. गुणात्मक और मात्रात्मक निर्धार

- (क) जैसा कि माड्यूल के आरंभ में बताया गया था आप विशिष्ट प्रकार की घटना के संघट्ट का मूल्यांकन करेंगे (जैसा कि सशस्त्र हमला, शरीर बम, बी बी आई ई डी, रासायनिक हमला आदि), अरक्षित टारगेट के प्रकार के विरुद्ध ज्ञात आशंकाएँ, तब आप अपने मूल्यांकन संख्यात्मक तुल्यमान को निश्चित करने के लिए अपनी जानकारी, प्रशिक्षण और अनुभव का प्रयोग करेंगे। अपने मूल्यांकनों के लिए संख्यात्मक तुल्यमान निश्चित करके आप जोखिम मूल्यांकन सूत्र का प्रयोग कर सकेंगे।

- (ख) निर्धारित संघट्ट के लिए संख्यात्मक तुल्यमान पूर्ण संख्याओं की रेंज से चुना जाता है जैसे नीचे बताया गया है:

$$\text{निम्न} = 1-24$$

$$\text{मध्यम} = 25-49$$

उच्च = 50—74

क्रांतिक = 75—100

निम्न	1—24 .01— .24
मध्यम	25—49 .25— .49
उच्च	50-74 .50— .74
क्रांतिक	75—100 .75— .100

आकृति 3 : निर्धार चार्ट के स्तर

- यह जोखिम विश्लेषक पर निर्भर करता है कि निर्धारित करे कि दत्त गुणात्मक निर्धार रेंज के भीतर एक तुल्यमान मात्रात्मक निर्धार कहां दिया जाना चाहिए।
- उपर्युक्त उदाहरण में, एक संभावित बमबारी को 'उच्च' का गुणात्मक निर्धार दिया गया था अपनी जानकारी, प्रशिक्षण और अनुभव के आधार पर विश्लेषक संभावित दुर्घटना को 85 का संख्यात्मक निर्धारण देने का निर्णय ले सकता है। लेकिन तथापि यदि विश्लेषक को विश्वास है कि बमबारी दुर्घटना से भवन नष्ट हो सकता है तो वह उस संभावित दुर्घटना को .99 या 1.00 का भी निर्धार दे सकता है। बाड़ के उदाहरण का प्रयोग करते हुए, एक मध्यम गुणात्मक निर्धार का 25 का मात्रात्मक निर्धार हो सकता है।

10. खतरा विश्लेषण

(क) एक परिसंपत्ति और उसके महत्व की पहचान कर लेने पर अगला कदम परिसंपत्ति के विरुद्ध खतरों का विश्लेषण करना है। वैध खतरों की पहचान करने के लिए पूछें कि परिसंपत्ति को कौन और क्या आशंका दे रहा है। आशंका की पांच मूल कोटियां नीचे दी गई हैं:

- शत्रुतापूर्ण आसूचना सेवा—यह सरकारी या विरोधी निगमों द्वारा दी जा सकती है।
- आतंकवादी।
- अंदर के लोग—व्यक्ति जो कंपनी और संगठन के लिए काम करते हैं और जानते हैं कि यह कैसे चलती है।

iv. अपराधी बाहरी लोग—एक व्यक्ति जो कंपनी के लिए काम नहीं करता और आसूचना या आतंकवादी खतरा कोटियों में शामिल नहीं है।

v. वातावरण

(ख) आशय और प्रेरणा :

वातावरण को छोड़कर, सब अन्य आशंका कोटियों में शामिल लोगों को परिसंपत्ति को आशंका के एक अनुमानित स्तर के लिए निर्धार दिया जा सकता है। किसी विरोधी के आशय, प्रेरणा, क्षमता और इतिवृत्त की पहचान करते हुए यह निर्धार स्थापित किया जा सकता है। आशंका कोटियों के भीतर प्रत्येक अभिज्ञेय व्यक्ति के लिए उस आशंका की प्रेरणा की पहचान करने के लिए एक प्रयास की जरूरत होती है। प्रत्येक आशंका के लिए प्रेरणा तत्वों में से कुछ निम्नलिखित के समान हो सकते हैं :—

i. आतंकवादी—उद्देश्य से प्रेरित वे ध्यान चाहते हैं, जितनी अधिक जनता पर वे हमला या प्रयास करते हैं, परिणाम उतने ही बेहतर होते हैं।

ii. अपराधी—प्रेरणा स्पष्ट नहीं है।

iii. पागल—लालच द्वारा प्रेरित

iv. भीतरी लोग—दबाव, लालच या बदले द्वारा प्रेरित हो सकते हैं।

v. नाराज कर्मचारी—जिस संगठन ने उन्हें हानि पहुँचाई, उससे बदला लेने की इच्छा से प्रेरित होते हैं।

vi. एजेंट—लालच या उद्देश्य द्वारा प्रेरित।

vii. सक्रिय कार्यकर्ता—उद्देश्य द्वारा प्रेरित।

(ग) क्षमताएँ :

एक विरोधी के बारे में दो विशिष्ट प्रकार की क्षमताएँ होती हैं। पहली है परिसंपत्ति प्राप्त, क्षतिग्रस्त या नष्ट करने की क्षमता। दूसरी है विरोधी की योग्यता कि परिसंपत्ति का प्रयोग वह अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए करे। इसलिए विरोधी की योग्यताओं के बारे में निम्नलिखित पर विचार करें :—

i. सूचना संग्रहण क्षमताएँ—परिसंपत्ति के बारे में विरोधी सूचना कैसे एकत्र करता है।

ii. परिसंपत्तियों की जानकारी—विरोधी के पास कितनी सूचना है।

iii. प्रचालन की विधि—विरोधी परिसंपत्ति पर प्ररूपी रूप से कैसे आक्रमण करता है।

iv. सहायता—क्या विरोधी के पास राजनीतिक, धार्मिक या निजी सहायता उपलब्ध है।

v. विरोधी आपूर्तियों, उपकरण और प्रशिक्षण के लिए कैसे भुगतान करता है।

(घ) आवृत्ति/इतिवृत्त :

आशंका—संबोधित दुर्घटनाओं की उच्च आवृत्ति एक वर्धित संभावना सूचित कर सकती है कि भविष्य में भी वैसी ही घटना हो सकती है विशेषतः जबकि क्षमता और इरादा उच्च है। तथापि भावी घटनाओं का पूर्वानुमान लगाने में पिछली घटनाओं के अभाव का कोई महत्व नहीं है। दुर्घटना डेटा की समीक्षा करते हुए निम्नलिखित के बारे में सूचना प्राप्त और प्रलेखित करे :—

- i. घटनाओं का रिकार्ड—वास्तव में प्रलेखित घटनाएँ
- ii. संदेहास्पद घटनाएँ—जांच अधीन प्रलेखित घटनाएँ
- iii. हाथ में ली गई घटनाएँ—एक वास्तविक, असफल घटना से संबंधित हो सकती है।

यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि यदि विरोधी द्वारा निर्धार प्राप्त करने का इतिवृत्तात्मक साक्ष्य नहीं है लेकिन उससे उन्हें हमले का प्रयास करने से रोका नहीं जा सकता।

(ङ) विरोधी मूल्यांकन :

आशंका के उद्देश्य, क्षमताओं और इतिवृत्त के बारे में सूचना का प्रयोग करते हुए, विरोधी द्वारा परिसंपत्ति के लिए प्रस्तुत आशंका की मात्रा स्थापित करें।

विरोधी	उद्देश्य	क्षमता	इतिवृत्त	आशंका स्तर
आत्मघाती बमबार	क्रांतिक	क्रांतिक	उच्च	क्रांतिक
पूर्व कर्मचारी	क्रांतिक	निम्न	निम्न	मध्यम

आकृति 4 विरोधी मूल्यांकन वर्कशीट

- i. आकृति 4 में विरोधी मूल्यांकन वर्कशीट पर, दो काल्पनिक विरोधी दिखाए गए हैं एक आत्मघाती बमबार और एक नाराज़ पूर्व कर्मचारी। इस उदाहरण में, आत्मघाती बमबार एक दल के साथ संबद्ध है जिसने परिसंपत्ति पर हमला करने के अपने उद्देश्य को व्यक्त किया है, इसलिए हमने उद्देश्य को 'क्रांतिक' निर्धार दिया। आगे जांच से यह पुष्टि हुई है कि दल के पास पर्याप्त वित्तीय सहायता उपलब्ध है और अपने कर्मचारियों को अच्छा प्रशिक्षण देने के लिए जाना जाता है। अंतिम कालम में हमने अपराधियों की गतिविधियों के इतिहास पर विचार किया और इस आधार पर कि उन्होंने विगत में भी ऐसे ही हमले किए हैं, उनके इतिहास का 'उच्च' निर्धार दिया गया। अतः विरोधी के उद्देश्य और क्षमता के आधार पर 'क्रांतिक' और इतिहास को 'उच्च' निर्धार दिया गया, हमारी परिसंपत्ति के विरुद्ध बमबार के आशंका स्तर के लिए 'क्रांतिक' निर्धारित किया गया है।

- ii. एक नाराज़ पूर्व कर्मचारी के काल्पनिक उदाहरण पर ग़ौर करते हुए उसके उद्देश्य को 'क्रांतिक' निर्धारित किया गया जो कर्मचारी के धमकी भरे बयानों पर आधारित था जब उसे निकाला गया। उसकी ज्ञात क्षमताओं के मूल्यांकन के कारण उसे 'निम्न' निर्धार दिया गया। अंत में कर्मचारी के पिछले कामों के ज्ञात इतिहास के गत वर्षों में उसकी उग्र कार्रवाइयों के बारे में कुछ भी पता न चला और इस प्रकार उसके इतिहास को 'निम्न' निर्धारित किया गया। इसके फलस्वरूप समग्र आशंका स्तर निर्धार 'माध्यम' रहा।
- iii. गुणात्मक निर्धार को मात्रात्मक में बदलने के लिए सब संख्याओं को डेसीमल फ़ॉर्मेट में रिकार्ड किया जाता है। उपयुक्त उदाहरणों पर विचार करते समय निर्धार चार्ट के स्तर का प्रयोग करते हुए, 'क्रांतिक' के निर्धार को .75-1.00 के रेंज के भीतर कोई निर्धार दिया जाता है। इसी प्रकार 'मध्यम' के निर्धार को .25-.49 की रेंज के भीतर कोई निर्धार दिया जाता है।

11. चरण-3 भेद्यता मूल्यांकन

- (क) वैसी ही कोटियों का इस्तेमाल करें जैसा परिसंपत्ति पहचान में परिसंपत्ति इर्द-गिर्द भेद्यताओं के मूल्यांकन के लिए किया गया (यानी लोग, सूचना, उपस्कर, सुविधाएं और गतिविधियां)। भेद्यता मूल्यांकन और सुरक्षा सर्वेक्षण विषय को अगले अध्याय में लिया गया है। एक मूल्यांकन के दौरान एकत्र सब सूचना का प्रयोग हमारी परिसंपत्ति के इर्द-गिर्द संभावित भेद्यताओं या कमज़ोरियों की पहचान के लिए किया गया है।
- (ख) दो कोटियों में एकत्र की गई पृथक सूचना
 - i. पहली है : कौन सी भेद्यताओं की पहचान की गई?
 - ii. दूसरी है : कौन से प्रत्युपाय इस समय किए जा रहे हैं?
- (ग) इस सूचना से, परिसंपत्ति की भेद्यता की मात्रा को स्थापित करने की कोशिश करें—
 - (i) एक प्रत्युपाय एक प्रक्रिया है या भौतिक सुरक्षा का एक तत्व है जो विरोधी को डराने या उसे देरी कराने के लिए अभिकल्पित किया गया है। एक पहचान की गई। आशंका को विफल करने के लिए अधिकांश सुरक्षा योजनाओं में कई प्रत्युपायों का प्रयोग किया जाता है।
 - (ii) यह निर्धारित करने के लिए कि एक प्रत्युपाय कितना प्रभावी है, इसकी या तो प्रलेखित प्रभावोत्पादिकता (औद्योगिक मानकों को पूरा करने के लिए परीक्षित) या उसको हराने का प्रयास करके आपको स्थापित करना चाहिए कि प्रत्युपाय कितने प्रभावी हैं।

12. भेद्यता निर्णय मैट्रिक्स

प्रत्येक प्रकार की मूल्यांकित संभावित अवांछित घटना के लिए हमारी परिसंपत्ति कितनी भेद्य या सुरक्षित है यह निर्धारित करने में सहायता के लिए एक भेद्यता निर्णय वर्कशीट, जैसी नीचे दी गई है, अत्यंत सहायक है—

बहुल भेद्यताएं	शोषण के लिए	प्रभावी प्रत्युपायो	भेद्यता स्तर
हां	हां	हां	क्रांतिक
हां	हां	नहीं	उच्च
हां	नहीं	हां	उच्च
हां	नहीं	नहीं	मध्यम
नहीं (एकल)	हां	हां	उच्च
नहीं	हां	नहीं	मध्यम
नहीं	नहीं	हां	मध्यम
नहीं	नहीं	नहीं	निम्न

आकृति 5 : भेद्यता निर्णय मैट्रिक्स

- (क) मैट्रिक्स का प्रयोग करने के लिए, हमें परिसंपत्ति की वर्तमान सुरक्षा के बारे में तीन क्रांतिक प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
1. क्या बहुल (एक से अधिक) भेद्यताएं या कमजोरियां हैं जिनके कारण विशिष्ट घटना (जैसे काया बमबार या सशस्त्र हमला) घटित हो सकता है
 2. क्या पहचानी गई भेद्यता का दुरुपयोग (उपयोग) आसान है? इसका एक उदाहरण है होटल के पश्च द्वार का टूटा ताला जिससे हमलावर लक्ष्य तक पहुँच सकते हैं।
 3. क्या विशेष प्रकार के हमले के विरुद्ध लक्ष्य में प्रभावी प्रत्युपायों का अभाव है?
- (ख) चार्ट पर इन प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर देने से भेद्यता निर्धार का पता चलता है। उदाहरणार्थ, सब तीन प्रश्नों का उत्तर “हां” है तो भेद्यता का “क्रांतिक” स्तर सूचित होता है। इसके विपरीत, यदि सब तीन प्रश्नों का उत्तर “न” है तो भेद्यता का “निम्न” स्तर सूचित होता है। यहां दिए गए चार्ट का इस्तेमाल न्यूनतम संशोधन, यदि कोई हो, के साथ किया जा सकता है।
- (ग) भेद्यता मूल्यांकन वर्कशीट
भेद्यता के बारे में सब सूचना जब एक बार एकत्र कर ली जाए तो उसे इस प्रकार दर्ज किया जाए कि भेद्यता का स्तर निर्धारित करने में सहायता मिल सके

परिसंपत्ति	संभावित अवांछित	भेद्यता विवरण	वर्तमान प्रत्युपाय	भेद्यता स्तर	भेद्यता निर्धार
माल	बम, बमबार या बैक पैक बम	एक टूटे हुए पश्च द्वार का प्रयोग करके बमबार उपयोगिता गलियारे में आसानी से पहुंच सकता है, जो माल के पश्चिम पार्श्व पर है	सुरक्षा अधिकारी उपयोगिता गलियारे की दो घंटे में एक गश्त करता है। सी सी टी वी कैमरे उपयोगिता गलियारों की निगरानी करते हैं।	उच्च	.70

आकृति-5: नमूना भेद्यता मूल्यांकन वर्कशीट

13. चरण 4 : जोखिम का मूल्यांकन करना

(क) याद रखें कि किसी परिसंपत्ति के लिए जोखिम के स्तर को निर्धारित करने में जोखिम मूल्यांकन अंतिम चरण होता है। जोखिम (जिसे डायग्राम में चर 'R' द्वारा द्योतित किया गया है)। परिसंपत्ति (I), आशंका (T) और भेद्यता (V) मूल्यांकन क्रमशः का एक कार्य है। याद रखें, जैसा पहले बताया गया था:

जोखिम = एक अवांछित घटना का संघट्ट × आशंका × भेद्यता या $R = I \times T \times V$

(ख) जोखिम परिकलित करना

आकृति 7 में एक उदाहरण दिया गया है कि हमने अपने बमबार के बारे में सूचना कैसे पूरी की और जोखिम विश्लेषण के तत्वों में से प्रत्येक को सब तुल्यमान निर्धार दिए। जोखिम के स्तर को निर्धारित करने की प्रक्रिया एक अपेक्षाकृत सरल गणित सूत्र है।

क्रांतिक परिसंपत्ति	अवांछित घटना	परिसंपत्ति संघट्ट की हानि	आशंका कोटि परिसंपत्ति	भेद्यता विवरण विवरण	परिसंपत्ति निर्धार की हानि	आशंका निर्धार	भेद्यता निर्धार	जोखिम स्तर
माल	बमबारी	क्रांतिक	आतंकवादी	सुरक्षा बल और प्रवेश नियंत्रण का अभाव	.90	.95	.70	59.85
	$R=I^*$	T^*	V					
			$R=$	$90^*.95$	*	.70		$=59.85$
	$PE=$	T	V	$.95^*$.70	=	.665 या 66.5%	

आकृति 6 : जोखिम विश्लेषण वर्क शीट

(ग) यह गणितीय सूत्र द्योतित है जैसे $R = I * T * V$ जहां :—

- R—समीकरण का गुणनफल जो जोखिम का एक स्तर देता है।
- I—विशिष्ट अवांछित घटना का संघट्ट है।
- T—परिसंपत्ति के लिए आशंका का स्तर है।
- V—विशिष्ट अवांछित घटना के लिए भेद्यता का स्तर है।

(घ) जोखिम विश्लेषण वर्कशीट में अपने डेटा को एक साथ लाते हुए, हम हानि, आशंका और भेद्यता निर्धार कालमों में दर्ज संख्याओं का प्रयोग करते हैं और गुणा करते हैं। स्क्रीन पर उदाहरण में हमारा समीकरण इसके समान दिखाई देगा:

$$R = 90 * .95 * .70$$

$R = 59.85$ या उच्च जोखिम निर्धार के समान है।

(ङ) घटना की संभावना को परिकलित करना

जब पहचानी गई आशंका से परिसंपत्ति के लिए जोखिम स्थापित हो जाता है, तो घटना की संभावना घटित हो रही आशंका की संभावना निर्धारित करें। घटना की संभावना का संख्यात्मक अनुमान विकसित करने के लिए जोखिम विश्लेषण सूत्र से सूचना का पुनः प्रयोग करें। याद रखें कि समस्त सूत्र है $R = I * (T * V)$ । घटना की संभावना के लिए गणितीय सूत्र है:

$$Pe = (T * V)$$

$$Pe = .95 * .70$$

$Pe = .665$ घटना घटित होने की उच्च संभाव्यता रखता है।

(च) जोखिम वर्कशीट का प्राथमिकीकरण :

आकृति 8 के उदाहरण में एक होटल में बमबारी घटना के तीन प्रकार के जोखिमों का मूल्यांकन दिखाया गया है। प्रत्येक प्रकार की घटना के लिए, घटना का अपेक्षाकृत जोखिम और संभाव्यता निर्धारित की गई है—

क्रांतिक परिसंपत्ति	संभावित अवांछित घटना	I निर्धार	T निर्धार	V निर्धार	जोखिम	पी ई निर्धार	प्राथमिकता
होटल	बाडी बमबार	85	.90	.85	65	.765	1
होटल	बैक पैक बमबार	85	.85	.80	57.8	.68	2
होटल	वी बी आई ई डी	95	.90	.60	51.3	.54	3

आकृति 7 प्राथमिकीकरण जोखिम वर्कशीट

(छ) जैसाकि आकृति 9 मे दिखाया गया है हम उसी आशंका के साथ तीन अरक्षित लक्ष्यों का भी मूल्यांकन कर सकते हैं।

क्रांतिक परिसंपत्ति	संभावित अवांछित घटना	I निर्धार	T निर्धार	V निर्धार	जोखिम	पी ई निर्धार	प्राथमिकता
माल	बमबारी	90	.95	.70	59.85	.67	2
होटल	बमबारी	97	1.00	.80	77.6	.80	1
स्टेडियम	बमबारी	88	.55	.95	46	.52	3

आकृति-8 जोखिम प्राथमिकीकरण वर्कशीट उदाहरण-2

14. चरण 5 : प्रत्युपाय विकल्प निर्धारित करना

(क) आशंका और भेद्यताओं की पहचान करने पर, एक लागत प्रभावी प्रत्युपाय प्राप्त करने की चुनौती आरंभ हो जाती है। जब एक बार प्रत्युपाय स्थापित हो जाता है तो हानि (I) और आशंका घटक (T) का संघट्ट थोड़ा बदल जाएगा। तथापि समीकरण के भेद्यता (V) भाग पर प्रत्युपाय संघट्ट के लिए ये परिवर्तन द्वितीयक घटनाएं होती हैं। जोखिम विश्लेषण का केवल वास्तविक क्षेत्र जिसे आप सीधे प्रभावित कर सकते हैं वह भेद्यता है।

(ख) प्रत्युपाय

प्रभावी प्रत्युपाय स्थापित करने के लिए चयन प्रक्रिया में पांच उपाय निम्नानुसार है :

1. भेद्यताओं की रक्षा करने के लिए विशिष्ट प्रत्युपायों की पहचान करें
2. विशिष्ट आशंकाओं के विरुद्ध प्रत्युपाय प्रभावकारिता स्थापित करें
3. प्रत्युपायों के क्रियान्वयन के लिए लागत का अनुमान लगाएं
4. लागत-लाभ विश्लेषण के माध्यम से सर्वोत्तम प्रत्युपाय निर्धारित करें
5. विकल्पों का प्राथमिकताकरण करें और निर्णय निष्पादकों के लिए सिफारिशें तैयार करें।

(ग) प्रत्युपाय प्रभावकारिता

प्रत्युपाय प्रभावकारिता वर्कशीट का प्रयोग करके हम भेद्यता प्रस्तावित प्रत्युपाय की पहचान कर सकते हैं, प्रत्युपायों की लागत कितनी होगी और जब पहले माड्यूल में चर्चित सुरक्षा डिज़ाइन सिद्धांतों : परिभाषित करें, निर्देशित करें, रोकें, और विलंब करें: पर अनुप्रयोग किया जाता है तो इसकी प्रभावकारिता क्या होगी।

(घ) एक दत्त भेद्यता के विरुद्ध विशिष्ट प्रत्युपाय की और सुरक्षा डिज़ाइन के भीतर इसके अनुप्रयोग की प्रभावकारिता निर्धारित करने के लिए जोखिम प्रबंधक को अनुसंधान करना चाहिए। इस सूचना का प्रयोग करते हुए यह निर्धारित करना आसान होता है कि कौन से प्रत्युपाय सर्वोत्तम हैं और अत्यधिक लागत प्रभावी हैं।

(ड) आकृति 10 में दिखाए उदाहरण को देखते हुए, विशिष्ट भेद्यता के लिए चार संभावित प्रत्युपायों की पहचान की जाती है। एक बार फिर, एक विश्लेषक अपनी जानकारी, प्रशिक्षण और अनुभव का प्रयोग यह निर्धारित करने के लिए करता है कि पांच डिज़ाइन सिद्धांतों में से एक प्रत्युपाय किसे प्रभावित करता है। लागत/लाभ विश्लेषण के लिए यह सूचना निवेश के रूप में काम करती है जो अंतिम सिफारिश के लिए प्रत्युपाय (प्रत्युपायों) को निर्धारित करती है—

भेद्यता	प्रत्युपाय	लागत	निश्चित	निर्देश	रोकना	विलंब	पता लगाना
बैंक-पैक बम रखने के लिए गुप्त प्रवेश	परिधि द्वारों पर सुरक्षा ताले और चिह्न	रु. 2000 प्रत्येक	हां	हां	हां	हां	नहीं
	सी सी टी वी	एक लाख रु मानीटरिंग कार्मिकों सहित	नहीं	नहीं	हां	नहीं	हां
	अतिक्रमण संसूचन व्यवस्था	रु. 20,000/-	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	हां
	सुरक्षा बल	रु. 20 लाख वार्षिक	नहीं/हां यदि सब के पास स्थित हो	हां/नहीं यदि सब दरवाजों के स्थित हो	हां	हां	हां

आकृति 9 : प्रत्युपाय प्रभावकारिता वर्कशीट

15. चरण 6 : निष्कर्षों और सिफारिशों की एक लिखित जोखिम और भेद्यता विश्लेषण रिपोर्ट तैयार करना

(क) जोखिम विश्लेषण के अंतिम परिणाम एक लिखित रिपोर्ट में उपयुक्त कार्पोरेट प्रबंधकों की दी जानी चाहिए जिनके पास निर्णय लेने का प्राधिकार है कि क्या प्रस्तावित जोखिम प्रबंध योजना को अपनायें। यह रिपोर्ट सामान्यतः सरकारी विधि प्रवर्तन एजेंसी द्वारा निजी उद्यमों को संबोधित की जाएगी। रिपोर्ट निजी उपक्रमों के लिए लिखी जानी चाहिए और इसमें पावर प्वाइंट स्लाइड प्रस्तुति के साथ मौखिक प्रस्तुतीकरण शामिल होना चाहिए। अंतिम लिखित रिपोर्ट में निम्नलिखित खंडों को लिया जाना चाहिए।

(ख) भाग-1 : भूमिका

यह रिपोर्ट संचालित जोखिम मूल्यांकन प्रक्रिया के उद्देश्य, विस्तार और कृतिक प्राधिकारी के विवरण के साथ आरंभ की जानी चाहिए, और उसके बाद निम्नलिखित दें:

- i. जोखिम मूल्यांकन टीम के सदस्यों के नाम और एजेंसियां और अरक्षित लक्ष्य के लिए मुख्य संपर्क (बहुधा सुरक्षा निदेशक) का नाम
- ii. प्रयुक्त छह चरण जोखिम मूल्यांकन का सार (जैसा इस माड्यूल में वर्णित है)
- iii. विधि प्रवर्तन एजेंसी या निजी उद्यम द्वारा जोखिम विश्लेषण प्रक्रिया पर रखे प्रतिबंध या रोक का विवरण।

(ग) भाग-2: परिसंपत्तियों की पहचान

अरक्षित लक्ष्य जिनका मूल्यांकन किया जा रहा है उनसे संबद्ध उपयुक्त डिजिटल फोटोग्राफ के साथ परिसंपत्तियों का ब्योरा, इनमें लोगों (कर्मचारियों या ग्राहकों), सूचना, उपकरण, सुविधा को या अरक्षित लक्ष्य पर आयोजित कार्यकलापों/ समारोहों को शामिल किया जा सकता है।

(घ) भाग-3 : खतरा विश्लेषण

- i. विशिष्ट अरक्षित टारगेट या वैसे ही लक्ष्यों के विरुद्ध ज्ञात या संदेहास्पद खतरे।
- ii. वैसे ही अरक्षित लक्ष्यों हमलों या आशंकाओं की आवृत्ति या/इतिवृत्त
- iii. खतरा का स्रोत, यदि पता हो।
- iv. विरोधी की प्रेरणा और/या उद्देश्य
- v. विरोधी की क्षमताएं।
- vi. विरोधी द्वारा कार्रवाइयों का इतिहास

(ङ) भाग-4 : पहचानी गई भेद्यताएं और संघट्ट विश्लेषण

- i. मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान विभिन्न प्रकार के हमलों के लिए पाई गई भेद्यताएं, साथ ही भेद्यता मूल्यांकन वर्कशीटों से लिए गए डिजिटल फोटोग्राफ।
- ii. अभिनिर्धारित भेद्यताओं को विशिष्ट लक्ष्य के अनुसार व्यवस्थित किया जाए जैसे ग्राहक, कर्मचारी, संरचना, कंप्यूटर प्रणाली आदि या हमले के प्रकार द्वारा जैसे वी बी आई ई डी, बाडी बमबार, बैंक पैक या सूटकेस बम, रासायनिक या जैव शस्त्र, अपहरण, सशस्त्र हमला आदि।
- iii. अरक्षित टारगेट से संबद्ध विभिन्न परिसम्पत्तियों के विघटन या विनाश के परिणामों का एक संक्षेप, जोखिम विश्लेषण वर्कशीट से लिया गया।

- iv. अभिनिर्धारित जोखिम की एक प्राथमिकता सूची, प्राथमिकताकृत जोखिम वर्कशीट का प्रयोग करके तैयार की गई।

(च) भाग-5: संभव प्रत्युपाय

- i. विभिन्न संभव प्रत्युपायों का एक संक्षेप, प्रत्येक अभिनिर्धारित भेद्यता के लिए अनुमानित लागत और प्रभावोत्पादकता सहित।
- ii. प्रत्येक अभिनिर्धारित भेद्यता के लिए संभव प्रत्युपायों का लागत/लाभ विश्लेषण, प्रत्युपाय प्रभावोत्पादकता वर्कशीट से लिया गया।

(छ) भाग-6: अंतिम सिफारिशें और/या निष्कर्ष

- i. समग्र जोखिम मूल्यांकन प्रक्रिया से लिया गया। कम से कम इस खंड में तीन अत्यंत महत्वपूर्ण अभिनिर्धारित जोखिमों पर चर्चा की जानी चाहिए और उन अभिनिर्धारित जोखिमों को कम करने के लिए प्रत्युपायों की सिफारिश की जानी चाहिए।
- ii. इस खंड को एक कार्यपालक संक्षेप के आधार के रूप में किया जाए जिसमें एक या दो पृष्ठ हों और उन्हें रिपोर्ट के आरंभ में रखा जाना चाहिए।
- iii. ऐसी एक लिखित रिपोर्ट उपलब्ध कराने से उपयुक्त कार्पोरेट प्राधिकारियों को यह निर्धारित करने में सहायता मिलेगी कि क्या किसी या सब संस्तुत परिवर्तनों का अमली रूप दिया जाए। यदि आशंका स्थिति या विशिष्ट अरक्षित टारगेट की भेद्यताओं में कोई बदलाव हो तो इस मूल्यांकन प्रक्रिया या इसके भागों को दोहराया जाना चाहिए।

अध्याय 9

भेद्यता का मूल्यांकन करना

1. भूमिका

किसी परिसंपत्ति के संभव जोखिम स्तरों के निर्धारित करने में भेद्यता मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। यह जानते हुए कि भेद्यता मूल्यांकन के चरण सुरक्षा पेशेवर की सहायता कर सकेंगे कि मूल्यांकन करने से पहले किन प्रकारों की सूचना चाहिए, मूल्यांकन करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, टीम सदस्यों के उत्तरदायित्व, निष्पादन परीक्षण और एक अरक्षित लक्ष्य भेद्यता मूल्यांकन के मुख्य तत्व क्या हैं।

2. परिभाषित भेद्यता मूल्यांकन

एक भेद्यता मूल्यांकन एक प्रणाली के भीतर भेद्यताओं की पहचान करने और परिमाणन करने का प्रक्रम है। जिस प्रणाली का मूल्यांकन किया जा रहा है वह एक महत्वपूर्ण स्थापना हो सकती है जैसा कि नगर के लिए जल प्रदाय प्रणाली या जैसाकि हमारे प्ररूपी मामले में कोई सुविधा या घटना हो सकती है जिसे अरक्षित लक्ष्य माना जाता है। एक भेद्यता मूल्यांकन का एक सुरक्षा मूल्यांकन, सुरक्षा निरीक्षण और सुरक्षा सर्वेक्षण के रूप में भी उल्लेख किया जाता है।

3. भेद्यता मूल्यांकनों का उद्देश्य

मूल्यांकन का मूलभूत उद्देश्य निम्नलिखित की सुरक्षा सुनिश्चित करना है:

- i. आतंकवादियों, अपराधियों और क्रियाशील कर्ताओं से लोगों की।
- ii. ग्राहक रिकार्ड जैसी सूचना की।
- iii. विनाश, तोड़फोड़, चोरी, दुर्पयोग से उपकरण की।
- iv. आतंकवादियों, चोरी, विनाश, तोड़फोड़ से संपत्ति की।
- v. खेलकूद घटनाओं, त्योहारों जैसे कार्यक्रमों या समारोहों की।

4. मूल्यांकन के लिए विशिष्ट कारण

(क) अनुपालन

- i. बीमा उद्योग द्वारा स्थापित अपेक्षाओं का अनुपालन। यह केवल ऐसे देशों पर लागू होता है जो पहले से खरीदी बीमा पालिसी पर भुगतान करते हुए बीमा का प्रयोग परिसंपत्ति की हानि या क्षति के वित्तीय जोखिम को कम करने के लिए करते हैं।
- ii. कार्पोरेट प्रक्रमों का अनुपालन—इससे पहले कि किसी सुविधा को परिचालनिक माना जाता है या किसी सुविधा के बंद करने पर कार्पोरेट प्रक्रियाओं में स्थिर अंतराल पर एक मूल्यांकन अपेक्षित है।

(ख) नई सुविधा या वर्तमान संरचना में परिवर्तन

- i. किसी नए स्थल या सुविधा के सक्रिय बनाए जाने पर मूल्यांकन किया जाता है ताकि सब संबंधित क्षेत्रों के लिए पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- ii. किसी सुविधा में महत्वपूर्ण संशोधनों का अर्थ है कि परिवर्तित स्थितियों में सुरक्षा उपायों में समायोजन जरूरी हैं। एक मूल्यांकन से यह निर्धारित करने में सहायता मिलेगी कि क्या नई सुरक्षा प्रक्रियाएं और सुरक्षा योजना का अनुप्रयोग पर्याप्त हैं।

(ग) खतरा विश्लेषण में परिवर्तन

तब आसूचना डेटा किसी विशेष सुविधा के लिए वर्धित खतरा सूचित करता है तो मूल्यांकन किया जाएगा। मूल्यांकन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नए आशंका स्तर का मुकाबला करने के लिए सुविधा का सुरक्षा प्रोफाइल पर्याप्त है या इसके लिए उसका उन्नयन पर्याप्त है।

(घ) शत्रुतापूर्ण घटना

एक ही भूगोलीय क्षेत्र के भीतर किसी संपत्ति या उसके समान संपत्ति पर एक वास्तविक हमले या प्रयास किए आक्रमण की अनुक्रिया में मूल्यांकन किया जाता है।

5. भेद्यता मूल्यांकनों के प्रकार

(क) प्रारंभिक मूल्यांकन

प्रारंभिक मूल्यांकन अत्यधिक व्यापक होता है। यह निर्धारित करता है कि क्या परिसंपत्ति के इर्द गिर्द सुरक्षा ठीक है और ठीक काम कर रही है। इसमें सुरक्षा से संबंधित सब प्रक्रियाओं और योजनाओं की समीक्षा अपेक्षित होती है ताकि सुनिश्चित किया जाए कि वे उचित रूप से लिपिबद्ध और लागू हैं। मूल्यांकन में सब भौतिक सुरक्षा प्रणालियों और सब अनुक्रिया योजनाओं का मूल्य-निर्धारण शामिल है ताकि सुनिश्चित किया जाए कि वे काम कर रहे हैं जैसे अभिकल्पित है।

(ख) आवधिक मूल्यांकन

आवधिक मूल्यांकन एक निश्चित अंतराल (मासिक, वार्षिक आदि) या यादृच्छिक समयों पर होता है। मूल्यांकन

का लक्ष्य परिसंपत्ति के इर्द-गिर्द सुरक्षा की जांच करना है ताकि सुनिश्चित किया जाए कि परिसंपत्ति पर्याप्त रूप से सुरक्षित रहती है जैसा कि प्रारंभ में अभिकल्पित की गई थी। मूल्यांकन जांच की जाने वाली विशिष्ट पद के लिए व्यापक या सीमित हो सकता है।

(ग) उन्नत या अवनत मूल्यांकन

जब परिसंपत्ति के इर्द-गिर्द सुरक्षा जान बूझकर बदल दी जाती है तो उन्नत या अवनत मूल्यांकन किया जाता है। मूल्यांकन से यह सुनिश्चित करने में सहायता मिलती है कि नए सुरक्षा डिजाइन और प्रक्रियाएं सुरक्षा अपेक्षाओं के अनुरूप हैं।

(घ) समापन मूल्यांकन

समापन मूल्यांकन एक निरीक्षण है ताकि सुनिश्चित किया जाए कि कीमती या सुरक्षा की सब मदों को परिसंपत्ति की अवस्थिति से हटा लिया गया है जिसे बंद कर दिया गया है या कहीं और ले जाया गया है।

6. भेद्यता मूल्यांकन के चरण

एक भेद्यता मूल्यांकन के कई चरण हैं जैसा कि नीचे दिया गया है:

- पूर्व-निर्धारण योजना और डेटा संग्रहण
- मूल्यांकन योजना
- मूल्यांकन करना
- परीक्षण करना
- मूल्यांकन पश्च रिपोर्टिंग

(क) पूर्व-मूल्यांकन योजना और डेटा संग्रहण

1. मूल्यांकन के पहले मूल्यांकन टीम लीडर को निम्नलिखित सूचना की जरूरत हो सकती है :
 - i. मूल्यांकन संचालित करने के लिए विधि या प्रक्रियात्मक रूप से प्राधिकृत किया जाना।
 - ii. सुविधा या परिसंपत्ति मास्टर प्लान, ब्लू प्रिंट, निर्माण ड्राइंगें, भूगत सुविधा निकास मार्ग, जल प्रणाली, मल त्याग प्रणाली, विद्युत डिजाइन।
 - iii. स्थलाकृतिक नक्शे या रेलवे, हवाई अड्डों, नदियों, सड़क मार्गों और भूकंप सक्रियता दिखाने वाले नक्शे।
 - iv. मूल्यांकन अधीन परिसंपत्तियों के बारे में वर्तमान सूचना, वर्तमान सुरक्षा अमले और प्रौद्योगिकियों, परिसंपत्ति सुरक्षा, अग्नि और निकास प्रक्रियाओं, प्रशिक्षण नियमावतियों और उपलब्ध किसी प्रशिक्षण रिकार्ड सहित।
2. एक अच्छे सुरक्षा मूल्यांकन, टीम लीडर या एजेंसी के लिए अपेक्षित बहुत महत्वपूर्ण सूचना तक पहुंच प्राप्त करने के लिए परिसंपत्ति के प्रबंध के साथ एक निकट संबंध होना चाहिए।

(ख) योजना चरण

मूल्यांकन के प्रत्येक प्रकार के लिए सामान्यतः निम्नलिखित उपाय करने हैं :

i. कार्यक्रम बनाना

अपेक्षित मूल्यांकन का प्रकार और मूल्यांकन की तारीखें और अवधि निर्धारित करें।

ii. कर्मचारी चयन

यदि मूल्यांकन के लिए एक से अधिक व्यक्ति अपेक्षित है तो टीम लीडर द्वारा अहर्ता प्राप्त लोगों का चयन सुनिश्चित करना चाहिए ताकि सुरक्षा के अधीन प्रत्येक सुरक्षा क्षेत्र का मूल्यांकन किया जा सके।

iii. व्यवस्था करना

टीम लीडर निर्धारित करेगा कि टीम के सदस्य कहां मिलेंगे और टीम के प्रत्येक सदस्य को उत्तरदायित्व का एक विशिष्ट क्षेत्र सौंपें। उत्तरदायित्व का क्षेत्र अवस्थिति जैसे बाहरी परिधि, प्रवेश स्कीनिंग प्रक्रियाओं, वाहन यातायात, पैदल यातायात, पहुंच नियंत्रण, भौतिक सुरक्षा, सी सी टी वी प्रणाली आदि द्वारा सौंपा जा सकता है। अरक्षित लक्ष्य (जैसे होटल, माल, मस्जिद, चर्च, स्टेडियम या स्कूल) के प्रकार के साथ जिम्मेदारी के विभिन्न क्षेत्रों में, जिनका मूल्यांकन किया जा रहा है, विभिन्नता हो सकती है।

iv. अधिसूचना उपलब्ध कराना

टीम लीडर परिसंपत्ति के प्रबंध को बताएगा कि मूल्यांकन करने के लिए मूल्यांकन टीम स्थल पर कब होगी। मूल्यांकन अधिसूचना के दो रूप हैं:

i. अग्रिम अधिसूचना—चूंकि अधिकांश परिसंपत्तियां जिनका मूल्यांकन करना है वे निजी उद्यम हैं इसलिए मूल्यांकन का परिसंपत्ति के साथ अग्रिम तालमेल किया जाना चाहिए। यह अग्रिम तालमेल मूल्यांकन टीम को सुविधा से नीतियों और प्रक्रियाओं को एकत्र करने का अवसर देगा।

ii. शून्य सूचना—मूल्यांकन के इस रूप के साथ परिसंपत्ति के प्रबंध के साथ अग्रिम तालमेल नहीं होता। निगमों या सरकारी सत्ता सामान्यतः शून्य सूचना मूल्यांकन आन्तरिक रूप से करती हैं।

7. भेद्यता मूल्यांकन संचालित करना

मूल्यांकन संचालन में शामिल है विवरण के लिए बैठक, डेटा ग्रहण और अवलोकन, डेटा का वैधीकरण और एक ब्योरा देने के लिए बैठक, जिसके बाद एक लिखित रिपोर्ट और बहुधा प्रेक्षणों और सिफारिशों का एक मौखिक प्रस्तुतीकरण होगा।

(क) इन-ब्रीफिंग

मूल्यांकन टीम लीडर सुविधा प्रबंधक को सूचित करेगा कि मूल्यांकन के दौरान वे क्या प्रत्याशा कर सकते हैं और मूल्यांकन का दायरा क्या होगा। यह उपयुक्त समय होता है सब मूल्यांकन टीम के सब सदस्यों का सुविधा प्रबंधक के साथ परिचय कराया जा सकता है। इस बैठक के दौरान, मूल्यांकन टीम लीडर इस बात पर बल देगा कि टीम मूल्यांकन कर रही है ताकि सुविधा के प्रबंध को सहायता उपलब्ध कराई जा सके। टीम लीडर को

पहचानना चाहिए कि कुछ प्रबंध कार्मिक मूल्यांकन टीम को बाहरी लोगों के रूप में देखेंगे जो सुविधा में आते हैं और सुरक्षा की कमजोरियां बताते हैं और आशंकित महसूस करते हैं।

(ख) डेटा संग्रहण

टीम सदस्य सुविधा और उसके प्रचालनों को देखते हैं और सुविधा कार्मिकों के साथ बातचीत करते हैं। डेटा-संग्रहण प्रक्रिया के एक भाग में रिकार्डों की समीक्षा और सुरक्षा प्रचालनों का परीक्षण संभवतः शामिल होगा। टीम लीडर निम्नलिखित पर विचार करेगा :

- i. चूंकि बहुत से अरक्षित टारगेट बहुत जटिल या बड़े हो सकते हैं इसलिए चैकलिस्टों के प्रयोग की सिफारिश की जाती है।
- ii. जब आप रिपोर्ट लिख रहे हैं तो फोटो दृश्य याददाश्त प्रस्तुत कर सकती है और जब मूल्यांकन के परिणाम पर मौखिक रिपोर्ट दी जानी है तो वे अच्छे चाक्षुष समर्थक साधन के रूप में काम करते हैं
- iii. सर्वोत्तम भेद्यता मूल्यांकन टीम में विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि से सदस्य होंगे जिनके ज्ञान, प्रशिक्षण और विशेषज्ञता के क्षेत्रों में विभिन्नता होगी।

(ग) वैधीकरण

जब मूल्यांकन में एक भेद्यता की पहचान की जाती है जो अरक्षित लक्ष्य के लिए भारी जोखिम प्रस्तुत करती है तो निष्कर्ष का वैधीकरण किया जाना चाहिए। इससे सुनिश्चित होता है कि निष्कर्ष एक गलत बोध नहीं है या सही सूचना के अभाव पर आधारित नहीं है।

(घ) आउट-ब्रीफिंग

जब मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी हो जाए तो टीम लीडर सुविधा के प्रबंध को सूचित करेगा, और विवरण के लिए बैठक के दौरान टीम लीडर प्रबंध को बताएगा कि मूल्यांकन टीम एक लिखित रिपोर्ट उपलब्ध कराएगा जिसमें सब निष्कर्ष और सिफारिशें दी जाएंगी। यदि प्रबंध चाहे तो इसके साथ मौखिक रूप से ब्योरा देने के लिए एक बैठक भी रखी जा सकती है।

8. मूल्यांकन-पश्च रिपोर्ट

(क) जब सब आंकड़े एकत्र कर लिए जाते हैं तो समय आ जाता है कि मूल्यांकन के अंतिम चरण में जाएँ। इस चरण में प्राप्त डेटा का विश्लेषण, जोखिम विश्लेषण प्रक्रिया को लागू करना और सिफारिशें करना शामिल है।

(ख) भेद्यता मूल्यांकन सांचा और चैकलिस्ट

किसी अरक्षित लक्ष्य का भेद्यता मूल्यांकन करने विशेष रूप से चुनौती पूर्ण होता है क्योंकि प्रत्येक अरक्षित लक्ष्य के अद्भुत लक्षण होंगे जिन्हें मूल्यांकन के दौरान मूल्यांकन टीम को ध्यान में रखना होगा। भेद्यता मूल्यांकन रिपोर्टिंग साधन और चैक लिस्टें जोखिम विश्लेषक को उपलब्ध कराई जाती हैं ताकि विभिन्न प्रकार के अरक्षित लक्ष्यों का व्यापक जोखिम और भेद्यता मूल्यांकन करने में सहायता मिले। चूंकि प्रत्येक सुविधा या अवस्थिति के अद्भुत लक्षण होंगे, इसलिए इस बात पर बल देना जरूरी है कि यह साधन मात्र एक मार्गदर्शक है और किसी

विशेष लक्ष्य के प्रत्येक पहलू का समाधान नहीं कर सकेगा। इसलिए विश्लेषक इस सांचे और चैकलिस्टों को संशोधित और आचारिक बनाएगा ताकि मूल्यांकन के अधीन विशिष्ट सुविधा या अवस्थिति से संबद्ध सब उपयुक्त अतिरिक्त मामलों या पहलुओं को लिया जा सके।

(ग) इस साधन के मुख्य खंडों को संक्षिप्त ब्योरा निम्नानुसार है:

i. आवरण पृष्ठ

मूल्यांकन साधन एक आवरण पृष्ठ से आरंभ होता है, जिसमें अरक्षित लक्ष्य का नाम और पता और साथ ही प्रत्येक टीम सदस्य का नाम और विशिष्ट नियत कार्य बताया जाता है। मूल्यांकन की तारीख और मूल्यांकन का प्रकार दिया जाता है यानी आरंभिक, आवधिक अपग्रेड/डाउनग्रेड, या समापक/अंत में, आवरण पृष्ठ में अरक्षित टारगेट पर मुख्य संपर्क व्यक्तियों के नाम दिए हुए हैं।

ii. सुविधा/अवस्थिति सूचना

मूल्यांकित किए जाने वाले अरक्षित लक्ष्य से संबद्ध परिसंपत्तियों का ब्योरा, उपयुक्त डिजिटल फोटोग्राफ के साथ उपलब्ध कराया जाता है। इसमें लोगों (कर्मचारी या ग्राहक), सूचना, उपकरण, सुविधा को भी, या अरक्षित लक्ष्य पर आयोजित गतिविधियों/समारोहों को शामिल किया जा सकता है। इस खंड में किसी पहले किए भेद्यता मूल्यांकन और ऐसे मूल्यांकन के परिणामों के बारे में टिप्पणियां भी अंतर्विष्ट हो सकती हैं।

iii. जोखिम विश्लेषण

इस खंड में विशिष्ट अरक्षित लक्ष्य या वैसे ही लक्ष्यों के विरुद्ध ज्ञात आशंकाओं या वास्तविक हमलों का संक्षेप दिया जा सकता है। इसमें आशंका का स्रोत, विरोधी की प्रेरणा/उद्देश्य और विरोधी की संदेहास्पद क्षमताओं और उसके कृत्यों के इतिहास को भी अंतर्विष्ट किया जा सकता है।

iv. परिधि सुरक्षा

इस खंड में इस समय विद्यमान बाहरी परिधि सुरक्षा उपायों के बारे में प्रेक्षणों या निष्कर्षों का संक्षेप रहेगा। इसमें ऐसी मद्दे आती हैं जैसे, दीवारें, विभिन्न प्रकार के अवरोध, बोल्डार्ड, बाड़ें और गेट आदि। इसमें चिट्ठों, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षित दूरियों और सामान्य प्रवेश नियंत्रण उपायों की उपस्थिति का भी उल्लेख किया जाना चाहिए।

v. स्थल-पर पार्किंग

इसमें स्थल पर विद्यमान पार्किंग को लिया जाता है और साथ ही यह भी कि क्या यह भूमि के नीचे है या ऊपर, केवल आगुंतकों, ग्राहकों या कर्मचारियों के लिए है। इस खंड में प्रवेश नियंत्रण और स्क्रीनिंग उपायों की समीक्षा भी शामिल होती है।

vi. तापन, संवातन और वातानुकूल सिस्टम (एचवीएसी)

इस खंड में भवन के एचवीएसी प्रणाली तक पहुंच के नियंत्रण और संरक्षा से संबंधित विषयों का लिया गया है।

vii. क्लोज़्ड सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) प्रणाली

इसमें एक सी सी टी वी प्रणाली और प्रणाली के विभिन्न परिचालन पहलुओं की उपस्थिति या अनुपस्थिति को लिया गया है।

ix. प्रापण/शिपिंग/प्रदाय

आवर्ती वाणिज्यिक प्रापण, शिपिंग या प्रदायों से संबंधित संरक्षा और सुरक्षा उपायों को लिया गया है।

x. सुरक्षा गार्ड

सुरक्षा गार्डों के विभिन्न पहलुओं को लिया गया है, क्या कोई उपस्थित है और क्या एक पूर्ण कालिक, स्थल पर सुरक्षा प्रबंधक उपलब्ध है और सुरक्षा गार्ड को कैसे प्रशिक्षित और तैनात किया जाता है।

xi. आन्तरिक सुरक्षा

इस खंड में भवन या अवस्थिति में विद्यमान विभिन्न उपायों का लिया गया है जैसा कि की पैड लाक्स खिड़की ताले, अतिक्रमण संसूचन व्यवस्था और एक मैग्नेटोमीटर या अन्य स्क्रीनिंग युक्तियों की मौजूदगी।

xii. प्रवेश नियंत्रण

इस खंड में सुविधा के आम क्षेत्रों की जैसे लॉबी, स्वागत कक्ष, एलीवेटर्स, शौचालयों, कांफ्रेंस रूमों और रेस्टोरेंट/केफे और सुविधा के अन्य क्षेत्रों की सुरक्षा और नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए अभिकल्पित सामान्य उपाय आते हैं।

xiii. संरक्षा और सुरक्षा योजना

इस खंड में किसी संकट या आपात की अनुक्रिया के लिए योजनाओं और कार्यविधियों का परावर्तित करते विद्यमान उपायों को लिया गया है। इन उपायों में शामिल होगा कि क्या सुविधा के पास वर्तमान आपात प्रचालनों या संकट प्रबंध योजना और एक आपात प्रचालन केंद्र या कमांड पोस्ट उपलब्ध है।

xiv. सुरक्षा प्रशिक्षण और आसूचना सहभाजित करना

इस खंड में कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण, घटना रिपोर्टिंग प्रक्रियाओं और उपयुक्त अधिकारियों के साथ वर्तमान संचार और आसूचना सहभाजित करना।